आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 43.3°C
न्यूनतम तापमान 29.8°C

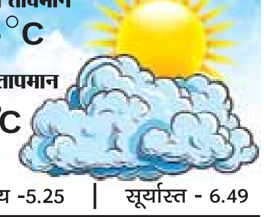

सूर्योदय -5.25 | सूर्यास्त - 6.49

घर के आंगन में सो रही महिला पर बाघ ने किया हमला 4

सिर्फ 1 किरदार से अमर हुआ विलेन 7

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर 25 मई को 9

सीएम डॉ. यादव आज धार भोजशाला में करेंगे पूजा

सरस्वती लोक बनाने की कर सकते हैं घोषणा

धार

उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद पहली बार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार को भोजशाला पहुंचेंगे। मोहन यादव के इस दौरे से मालवा अंचल में राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक हलचल तेज हो गई है। संपूर्ण हिंदू समाज इसे ऐतिहासिक पुनर्जागरण के रूप में देख रहा है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर लोग उम्मीद जता रहे हैं कि भोजशाला को सरस्वती लोक बनाने की घोषणा कर सकते हैं। इसके अलावा विधायक नीना वर्मा यहां राजा भोज संस्कृत पीठ की स्थापना चाहती हैं और मुख्यमंत्री से इसके लिए मांग करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार को सबसे पहले भोजशाला में पूजन-दर्शन करेंगे। उसके बाद मोतीबाग चौक पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री यहां रोड शो में भी शामिल होंगे। सभा स्थल पर वॉटरप्रूफ डोम तैयार किया जा रहा है और 5 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने दौरे के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान में भी शामिल होंगे। इस दौरान वे देवीजी मुंज सागर तालाब पर पहुंचकर श्रमदान भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दौरे को लेकर सबसे अधिक चर्चा भोजशाला में सरस्वती लोक बनाने की घोषणा को लेकर हो रही है। भोजशाला परिसर के समग्र विकास के साथ एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कॉरिडोर विकसित करने की योजना पर मंथन चल रहा है। बताया जा रहा है कि इस परियोजना में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत अध्ययन, वेद शिक्षा, सांस्कृतिक दीर्घाओं और धार्मिक पर्यटन को केंद्र में रखा जा सकता है। यदि यह योजना आकार लेती है, तो धार देश के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्रों में शामिल हो सकता है।

बांदा में 48 डिग्री तापमान के बीच एक युवक ने गर्मी से बचने के लिए बाइक पर बांस और पेड़-पौधों की मदद से ग्रीन शेड बना लिया। युवक का दावा है कि इससे उसे तेज धूप और लू से राहत मिल रही है। अनोखे देसी जुगाड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग मजेदार कमेंट कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दावा

एक साल में मोदी की विदाई तय

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक नए बयान ने देश की राजनीति में भारी गर्माहट पैदा कर दी है। राहुल गांधी का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार अगले एक साल के भीतर गिर जाएगी। दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में शनिवार को कांग्रेस की अल्पसंख्यक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि अगले एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता से विदाई तय है।

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने कहा कि देश और दुनिया के आर्थिक हालात तेजी से बदल रहे हैं और इसका असर जनता के मूड पर भी दिखाई देने लगा है। राहुल गांधी ने बैठक में कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक परिस्थितियों के चलते लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी कई राजनीतिक भविष्यवाणियां की थीं, जो बाद में सही साबित हुईं। राहुल गांधी ने भरोसा जताया कि इस बार भी उनका आकलन सही निकलेगा और आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा। बैठक के दौरान कुछ नेताओं ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर मुस्लिम शब्द के बजाय अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल किया जाए। इस पर राहुल गांधी ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय हो तो उसके समर्थन में खुलकर खड़ा होना चाहिए और इसमें डरने की जरूरत नहीं है।

बीजेपी ने भी किया पलटवार

जैसे ही राहुल गांधी का यह बयान सामने आया, रविवार को बीजेपी ने उन पर चौतरफा हमला बोल दिया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कोई आम बयान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सीधे चुनाव में बीजेपी को नहीं हरा पा रही है, तो वह देश में हिंसा और नफरत भड़काने की कोशिश कर रही है। गोयल ने इसे कांग्रेस, कुछ विपक्षी दलों और विदेशी ताकतों का एक बड़ा टूलकिट (सोचा-समझा प्लान) बताया, जो भारत को आगे बढ़ता हुआ नहीं देखना चाहते।

अन्याय के खिलाफ खड़ी होगी कांग्रेस

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस हर उस वर्ग के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी जिसके साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि चाहे मामला हिंदू, दलित, सवर्ण, मुस्लिम, सिख, ईसाई या बौद्ध-जैन समाज का हो, पार्टी किसी भी पीड़ित वर्ग की आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

जनता के असली मुद्दों पर जोर

बैठक में मौजूद कुछ नेताओं ने कहा कि बीजेपी की हिंदू-मुस्लिम राजनीति का मुकाबला आर्थिक मुद्दों के जरिए किया जाना चाहिए। नेताओं का मानना था कि कांग्रेस ने पहले भी महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक सवालों को लेकर जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत की थी। राहुल गांधी ने इस रणनीति पर सहमति जताई और कहा कि जनता के असली मुद्दों को केंद्र में रखना जरूरी है।

व्हाइट हाउस के पास 25 राउंड फायरिंग

घटना के वक्त परिसर में ही थे राष्ट्रपति ट्रंप, हमलावर मारा गया

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में प्रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स व्हाइट हाउस के पास रविवार को गोलीबारी की घटना सामने आई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में ही मौजूद थे। व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाला संदिग्ध हमलावर यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के जवानों की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। एक और व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। जानकारी के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के बाहर करीब 25 गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है और गोलीबारी की घटना किसी भी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एफबीआई की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और सीक्रेट सर्विस की मदद कर रही है। काश पटेल ने कहा कि जांच जारी है और जैसे-जैसे जानकारी मिलेगी, जनता को अपडेट दिया जाएगा।

एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

भोपाल

भोपाल में रिटायर्ड जज की बहू और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भदभदा श्मशान घाट में एक्ट्रेस के भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार रोते रहे। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली एम्स की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। नई दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्विशा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने में अभी कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि कुछ प्रयोगशाला जांच जैसे हिस्टोपैथोलॉजी और विसरा का एनालिसिस किया जाना बाकी है। एम्स दिल्ली के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम नमूने, फोटोग्राफ, वीडियो और लिखित निष्कर्षों के साथ सोमवार को लौटेगी।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने समर्थ को 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच सीबीआई से कराने पर सहमति दे दी है।

बंगाल के फालता में पहली बार जीती भाजपा

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर रविवार को आए चुनावी नतीजे में भाजपा को जीत मिली। बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने 1 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 1.49 लाख से ज्यादा वोट मिले। सीपीआई(एम) के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले टीएमसी के जहांगीर चौथे नंबर पर रहे। फालता में 74 साल के इतिहास में भाजपा ने पहली बार जीत हासिल की है। 1952 से 2006 तक यह कांग्रेस और सीपीआई(एम) का गढ़ था। 2011 के बाद लगातार तीन बार टीएमसी जीती थी। फालता में जीत के साथ भाजपा की बंगाल में कुल सीटें 208 हो गई हैं।

बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर

राजद की 'मुखिया दीदी' अब भाजपा के खेमे में

पटना

बिहार की राजनीति में एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। राष्ट्रीय जनता दल का प्रमुख महिला चेहरा रहीं रितु जायसवाल अब भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने जा रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। मुखिया दीदी के नाम से चर्चित रितु जायसवाल 26 मई को पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगी। उन्होंने बताया कि दोपहर 12.19 बजे से 1.09 बजे के बीच उनका जॉइनिंग कार्यक्रम होगा, जहां भाजपा के वरिष्ठ नेता उन्हें सदस्यता दिलाएंगे। भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बीच रितु जायसवाल ने राजनीतिक संदेश के अलावा सादगी और पर्यावरण संरक्षण का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने समर्थकों से कार्यक्रम में अनावश्यक भीड़ और लंबे काफिले के साथ नहीं आने की अपील की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि देश संवेदनशील दौर से गुजर रहा है और प्रधानमंत्री द्वारा ऊर्जा एवं ईंधन बचत पर दिए जा रहे जोर को देखते हुए दिखावे की राजनीति उचित नहीं है।

सेना को ले जा रही ट्रेन पर आत्मघाती हमला, 24 की मौत

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा में सेना के जवानों को ले जा रही एक ट्रेन पर हुए आत्मघाती हमले से भारी तबाही मच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक रेलवे ट्रैक के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। धमाके के बाद ट्रेन की एक बोगी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आसपास के इलाकों में भी नुकसान की खबरें सामने आई हैं। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी से जुड़े गुट ने ली है।

चेतावनी — कोरोना के बाद नया हेल्थ क्राइसिस

युवाओं में 40प्रतिशत बढ़ी हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी

नई दिल्ली

देश में कोरोना के बाद अब एक नई मुसीबत सामने आ रही है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जिन लोगों को कोविड के इलाज में ज्यादा स्टेरॉयड दिए गए थे, उनके कूल्हे की हड्डी अंदर से खराब हो रही है। और सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह बीमारी अब बुजुर्गों में नहीं, बल्कि 30 से 40 साल के जवान लोगों में तेजी से बढ़ रही है। कोविड के दौरान जब मरीज बहुत गंभीर हो जाते थे, तो डॉक्टर उनकी जान बचाने के लिए स्टेरॉयड दवाइयां देते थे। ये दवाइयां सूजन कम करने में बहुत काम आती हैं और उस वक्त जरूरी भी थीं। लेकिन जिन मरीजों को ये दवाइयां लंबे समय तक या बहुत ज्यादा मात्रा में दी गईं, उनमें एक साइड इफेक्ट देखा जा रहा है। ये स्टेरॉयड कूल्हे की हड्डी तक खून की सप्लाई को बाधित कर देते हैं। और यह नुकसान कभी-कभी स्टेरॉयड लेने के कुछ महीनों बाद ही शुरू हो जाता है।

दिल्ली में 'दिल्ली हिप 360 सम्मेलन' के दूसरे संस्करण का आयोजन हुआ, जिसमें देशभर के बड़े हड्डी रोग विशेषज्ञ जुटे। दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और इंडियन आर्थोप्लास्टी एसोसिएशन ने मिलकर यह कॉन्फ्रेंस करवाई। यहां डॉक्टरों ने बताया कि कोरोना के बाद से कूल्हे की बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। मैक्स अस्पताल दिल्ली के डॉ. एल तोमर ने बताया कि अकेले उनके यहां युवा मरीजों में कूल्हे के ऑपरेशन 40 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

यह है बड़ी परेशानी

यह बीमारी शुरुआत में चुपचाप बढ़ती है। मरीज को लगता है कि कमर या जांघ में बस मांसपेशियों का दर्द है। वो इसे नजरअंदाज करते रहते हैं। जब तक डॉक्टर के पास जाते हैं, तब तक हड्डी बुरी तरह खराब हो चुकी होती है और उसे बचाने का मौका निकल जाता है। पुष्पांजलि मेडिकल सेंटर के डॉ. करूण जैन ने बताया कि अगर शुरुआत में एमआरआई करा ली जाए और जांच हो जाए, तो हड्डी को बचाया जा सकता है। लेकिन देर होने पर ऑपरेशन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता।

पहले से बेहतर हुआ ऑपरेशन

डॉक्टरों ने यह भी बताया कि कूल्हे बदलने का ऑपरेशन अब पहले से काफी बेहतर और सुरक्षित हो गया है। रोबोटिक तकनीक, बेहतर इम्प्लांट और नई सर्जरी विधियों की वजह से मरीज जल्दी ठीक होकर सामान्य जिंदगी में वापस आ जाते हैं। मैक्स अस्पताल पटपड़गंज के डॉ. गौरव गोयल ने कहा कि यह ऑपरेशन आधुनिक चिकित्सा में सबसे सफल ऑपरेशनों में से एक है।

आगे क्या करना होगा?

कॉन्फ्रेंस में डॉक्टरों ने साफ कहा कि अगर अभी से जागरूकता नहीं बढ़ाई गई और समय पर जांच नहीं हुई, तो अगले 10 सालों में देश में कूल्हे के ऑपरेशन की मांग बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ जाएगी। उन्होंने तीन जरूरी बातों पर जोर दिया। पहला, कोविड से ठीक होने के बाद भी अगर कूल्हे या जांघ में दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। दूसरा, स्टेरॉयड दवाइयां डॉक्टर की सलाह के बिना न लें। तीसरा, डॉक्टरों को नई तकनीकों की ट्रेनिंग और आपस में सहयोग जारी रखना होगा ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके।

कांग्रेस का लक्ष्य आखिरी पायदान के कार्यकर्ता को मुख्यधारा से जोड़कर संगठन को और मजबूत बनाना : आशीष त्रिपाठी

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जयसिंहनगर विधानसभा के प्रभारी एवं कांग्रेस नेता आशीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति और जनहितकारी विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर ब्लॉक कांग्रेस अमरहा मंडलम अंतर्गत ग्राम अमरहा में ब्लॉक एवं मंडलम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनावों की रणनीति, बूथ एवं पंचायत कमेटियों के गठन और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विधानसभा प्रभारी आशीष कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और पार्टी का उद्देश्य क्षेत्र के आखिरी कार्यकर्ता के घर तक पहुंचकर उन्हें सक्रिय करना है, ताकि हर कार्यकर्ता स्वयं को संगठन की मुख्यधारा से जुड़ा महसूस कर सके। बैठक में संगठन को मजबूत बनाए रखने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज़ करने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई।

साथ ही आगामी बूथ एवं पंचायत स्तरीय बैठकों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी विशेष चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष अजीत कुमार सोनी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ओमकार सिंह, ओबीसी जिला अध्यक्ष सत्यनारायण साहू, मीडिया प्रभारी शोएब अंसारी, यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी (ऊधिया), जनपद सदस्य राजकुमार रौतेल, मंडलम अध्यक्ष शंभू पटेल, एडवोकेट अनिकेत सिंह गोलू, जनपद सदस्य नानबुल्ली कोल, कुबेर सिंह, अमरनाथ पटेल, अमर सिंह, अजय बैगा, देवलाल कोल, रतिराम कोल, सुधीर सिंह, अजय कोल, नत्थूलाल चर्मकार, राजू कोल, शैलेन्द्र सिंह, रामप्रकाश सिंह, अमर सिंह परमार, विक्रम बैगा, दयाराम विश्वकर्मा, कमलेश कोल, राजाबली सिंह, वीरेंद्र कोल, राजेश विश्वकर्मा, संतोष सिंह, सूरजबली बैगा, अब्दुल रज्जाक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को विजय दिलाने के संकल्प के साथ हुआ।

भोपाल प्रेक्षक एवं पूर्व कलेक्टर नीरज दुबे द्वारा मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

रसमोहनी (स्वतंत्रमत)।

जिले के जैतपुर विधानसभा अंतर्गत मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण भोपाल प्रेक्षक एवं पूर्व कलेक्टर नीरज दुबे द्वारा जरवाही, बिरहुली, चनौडी, बहगड़ राघोपुर भटिया आदि मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में फर्म 6,7, 8एवं नो मैपिंग का भी जायजा लिया गया। भटिया में पंचायत भवन में सचिव को निर्देश देते हुए कहा गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मतदाता सूची को और अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने के लिए इस दिशा में महत्त्व पूर्ण पहल की जरूरत है। सभी मतदाता अपने अपने परिवार का नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान मनोज सिंह तहसीलदार बुढार ,आनंद अग्रवाल जिला महिला बाल विकास अधिकारी महेंद्र कुमार त्रिपाठी मतदाता सूची के मुख्य प्रभारी बुढार ,पंचायत समन्वयक पैकरा सुरेन्द्र सिंह परिहार भटिया पुरुषोत्तम सिंह सचिव राजा कुशवाहा और कुछ उपस्थित मतदाता गण आदि। इसके बाद आदि शक्ति जगत जननी मां भटिया वाली सिंहवाहिनी माता जी की पूजा पाठ अर्चन किया गया।

हेडगेवार तालाब में गूंजा जल संरक्षण का संदेश जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

शहडोल (स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित च्ज्जल गंगा संवर्धन अभियानज्ज के अंतर्गत हेडगेवार तालाब परिसर में व्यापक स्तर पर सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेल बिल्डिंग के समीप स्थित तालाब परिसर में आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर साफ-सफाई एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखना और आमजन में जल संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस दौरान उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान कर तालाब परिसर की सफाई की और नागरिकों से जल स्त्रोतों की सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति, एसडीएम अमृता गर्ग, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश जगवानी, पूर्व पार्षद प्रभात पांडे और पार्षद सिल्लू रजक ने भी श्रमदान में सहभागिता निभाई। अभियान में स्थानीय नागरिकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली।

अमृत मित्र स्व-सहायता समूह की महिलाओं, पीडीएमसी टीम, नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने तालाब परिसर की साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्यों में सक्रिय योगदान दिया। च्ज्जल गंगा संवर्धन अभियानज्ज के तहत नगर के विभिन्न जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन और पर्यावरण संवर्धन के लिए लगातार श्रमदान, स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

साधु संतों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय स्तर पर जैन समाज की रैली

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)। साधु संतों की सुरक्षा को लेकर पूरे देश सहित बुढार नगर में भी एक रैली कुलुश 25 मई प्रात: 9.00 बजे स्थानीय नवीन शांतिनाथ जिनालय फॉरेस्ट विभाग के पास से प्रारंभ होकर तहसील कार्यालय पहुंचेगी। ज्ञात है कि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की परम शिष्य आर्यिका माताजी पर रीवा में घटी हृदय विदारक घटना से समस्त समाज मे रोष व्याप्त है। साधु संतों के साथ ऐसी घटनाएं असहनीय है। इस घटना के विरोध में समग्र जैन समाज रैली निकालकर तहसील दार को ज्ञापन देगा व साधु संतों को सुरक्षा प्रदान हो यह मांग करेगा। समस्त बुढार, धनपुरी नगर वासियों एवं जैन समाजजनों से इस आंदोलन में सम्मिलित होने का निवेदन किया गया है। चिंता. रीवा में साध्वियों के साथ हुए हादसे को ले मुनि प्रमाण सागर ने किया आह्वान 25 मई को देशव्यापी मौन रैली एवं राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान चलाएं, मधुवन स्थित गुणायतन में मुनि प्रमाण सागर महाराज ने एमपी के रीवा में जैन साध्वियों के साथ हुई दुर्घटना को सुनियोजित बताया। कहा कि सीसीटीवी फुटेज बेहद हृदयद्रावक है। मुनि श्री ने 25 मई को देशव्यापी मौन रैली एवं राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान चलाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि साधु-संतों की सुरक्षा केवल किसी एक समाज का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की आस्था और संवेदना का विषय है। उन्होंने मधुवन में प्रारंभ हुए इस अभियान को राष्ट्रीय स्वरूप देने का आह्वान करते हुए समाज से एकजुट होकर संत सुरक्षा हेतु आगे आने की अपील की। आर्थिक संघ के साथ दुर्घटना सामान्य नहीं इस दौरान उन्होंने कहा कि अब केवल शोक और संवेदनाएं व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज जागरूक होकर इस प्रकार की घटनाओं पर विराम लगाकर इतिहास बनेगा, अन्यथा केवल दान देकर बैठ जाने से पुन: ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। उन्होंने चैनल के लाइव कार्यक्रम में फुटेज के हवाले से कहा कि सड़क के किनारे पैदल चल रही आर्थिक संघ की कार रोंदते हुए निकल जाती है, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। यदि आज समाज जागरूक हो गया तो ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए समाज को संगठित कर स्थायी समाधान की दिशा में बढ़ना होगा। साधु-संतों की सुरक्षा संपूर्ण मानवता की आस्था और संवेदना का विषय है। संत सुरक्षित होंगे तभी धर्म सुरक्षित रहेगा। मुनिश्री ने स्पष्ट कहा कि साधु-संत किसी जाति, वर्ग या संप्रदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के हैं। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान में सभी समाजों एवं संत भक्तों को एकजुट होकर सहभागी बनना चाहिए।

उन्होंने 25 मई सोमवार को प्रात: आठ बजे देशभर में मौन रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक गांव, नगर एवं महानगर में समाज जन स्वप्रेरणा से शांतिपूर्ण रैली निकाले तथा प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग करे। समाज को संगठित होकर स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होगा। संत सुरक्षित होंगे तभी धर्म सुरक्षित रहेगा। उन्होंने चैनल के लाइव कार्यक्रम में फुटेज के हवाले से कहा कि सड़क के किनारे पैदल चल रही आर्थिक संघ की कार रौंदे हुए निकल जाती है, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। यदि आज समाज जागरूक हो गया तो ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए समाज को संगठित कर स्थायी समाधान की दिशा में बढ़ना होगा।

पैदल चलनेवाले असुरक्षित मुनि श्री ने कहा कि सरकार को पैदल बिहार करनेवाले साधु-संतों की सुरक्षा के लिए विशेष नीति बनानी चाहिए। बड़े शहरों में सुरक्षित फुटपाथ व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने तथा पैदल यात्रियों की सुरक्षा हेतु ठोस कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पैदल चलनेवालों का जीवन असुरक्षित बना हुआ है।

बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीण नेशनल हाईवे पर किया चक्का जाम

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार सड़क पर फूट पड़ा। डिंडौरी-अमरकंटक नेशनल हाईवे स्थित सागर टोला चौराहे पर ग्रामीणों ने पानी की समस्या को लेकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। कई बार संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायत दी गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। धरातल पर आज तक कोई स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी। लोगों का कहना है कि गांव में पीने तक के लिए पानी उपलब्ध नहीं है और महिलाएं व बच्चे दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति कुछ और ही दिखाई दे रही है। योजनाएं कागजों तक सीमित हैं, जबकि गांवों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। जिले में हर वर्ष गर्मी के मौसम में दर्जनों गांवों के लोग पानी की समस्या को लेकर सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास किया। अधिकारियों ने जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि गांव में पानी चाहिए।

समनापुर शराब दुकान से जिला मुख्यालय लाई जा रही अवैध शराब पकड़ी गई, ग्रामीणों ने पुलिस की भूमिका पर उठाए सवाल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

यूं तो पुलिस और आबकारी के सांठगांठ से पूरे जिले के गांव गांव गली गली अवैध शराब कारोबार चरम पर है, चारपहिया और दोपहिया वाहनों से ठेकेदार के गुर्गे धड़ल्ले से गांव गांव अवैध शराब की तस्करी कर युवाओं और गरीब जनता को बर्बाद कर रहे हैं। शराब कारोबारी और समनापुर पुलिस का आंतरिक गठबंधन आज सुबह सुबह जगजाहिर हो गई, जब ग्रामीणों ने नान डिंडौरी के पास स्कूटी में अवैध शराब परिवहन करते हुए ठेकदार के गुर्गे को पकड़ कर पुलिस को सूचित किया, मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सामने न तो जप्त अवैध शराब की गिनती की और न ही पंचनामा बनाया, जबकि पकड़ाई शराब की मात्रा की गिनती करने के लिए ग्रामीणों द्वारा पुलिस को कहा गया.. इतना ही नहीं अवैध शराब पकड़ने के बाद समनापुर पुलिस थाने पहुंचने की बजाय शराब कारोबारी के चौखट में पहुंच गए।

इससे ज्यादा शर्मनाक क्या हो सकता हैं कि अवैध शराब रोकने में विफल पुलिस ठेकेदार के चौखट पर हाजिरी लगा रहे हैं। अवैध शराब कारोबार को लेकर एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है।

समनापुर शराब दुकान से स्कूटी के माध्यम से जिला मुख्यालय की ओर लाई जा रही कथित अवैध शराब को ग्रामीणों ने पकड़ लिया, जिसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार स्कूटी में बड़ी मात्रा में शराब रखी हुई थी। सूचना मिलने पर 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची।

वायरल वीडियो में ग्रामीण पुलिसकर्मियों से मौके पर ही शराब की गिनती कराने और कार्रवाई की मांग करते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन पुलिस द्वारा उनकी बातों को नजरअंदाज करते हुए शराब को सीधे 112 वाहन में रख लिया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब अवैध शराब, आरोपी और बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पकड़ी गई थी, तब नियमानुसार वाहन और आरोपी को सीधे थाना ले जाना चाहिए था, लेकिन पुलिस पहले शराब दुकान पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई पर आपत्ति जताई और विरोध दर्ज कराया। बाद में मामला थाना पहुंचा, जहां आगे की कार्रवाई की गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जिले में अवैध शराब कारोबार लगातार बढ़ रहा है और यदि पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करे तो इस पर रोक लग सकती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस की ढिलाई और संरक्षण के चलते ही अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के बाद अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि मामले में पुलिस विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

मां नर्मदा तट पर गूंजा फिटनेस का संदेश संडे डांस एरोबिक्स में उमड़ा जनसैलाब

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आरोह-2026 के अंतर्गत रविवार को मां नर्मदा नदी तट स्थित पुल के पास विशेष संडे डांस एरोबिक्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 5 मई से 5 जून तक जिले में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एरोबिक्स, योग एवं सामूहिक फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के साथ उनके परिवारजन एवं स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। नर्मदा तट के प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस गतिविधि ने प्रतिभागियों को ऊर्जा और सकारात्मकता से भर दिया। कार्यक्रम में मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए फिटनेस गतिविधियों में भाग लिया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस आयोजन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के खेल अधिकारियों, जिला खेल प्रशिक्षण दल, ब्लॉक समन्वयकों सहित एसडीएम रामबाबू देवांगन, डॉ. संतोष परस्ते, मिथिलेश झरिया, मनोज चौकसे, जागेश्वर पदवार, सीआरपी कुशवाहा, चेतराम अहिरवार, आरती सोंधिया, सुनीता, लक्ष्मी बनावल, राजकुमार, अनीता तथा एरोबिक प्रशिक्षक आदर्श परस्ते एवं सुश्री सुनीता का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कलेक्टर अंजू भदौरिया ने सराहना करते हुए प्रत्येक रविवार को इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि नगरवासियों को खेल एवं फिटनेस गतिविधियों से स्वस्थ रहने की प्रेरणा मिलती रहे। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि आगामी 31 मई को फिटनेस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएं।

मंडला-डिंडौरी के 22 आदिवासी गांवों पर डूब का खतरा : जनजातीय कार्य मंत्रालय ने मप्र शासन से मांगी रिपोर्ट

अपर बुढ़नेर वृहद बांध परियोजना पर केंद्र सरकार सख्त, आदिवासी अधिकारों के मुद्दे पर मांगी रिपोर्ट

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी एवं मंडला जिले में प्रस्तावित अपर बुढ़नेर वृहद बांध परियोजना अब राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बनती जा रही है। जल-जंगल-जमीन और आदिवासी अधिकारों से जुड़े इस संवेदनशील मामले में अब भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने सीधे हस्तक्षेप करते हुए मध्यप्रदेश शासन से विस्तृत जांच और कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है।

उक्त कार्रवाई जिला सरपंच संघ डिंडौरी के अध्यक्ष एवं आदिवासी नेता इंजी. फूल सिंह मरकाम द्वारा भेजे गए विस्तृत शिकायत के बाद हुई है। मंत्रालय ने 21 मई 2026 को जारी अपने आधिकारिक पत्र में मध्यप्रदेश शासन के आदिवासी विकास विभाग को निर्देशित किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी वैधानिक पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

22 आदिवासी गांव और 1 वन ग्राम पर डूब का खतरा- केंद्र सरकार जनजाति मंत्रालय के पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि अपर बुढ़नेर बांध सहित तीन प्रस्तावित परियोजनाओं के कारण मंडला-डिंडौरी क्षेत्र के 22 अनुसूचित जनजाति गांव और 1 वन ग्राम के जलमग्न होने की आशंका है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रभावित ग्राम सभाओं की सहमति लिए बिना ही परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है, जो संविधान प्रदत्त आदिवासी अधिकारों और कानूनों की मूल भावना के विपरीत है।

मंत्रालय ने अपने पत्र में कहा है कि चूंकि वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पत्र की प्रतिलिपि मंडला और डिंडौरी कलेक्टर को भी भेजी गई है, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

यह सिर्फ बांध नहीं, आदिवासी अस्तित्व का सवाल- इंजी. फूल सिंह मरकाम ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि यह केवल एक विकास परियोजना का मामला नहीं बल्कि आदिवासी समाज के अस्तित्व, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम सभाओं को विश्वास में लिए बिना परियोजनाओं को मंजूरी देने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जो स्नक्र और क्ष्श्रट्ट कानूनों का खुला उल्लंघन है। मरकाम ने कहा कि यदि परियोजना इसी प्रकार लागू हुई तो हजारों आदिवासी परिवार अपनी पुश्तैनी जमीन, जंगल, नदी, देवस्थलों और सांस्कृतिक विरासत से हमेशा के लिए बेदखल हो जाएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि प्रभावित गांवों की ग्राम सभाओं की सहमति के बिना किसी भी परियोजना को स्वीकृति न दी जाए।

आदिवासी अंचल में बढ़ी हलचल, आंदोलन के संकेत- केंद्र सरकार द्वारा मामले में संज्ञान लिए जाने के बाद डिंडोरी और मंडला के प्रभावित क्षेत्रों में आंदोलन की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई ग्राम सभाओं, सामाजिक संगठनों और आदिवासी समुदायों ने इसे बड़ी जीत बताते हुए कहा है कि अब उनकी आवाज दिल्ली तक पहुंच चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर आदिवासियों को उनकी जमीन और संस्कृति से अलग नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि वर्षों से जल, जंगल और जमीन पर निर्भर समुदायों को विश्वास में लिए बिना योजनाएं बनाई जा रही हैं। एक ग्रामीण ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा- पहले जंगल छीने गए, फिर जमीनें गईं, अब गांव डुबाने की तैयारी है। आदिवासी समाज अब चुप नहीं बैठेगा।ज्ज

संवैधानिक अधिकारों पर बड़ा सवाल-जानकारों का मानना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में किसी भी बड़ी परियोजना के लिए ग्राम सभा की अनुमति और स्थानीय समुदायों की सहमति अनिवार्य मानी जाती है। यदि बिना सहमति के परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है तो यह गंभीर कानूनी और संवैधानिक प्रश्न बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार स्नश्रह्लद्गह्यह्ल ऋद्बद्दद्धह्लह्य ्रष्ह्ल और क्कश्वस्र ्रष्ह्ल का उद्देश्य आदिवासी समुदायों को उनके पारंपरिक संसाधनों और अधिकारों की सुरक्षा प्रदान करना है। ऐसे में यदि नियमों की अनदेखी हुई है तो मामला न्यायिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर बड़ा विवाद खड़ा कर सकता है।

दिल्ली तक पहुंची डिंडौरी की आवाज-अपर बुढ़नेर वृहद बांध परियोजना अब केवल एक निर्माण कार्य नहीं रह गई है, बल्कि यह जल-जंगल-जमीन, आदिवासी अस्मिता और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक बनती जा रही है। डिंडौरी के आदिवासी अंचल से उठी यह आवाज अब दिल्ली के सत्ता गलियारों तक पहुंच चुकी है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महाभियान का भव्य शुभारंभ

छः सत्रों में वक्ताओं ने संगठन, विचार और आधुनिक तकनीक पर दिया प्रभावी प्रशिक्षण

सिवनी। स्वतंत्र मत। भारतीय जनता पार्टी के पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत 23 मई से स्थानीय दा ग्रेंड राजवाड़ा सेलेब्रेसन में दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का प्रारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन एवं वरिष्ठ नेताओं तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके उपरांत पार्टी पदाधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया।

मंच पर आगमन से पूर्व उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, बालाघाट सांसद श्रीमती भारती पारधी, वर्ग प्रभारी सत्यनारायण अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन सहित सभी अतिथियों ने भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना की। वंदे मातरम् गान एवं वर्ग गीत के साथ प्रशिक्षण वर्ग का औपचारिक शुभारंभ हुआ। वर्ग गीत अंकित ठाकुर द्वाारा लिया गया । तत्पश्चात अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया।कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री मुकेश बघेल द्वारा किया गया ।

प्रस्तावना उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता, महत्व एवं संगठनात्मक उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि योग्य, समर्पित एवं वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के निर्माण में प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के लिए अपेक्षित संख्या 178 निर्धारित की गई थी, जिसमें से 170 प्रशिक्षणार्थी वर्ग में सहभागिता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ग को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान करने हेतु वर्ग प्रभारी सत्यानारायण अग्रवाल द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। वर्ग संयोजक की भूमिका भाजपा जिला महामंत्री संतोष अग्रवाल निभा रहे हैं, वहीं वर्ग नियंत्रक लालू राय संपूर्ण वर्ग नियंत्रण एवं कार्यक्रम का संचालन मुकेश बघेल एवं व्यवस्थाओं का दायित्व संभाल रहे हैं। अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है।

उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन एवं समय पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। श्रीमती बिसेन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण वर्ग न केवल कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायी सिद्ध होगा, बल्कि इसके उत्कृष्ट एवं व्यवस्थित आयोजन से प्रदेश स्तर पर सिवनी जिले की विशेष पहचान भी स्थापित होगी।

प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते एवं बालाघाट सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए प्रशिक्षण की अनिवार्यता एवं संगठनात्मक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की विकास यात्रा में विचार के प्रति निष्ठावान, ध्येय के प्रति समर्पित, व्यवहार कुशल एवं लोकसंग्रही कार्यकर्ताओं की भूमिका ही उसकी वास्तविक शक्ति होती है।

भाजपा जिला प्रभारी सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सरकारों की उपलब्धियों को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना तथा संगठन का चतुर्दिक विस्तार एवं गुणात्मक विकास करना आज की प्रमुख आवश्यकता है।

भाजपा जिला मीडिया विभाग से मनोज मर्दन त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिन विभिन्न विषयों पर छह महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वरिष्ठ वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रथम सत्र में विचार परिवार विषय पर प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन ने मार्गदर्शन दिया। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने की। द्वितीय सत्र में मेला एवं तीर्थ क्षेत्र प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोटिया ने देश के समक्ष चुनौतियाँ, राजनीति एवं सामाजिक विषय पर अपने विचार रखे। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष वेद सिंह ठाकुर ने की।

तृतीय सत्र में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मंडला भीष्म द्विवेदी ने कार्यपद्धति विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधायक राकेश पाल द्वारा की गई। चतुर्थ सत्र में छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी ने अपनी सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाएँ एवं उनके क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष कीरत सिंह बघेल ने की। पंचम सत्र में सोशल मीडिया, नई तकनीकी, एआई, प्रभावी सूचना तंत्र एवं संगठन के लिए सकारात्मक परसेप्शन निर्माण विषय पर जबलपुर के मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू एवं संभागीय सोशल मीडिया प्रभारी आदित्य शर्मा ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष सुदर्शन बाझल ने की।

प्रथम दिवस के षष्ठम सत्र में पूर्व विधायक ताराचंद बाबरिया ने कार्यकर्ता विकास, संभाल एवं अपेक्षाएँ विषय पर प्रेरक उद्बोधन दिया। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष सुजीत जैन द्वारा की गई। इन छह सत्रों की समाप्ति के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्यवहारिक सत्र एवं समूह आधारित गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। प्रशिक्षण वर्ग का दूसरा दिन 24 मई को पाँच विशेष सत्रों के साथ संपन्न होगा। यह पूर्णतः आवासीय प्रशिक्षण वर्ग है, जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था संगठन द्वारा सुनिश्चित की गई है।

केवलारी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का भूमिपूजन

जिला पंचायत सदस्य रजनी श्रीराम ठाकुर ने किया शिलान्यास

स्वतंत्र मत। कान्हीवाड़ा। क्षेत्र के विकास की कड़ी में ग्राम पंचायत कटिया और जोरावरी (जटलापुर) को लाखों रुपये के नए विकास कार्यों की सौगात मिली है। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रजनी श्रीराम ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित गरिमामय कार्यक्रमों में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

इन विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यों की आधारशिला रखी गई राशन दुकान भवन ग्राम पंचायत कटिया में 15वें वित्त आयोग की राशि से 3 लाख रुपये की लागत से नया भवन बनेगा। बाउंड्रीवॉल निर्माणः कटिया में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से इस कार्य की स्वीकृति दी गई है।

शांति धाम निर्माणः ग्राम पंचायत कटिया में सांसद निधि की राशि से इसका निर्माण कराया जाएगा। पुलिया निर्माणः ग्राम पंचायत जोरावरी के ग्राम जटलापुर में किसानों के सुगम आवागमन के लिए 2 लाख रुपये की लागत से पुलिया स्वीकृत की गई है।

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता- रजनी ठाकुर

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रजनी श्रीराम ठाकुर ने कहा कि ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है।

जटलापुर में पुलिया बनने से किसानों को खेतों तक आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी, वहीं कटिया में पीडीएस भवन बनने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली सुदृढ़ होगी।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्रीराम ठाकुर, क्षेत्रीय जनपद सदस्य श्रीमती प्रियंका शेर सिंह ऊईके, सरपंच नरेश ऊईके, उप सरपंच जयश्री ठाकुर, ड्यूटी सरपंच भूरा चंद्रवंशी और पूर्व सरपंच नारायण जावारे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके साथ ही श्री विपत चंद्रवंशी, मनोज ऊईके,सुभाष चंद्रवंशी, श्री सोनू चंद्रवंशी, रज्जू बंजारा, उपसरपंच पप्पू चंद्रवंशी, पलारी मंडल प्रभारी सचेंद्र वर्मा, पंचायत सचिव आनंद साहू, कमलेश डहेरिया, उपयंत्री श्रीमती पूजा हेडाऊ, श्री वर्मा सहित सभी पंच गण और बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

गेहूं उपार्जन 2026-27 : जिले में 3.42 लाख मीट्रिक टन से अधिक खरीदी

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत गेहूं उपार्जन कार्य तेज गति से जारी है। 23 मई 2026 की स्थिति में जिले में कुल 3 लाख 42 हजार 329 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष 54 हजार 96 किसानों ने पंजीयन कराया है तथा जिले में 78 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। अब तक 38 हजार 311 किसानों ने गेहूं विक्रय किया है। उपार्जित गेहूं की कुल राशि 884.92 करोड़ रुपये दर्ज की गई है। अब तक 617 करोड़ रुपये का सफल भुगतान किसानों के खातों में किया जा चुका है।

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर के निर्देशानुसार राजस्व सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी लगातार उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान किसानों की सुविधा, तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता, परिवहन, भंडारण एवं भुगतान प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उपार्जन से संबंधित सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता एवं समयसीमा के साथ पूर्ण कराई जाएं।

25 एवं 26 मई को डाकघर में आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन का विशेष अभियान

सिवनी। स्वतंत्र मत। बालाघाट संभाग अंतर्गत सिवनी जिले के विभिन्न डाकघरों में 25 एवं 26 मई 2026 को आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन हेतु विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। कार्यालय अधीक्षक डाकघर बालाघाट संभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सिवनी प्रधान डाकघर सहित छपारा, बरघाट, घंसौर एवं लखनादौन उपडाकघरों में यह अभियान आयोजित होगा।

अभियान के दौरान प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेशन, मोबाइल नंबर एवं ईमेल लिंकिंग सहित अन्य आधार संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके लिए 22 एवं 23 मई 2026 को टोकन वितरण किया जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम डाकघर स्थित आधार केन्द्र में पहुंचकर इस विशेष सुविधा का लाभ लें।

अधिक जानकारी हेतु कार्यालय अधीक्षक डाकघर बालाघाट संभाग, बालाघाट से दूरभाष 07632-247574 अथवा ईमेल dobalaghat. mp@ indiapost.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

रक्तदान महादानःजिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में 71 यूनिट रक्तदान

सिवनी। स्वतंत्र मत। रक्तदान के प्रति आमजन को जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय सिवनी में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर तथा सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. विनोद नावकर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। शिविर के दौरान कुल 71 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर के सफल संचालन में ब्लड बैंक से डॉ. मानसिंह कुमरे, सीनियर टेक्नीशियन संतोष डहेरिया, एलटी राजेश तिवारी, राजेश डहेरिया, स्टाफ नर्स विनीता लक्षने, अर्पिता मिश्रा, अनीता पटले, राहुल यादव, प्रकाश एवं मकसूद अली ने व्यवस्थाएं संभालीं। रक्तदाताओं को प्रेरित करने में बीएमओ बरघाट डॉ. ऊषा श्री पांडे, बीएमओ छपारा डॉ. टी.एस. इनवाती, बीएमओ गोपालगंज डॉ. राजेंद्र कुमार सहित प्रद्युम्न चतुर्वेदी, जी.एस. बघेल, संदीप श्रीवास, आदेश मालवीय, धीरज पाल एवं कुसुम चंद्रवंशी का विशेष योगदान रहा।

स्व करुणा शंकर मिश्रा को दी गई श्रद्धांजलि

सिवनी। स्वतंत्र मत। ब्राह्मण समाज के गौरव, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धूमा के सच्चे सिपाही आदरणीय श्री करुणाशंकर मिश्रा जी का स्वर्गवास दिनांक 11 मई को हृदय गति रुकने के कारण हो गया था। मिश्रा जी ने लगातार 22 वर्षों तक ब्राह्मण समाज धूमा के अध्यक्ष के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं दीं, साथ ही वे सिवनी जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। समाज और राजनीति के क्षेत्र के विकास में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने एवं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने हेतु एक श्रद्धांजलि सभा के आयोजन लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धूमा के सक्रिय सदस्य व श्रम जीवी पत्रकार परिषद जिला सिवनी के सदस्य एवं पत्रिका न्यूज एजेंसी के धूमा रिपोर्टर करुणा शंकर मिश्रा जी का जाना धूमा क्षेत्र ही नहीं सिवनी जिले के धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्र के लिये अपूर्णीय क्षति हैं।स्व. श्री करुणा शंकर मिश्रा जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिये उनके परिवार के दुख में शामिल होने के लिये आज श्रधांजलि सभा का आयोजन किया गया हैं जिसमें आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धूमा के अध्यक्ष श्रीओम शिवहरे एवं ब्राह्मण समाज धूमा के अध्यक्ष सुदीप तिवारी सहित सामाजिक जनों ने समाजसेवी करुणा शंकर मिश्र को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया।

सन लाइफकेयर पैथोलॉजी ने शुरू की मुफ्त होम सैंपल कलेक्शन सेवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गर्मियों में सेहत का ध्यान रखने के लिए जबलपुर के सन लाइफकेयर पैथोलॉजी लैब्स द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के विशेष समर पैकेज की शुरुआत की गई है। संस्थान की मुख्य शाखा एकता चौक विजय नगर और अन्य कलेक्शन सेंटर्स रांझी, बिलहरी, चेरीताल तथा यादव कॉलोनी में लोगों को जांच की अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रियंका तिवारी के अनुसार बदलती ऋतु में शरीर की बुनियादी जांचें कराना आवश्यक है। इस पहल में लोगों की सुविधा के लिए ब्लड और यूरिन शुगर टेस्ट पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है और घर बैठे सैंपल कलेक्शन की भी मुफ्त व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है ताकि आमजन आसानी से अपनी सेहत की निगरानी कर सकें।

थकान और डिप्रेशन से बचना है तो जरूरी है विटामिन बी-12 की जांच

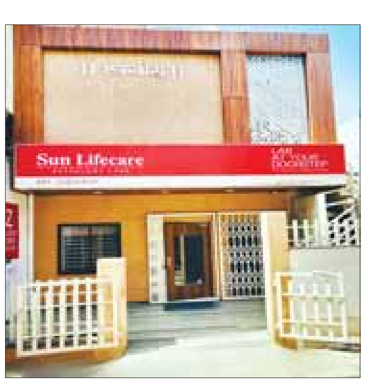

विटामिन डी और बी 12 की कमी के लक्षण- शरीर को सुचारू रूप से चलाने में विटामिन्स की भूमिका पर डॉक्टर प्रियंका तिवारी बताती हैं कि विटामिन डी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन, पैरों व पीठ में तकलीफ तथा बाल झड़ने जैसी समस्याएं होती हैं। वहीं विटामिन बी 12 की कमी से अत्यधिक थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में झुनझुनी, मानसिक तनाव और डिप्रेशन के साथ वजन कम होने जैसी दिक्कतें पैदा होती हैं। इन दोनों तत्वों की समय पर जांच करवाकर शरीर की कार्यक्षमता को बेहतर किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र में प्रोस्टेट और कैंसर की पहचान- विभिन्न प्रकार के कैंसर के प्रति सचेत करते हुए डॉक्टर श्रीमती तिवारी ने बताया कि 50 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों को प्रोस्टेट कैंसर की जांच के लिए हर 2 से 3 वर्ष में पीएसए टेस्ट कराना चाहिए, विशेषकर पेशाब रुक-रुक कर आने या खून आने के लक्षण दिखने पर। डॉक्टर प्रियंका शर्मा के अनुसार आंतों के कैंसर की निगरानी के लिए सीईए परीक्षण और महिलाओं में ओवरी के कैंसर की सटीक जांच व इलाज के असर का पता लगाने के लिए सीए 125 टेस्ट की मदद ली जाती है।

संक्रमण से बचाव के लिए कल्चर टेस्ट

शरीर के भीतर छिपे बैक्टीरिया और बार-बार होने वाले संक्रमणों की पहचान के विषय में डॉक्टर का कहना है कि पेट दर्द रहने या बार-बार यूरिन इन्फेक्शन होने की स्थिति में यूरिन कल्चर टेस्ट कराना चाहिए। यदि दवाइयों के सेवन के बाद भी आराम नहीं मिल रहा हो, तो यह टेस्ट यूरिन के बैक्टीरिया की सटीक पहचान करता है। इसी प्रकार गंभीर बीमारियों में दवाएं बेअसर होने पर ब्लड कल्चर टेस्ट के जरिए रक्त में मौजूद बैक्टीरिया का पता लगाया जाता है।

इलेक्ट्रोलाइट संतुलन और यूरिक एसिड का महत्व

शरीर में मिनरल्स के संतुलन और जोड़ों की सेहत के बारे में बताया गया कि सोडियम, पोटैशियम और क्लोराइड जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी से सिरदर्द, थकान, बेहोशी और मांसपेशियों में अकड़न जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके अलावा शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने से जोड़ों में दर्द और गंभीर सूजन की शिकायत हो सकती है जिससे गाउट और किडनी में पथरी की समस्या हो सकती है। डॉक्टर प्रियंका शर्मा के अनुसार इन तत्वों की नियमित जांच कराकर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

जिला चिकित्सालय में मातृशक्तियों ने किया रक्तदान

सिवनी। स्वतंत्र मत।

सिवनी मानव सेवा ही माधव सेवा है। भीषण गर्मी में जहां कई लोग रक्तदान करने से बचते नजर आ रहे हैं, वहीं हमारी टीम की मातृशक्ति और युवा बहनें यह साबित कर रही हैं कि सेवा और साहस में वे किसी से कम नहीं। जिला चिकित्सालय सिवनी के रक्तकोष में रक्त की भारी कमी को देखते हुए प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से रक्तदान की अपील की गई थी ताकि सिकलिंग मरीजों, एक्सीडेंटल एवं इमरजेंसी मरीजों को समय पर रक्त मिल सके। इस अपील को स्वीकार करते हुए सिवनी शहर के केवटी वार्ड निवासी हमारी बहन अंशिता नाविक जी एवं मातृशक्ति दीदी तरुणा नागेश्वर जी सहित उनके मित्रों ने रक्तदान कर मानवता का सच्चा परिचय दिया, जिसके लिए पूरी टीम उनकी मित्र मंडली का हृदय से आभार व्यक्त करती है। कुछ लोगों ने प्रशासन का लेटर खूब शेयर किया, स्टेटस लगाए, रक्तदान महादान जैसे बड़े-बड़े स्लोगन लिखे, लेकिन जब जरूरत पड़ी तब खुद रक्तदान करने आगे नहीं आए। याद रखिए, इंसान की पहचान उसके शब्दों से नहीं बल्कि जरूरत के समय किए गए कर्मों से होती है – और आज रक्तदान करने वाले ही सच्चे मानवसेवा के योद्धा हैं।

जिले का एक मात्र 100 बिस्तर वाला अस्पताल आईएसओ सर्टिफाईड 9001:2008

जिंदल हॉस्पिटल डायग्नोस्टिक्स एंड रिसर्च सेंटर

ब्लड बैंक सुविधा उपलब्ध. सिवनी में पहली 1.5 टेस्ला एमआरआई ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी यहाँ पर सभी ऑपरेशन और भर्ती मुफ्त में आयुष्मान योजना के तहत उपलब्ध कराई जाती है। आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह सुविधा केन्द्र शासन के दिशा निर्देश के तहत दी जा रही है।

हमारी सुविधाएंः एम.आर.आई.,सी.टी. स्केन,डायलिसिस,पैथोलॉजी (सभी प्रकार की जाँच सुविधा)ऑपरेशन सुविधाः हड्डी जोड़ने के लिये नैलिंग प्लेटिंग, रॉड एण्ड इम्प्लांट फिक्सेशन, बिना टांके के बच्चादानी ऑपरेशन, हिप्स और घुटने का रिप्लेसमेंट

दलसागर तालाब के पास भगत सिंह वार्ड सिवनी मो.- 6260196758

तड़के 4 बजे पहुंचे जिला अस्पताल कलेक्टर, मरीजों का दर्द देख छलका कलेक्टर का गुस्सा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जब पूरा शहर गहरी नींद की आगोश में था और सरकारी दफ्तरों के गलियारों में सन्नाटा पसरा था, तब जिले के मुखिया एक ऐसे मिशन पर निकले जिसने व्यवस्था की नींद उड़ा दी। रविवार, 24 मई की तड़के 4 बजे, जब सूरज की पहली किरण भी नहीं फूटी थी, कलेक्टर मृणाल मीना अचानक जिला चिकित्सालय की दहलीज पर जा पहुंचे। बिना किसी सुरक्षा काफिले और तामझाम के पहुंचे कलेक्टर को देख अस्पताल प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। अस्पताल के भीतर का दृश्य विचलित करने वाला था। मेडिकल और महिला वार्ड में क्षमता से अधिक मरीज होने के कारण कई बेबस बीमार जमीन पर पतले गद्दे बिछाकर लेटे हुए थे। अपनी बीमारी से लड़ रहे इन मरीजों को फर्श पर देख कलेक्टर श्री मीना अत्यंत व्यथित हुए। उन्होंने मौके पर मौजूद सिविल सर्जन डॉ. नीलय जैन को कड़ी फटकार लगाते हुए शब्दों में कहा 'शासन की योजनाएं और संसाधन गरीबों के लिए हैं।

कर्तव्य से 'गद्दारी' करने वालों पर गिरी गाज- निरीक्षण के दौरान जहां मरीज कराह रहे थे, वहीं सुरक्षा और सेवा के लिए तैनात कुछ कर्मचारी गहरी नींद में सोकर अपने कर्तव्यों की धज्जियां उड़ा रहे थे। कलेक्टर ने पाया कि आउटसोर्स कर्मचारी आविष्कार मेश्राम, कैलाश झलपे और गार्ड राधेश्याम बघेले ड्यूटी के दौरान बेपरवाह होकर सो रहे थे। इस घोर लापरवाही को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल सख्त रुख अपनाया और तीनों कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के निर्देश दे दिए।

मरीजों का हाल जान, परिजनों को दिया ढांढस- कलेक्टर केवल निर्देश देकर नहीं रुके। वे बारी-बारी से भर्ती मरीजों के पास गए, उनके सिर पर हाथ रखा और उनका हाल जाना। उन्होंने मरीजों से पूछा कि क्या उन्हें समय पर दवाइयां मिल रही हैं और क्या डॉक्टर नियमित रूप से आ रहे हैं? उन्होंने अस्पताल परिसर में दूर-दराज से आए मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए भी उचित शेड और बैठने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

खैरलांजी अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर बवाल

बैठक में अनुपस्थित बीएमओ पर भड़के सभापति अरविंद डहरवाल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

खैरलांजी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की लगातार शिकायत के बाद जनपद पंचायत खैरलांजी के सभागार में स्वास्थ्य समिति के सभापति अरविंद डहरवाल की अध्यक्षता में गति दिवस बैठक आहूत की गई थी। जिसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर सभापति ने खैरलांजी स्वास्थ्य विभाग को लेकर विशेष चर्चा की गई, लेकिन विभिन्न मुद्दों पर आज तक कोई भी अमल नहीं लिया गया और दरकिनार करते हुए बैठक का अस्तित्व को ही समाप्त करने की मनसा रखने वाले खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.पी. नागेंद्र के कारण प्रणाली दिखाई दे रही है। यही नहीं वह बैठक में

उपस्थित नहीं रहते हैं जिसको लेकर सभापति ने नाराजगी जताई हैं।

जानकारी अनुसार, स्वास्थ्य समिति के सभापति अरविंद दरवाल जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता बहेटवार, जनपद सदस्य कविता बिजेवार व श्रीमती पूजा नगपुरे, स्वास्थ्य विभाग से बीपीएम श्री नागपुरे और महिला परियोजना अधिकारी खैरलांजी लकेश ऊके सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी गण भी मौजूद रहे।

सभापति अरविंद डहरवाल ने बताया कि बैठक में कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत किया गया था जिसमें जन आरोग्य समिति के दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए किंतु समस्त सीएचओ द्वारा प्रस्तुत नहीं किए गए जिन्हें आगामी तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गए थे। मुख्यालय निवास प्रमाण समस्त सीएचओ को आगम में तीन दिवस में कार्यालय में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था। और समस्त सुपरवाइजर महिला बाल विकास विभाग को मुख्यालय निवास प्रमाण पत्र आगामी तीन दिवस के भीतर कार्यालय में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था लेकिन कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है और ना ही मुझे कोई जानकारी दी गई हैं। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी खैरलांजी डॉक्टर के.पी. नागेंद्र के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है और वह बैठक में भाग नहीं लेते हैं, उनके द्वारा बैठक में लिए गए प्रस्ताव में कोई भी निर्देशों का पालन न करते हुए दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जाता हैं जिससे यह लगता है कि बहुत कुछ दाल में काला है। इससे पहले भी बैठकों में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई लेकिन कोई भी बिंदुओं को लेकर चर्चा सार्थक साबित नहीं हो पाई है इससे यही लगता है कि बीएमओ के द्वारा जानबूझ कर लापरवाही बरती जा रही है। अगर दस्तावेज उन्होंने प्रस्तुत नहीं किया गया तो आगामी समय में कलेक्टर और जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायत की जाएगी।

सभापति अरविंद डहरवाल ने कहा कि वैकल्पिक टीका वितरण (अल्टरनेटिव वैक्सीन डिलेवरी) का भी भुगतान सही नहीं किया जा रहा हैं किसी को कम तो किसी को अधिक भुगतान किया जाता हैं जो कि काम तो सब एक जैसे ही करते हैं। तो क्या उनसे लेखापाल रिश्वत लेने के चलते भुगतान कम ज्यादा कर रहे हैं उक्त मामले की जांच होनी चाहिए। यहीं नहीं आशा कार्यकर्ताओं को भी भुगतान समय पर नहीं किया जाता है जिससे वह कार्यालय के चक्कर लगाते दिखाई देती है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी बताते हैं कि कुछ कर्मचारी तो सप्ताह में 1 से 2 दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी में आते हैं किंतु बीएमओ की उन पर ध्यान नहीं रहती या उन्हें खुली छूट दी जाती है कि वह अपने मनमर्जी से कार्यालय में आ जा सकते हैं।

अवैध रेत खनन पर माइनिंग की बड़ी कार्रवाई

नाले में लंबे समय हो रहा था अवैध खनन, ट्रैक्टर मालिक की पुलिस में शिकायत

कटंगी(स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम भजियापार में रविवार सुबह ग्रामीणों ने अवैध रेत खनन और परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों को पकड़ने की कोशिश की। सुबह 9 बजे ग्रामीणों ने नाले से रेत निकालकर ले जा रहे दो ट्रैक्टरों को रोकने का प्रयास किया। इनमें से एक चालक रेत खाली कर भागने में सफल रहा, जबकि दूसरा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 एए 3244 ग्रामीणों के कब्जे में आ गया। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को पकड़ने के बाद खनिज विभाग को सूचना दी। खनिज निरीक्षक बंसत पाटिल मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को खनिज विभाग के सुपुर्द कर दिया। खनिज

विभाग ने इसे जब्त कर दोपहर साढ़े 12 बजे पुलिस अभिरक्षा में थाना परिसर में खड़ा करवा दिया। इस घटना से पूरे गांव में गहमा-गहमी का माहौल बन गया। जब्त ट्रैक्टर के मालिक महेश भगत पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भगत ने उन्हें ट्रैक्टर चढ़ाकर जान से मारने की धमकी दी। इस पर करीब 50 से अधिक ग्रामीण थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि भजियापार नाले में लंबे समय से अवैध रेत खनन हो रहा था। कई बार शिकायतें की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस बार उन्होंने खुद पहल कर खनन रोकने का प्रयास किया। खनिज निरीक्षक बसंत पाटिल ने ग्रामीणों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अवैध खनन पर अंकुश तभी संभव है जब स्थानीय लोग प्रशासन का साथ दें। उन्होंने ग्रामीणों को धन्यवाद दिया और भरोसा दिलाया कि आगे भी ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई होगी।

अवैध खनन से बिगड़ी नाले की सूरत- ग्रामीणों का आरोप है कि भजियापार नाले की हालत अवैध खनन से काफी खराब हो चुकी है। नाले का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ गया है। जिससे आसपास के खेतों की सिंचाई पर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि महेश भगत और उसके कुछ साथी लंबे समय से राजनीतिक संरक्षण पाकर नाले से अवैध उत्खनन कर रहे थे। जब ग्रामीण उन्हें ऐसा करने से रोकने तो डराया-धमकाया जाता। ऐसे में ग्रामीणों ने एकजुट होकर नाले से रेत का अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने का मन बनाया और रेत का अवैध खनन और परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को पकड़कर पुलिस और खनिज विभाग को सूचना दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अवैध खनन पर रोक नहीं लगी तो आने वाले वर्षों में जल संकट और मिट्टी कटाव जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले लेंगी। अवैध रेत खनन आज के समय में सबसे गंभीर पर्यावरणीय संकटों में से एक है। रेत खनन माफ़िया नाले और नदियों से रेत निकालकर आज तो मोटा मुनाफा कर रहे है। मगर, पैसों की इनकी भूख भविष्य के लिए गहरी चुनौती है।

भांजे के लिए कपड़ा खरीदने जा रहे मामा-मामी की सड़क हादसे में मौत, भांजा घायल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। रामपायली थाना के ग्राम साकड़ी से सेलवटपार के बीच साकड़ी नाले पर रविवार को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई और एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मरने वालों में धनीराम (41) पिता भगत गाड़ेकर और उनकी पत्नी अनीता (38) पति धनीराम गाड़ेकर ग्राम साकड़ी निवासी है। घायल उनके भांजे डिलेश उर्फ डिग्गु (12) पिता नरेश नागेश्वर 12 ग्राम घोटी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, धनीराम गाड़ेकर खेती किसानी का कार्य करते थे। उनका भांजा डिलेश नागेश्वर स्कूल छुट्टी में मामा के ग्राम साकड़ी आया था। सुबह साढ़े 11 बजे धनीराम अपनी पत्नी अनिता और भांजे डिलेश के साथ बाइक में सवार होकर भांजे के लिए कपड़े खरीदने के लिए डोंगरमाली जा रहे थे। इस दौरान वे साकड़ी नाले की पुलिया समीप पहुंचे ही थे कि पिकअप वाहन ने टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। जिससे धनीराम गाड़ेकर की नाले के पुलिया के नीचे में गिरने से मौत हो गई। अनिता और डिलेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से वारासिवनी अस्पताल भेजा गया, लेकिन रास्ते में अनिता ने दम तोड़ दिया। भांजे डिलेश नागेश्वर को वारासिवनी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। रामपायली थाना प्रभारी धर्मराज सिंह बघेल ने बताया कि साकड़ी नाले के पास पिकअप वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक में सवार दंपती की मौत हो गई और एक बालक घायल हो गया।

उमरिया (स्वतंत्रमत)

रेस्क्यू जंगली हाथी को बाँधवगढ़ के खितौली रेंज में सुरक्षित छोड़ा गया

दक्षिण शहडोल के घनी आबादी वाले इलाकों के पास विचरण कर रहा जंगली नर हाथी ई-5 अब सुरक्षित रूप से बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली रेंज में शनिवार को छोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि यह कदम मानव हाथी द्वंद्व की घटनाओं को रोकने और हाथी के सुरक्षित विचरण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया। वन विभाग के अनुसार, हाथी पिछले कुछ दिनों से केशवाही रेंज के पास रहवासियों के निकट भ्रमण कर रहा था,जिससे स्थानीय लोगों में डर और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई थीं। 4 दिनों की कड़ी मेहनत और समन्वित प्रयास के बाद बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू दल एवं दक्षिण शहडोल वन मण्डल के वन अमले ने हाथी को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा।हाथी को रिहा करने से पहले वन्यजीव विशेषज्ञों ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया।स्वास्थ्य ठीक पाए जाने के बाद हाथी को खितौली रेंज में मुक्त किया गया साथ ही हाथी पर सैटेलाइट कॉलर लगाया गया है ताकि उसका वास्तविक समय में ट्रैकिंग की जा सके और भविष्य में मानवदृहाथी संघर्ष से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने कहा, यह मानव और वन्यजीव दोनों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला कदम है। हाथी ई-5 को सुरक्षित जंगल में लौटाकर हमने न केवल मानव हाथी संघर्ष को कम किया है,बल्कि इसके प्राकृतिक व्यवहार और स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी भी सुनिश्चित की है। निश्चित ही यह प्रयास टीमवर्क और विशेषज्ञता के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है।इस कार्य में उपसंचालक,वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी,सहायक प्राध्यापक ए स ड ब ल ू ए फ ए च जबलपुर,एसडीओ ताला,पनपथा और मानपुर सहित 60 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे है।विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के सुरक्षित रिलीज़ ऑपरेशन से हाथियों का प्राकृतिक आवास में पुनः समायोजन और मानवदृवन्यजीव संघर्ष का सफल नियंत्रण संभव है।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की कार्यवाही, 01 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु लगातार कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी डॉ.विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा सतत निरीक्षण एवं भ्रमण किया जा रहा है।ग्राम अमहा स्थित अमहा रेलवे फाटक के पास उमरिया-शहडोल मार्ग एनएच-43 पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की गई। वाहन ट्रैक्टर पावरट्रेक 434 (नंबर निल) में लगभग 3 घनमीटर रेत का परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान चालक द्वारा शासकीय अनुमति, रॉयल्टी रसीद एवं ई-टीपी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अवैध परिवहन पाया गया।

तीन दिवसीय गणना के दूसरे दिन तक बांधवगढ में दिखे 341 गिद्ध

उमरिया

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चल रही तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026 के दूसरे दिन उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। शुक्रवार 22 मई को हुई गणना में रिजर्व क्षेत्र में कुल 341 गिद्ध प्रत्यक्ष रूप से देखे गए,जिनमें 322 वयस्क और 19 अवयस्क गिद्ध शामिल हैं। यह आंकड़ा बाँधवगढ़ के समृद्ध जैव विविधता और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूत तस्वीर पेश करता है।विशेष बात यह रही कि बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के 9 परिक्षेत्रों में से 7 परिक्षेत्रों में गिद्धों की सक्रिय मौजूदगी दर्ज की गई।गणना के दौरान देशी गिद्ध,सफेद पीठ गिद्ध, इजिप्शियन गिद्ध और राज गिद्ध जैसी दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण प्रजातियाँ दिखाई दीं।वन विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश देश में गिद्धों के सबसे बड़े रहवास स्थलों में शामिल हो चुका है और बाँधवगढ़ इसमें अहम भूमिका निभा रहा है।इस बार गिद्ध गणना को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है। वही एप्प के माध्यम से गणनाकर्ताओं ने मौके से ही गिद्धों की संख्या, प्रजाति, वयस्क-अवयस्क स्थिति और फोटो सीधे ऐप पर अपलोड किए।इससे आंकड़ों की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है।तीन दिवसीय गणना पूर्ण होने के बाद प्रतिभागियों को इसी ऐप के जरिए प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।सुबह 6 से 8 बजे तक चली इस गणना में 700 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया।

घर के आंगन में सो रही महिला पर बाघ ने किया हमला, मौके पर हुई मौत

बाघ की भी हुई मौत

ग्रामीणों के हमले में कई वनकर्मी हुए घायल वाहनों में की गई तोड़ फोड

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क से लगे ग्राम पनपथा के खेरवा टोला में रविवार 24 मई की सुबह भोर में करीब तीन बजे के आस पास घर के आंगन में सो रही महिला के पास अचानक बाघ ने दस्तक दिया जहां वह महिला को अपना शिकार समझ कर उसे मार दिया वहीं घटना की सुगबुगाहट सुन आस पास सो रहे अन्य दो लोगों ने हल्ला गोहर मचाना शुरू किया तो नाराज बाघ ने उक्त दो लोगों को भी लहू लुहान कर दिया घटना में फोल्ला पाल उम्र 50 वर्ष के सिर में गहरा घाव हुआ तो दसइयॉ पाल उम्र 65 वर्ष के कमर के नीचे गहरा घाव हुआ जिन्हें मानपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में तत्काल भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों की टीम ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है वहीं इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अपने दल बल के साथ पहुंचे पनपथा रेंजर प्रतीक श्रीवास्तव को देखते ही पब्लिक ने मारपीट शुरू कर दिया जिस कारण रेंजर के सर में डंडा से प्रहार होने के कारण गहरा जख्म हो गया वहीं पतौर परिक्षेत्र की महिला रेंजर के साथ भी बदतमीजी करते हुए मारपीट किया गया उक्त दोनों लोग किसी कदर मौके से निकल कर मानपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंचे और अपना इलाज कराए जिसके बाद भरी संख्या में पुलिस ने मौके पर पहुंच मोर्चा संभाला जहां प्रशासन की मौजूदगी में बांधवगढ़ प्रबंधन ने बाघ का रेस्क्यू शुरू किया आपको बता दें कि महिला को मरने के बाद महिला के पास ही बाघ भी अंदर कमरे में आराम परमा रहा था जिस कारण महिला की लाश निकालने में प्रबंधन को परेशानी का सामना करना पड़ा वहीं बाघ को ट्रेंकुलाइज (बेहोश) करने के बाद महिला की लाश को मौके से उठा कर पीएम आदि के लिए ले जाया जा रहा था तभी मौके पर मौजूद हजारों की संख्या में पब्लिक ने अपना रौद्र रूप दिखाया और प्रबंधन के ऊपर सैकड़ों की संख्या में मौजूद पब्लिक टूट पड़े देखते ही देखते भगदड़ मच गई जहां चले लाठी डंडों में में पुनः कई वन कर्मी घायल हुए साथ ही कई वाहनों में तोड़ फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसी दरमियान हरकत में आए प्रबंधन ने घर के अंदर बेहोश पड़े बाघ को उठवा कर पिंजड़े में बंद किया और मौके से लेकर भागे जिसे बांडे छोड़ने की योजना बनाई गई थी।

बाघ के हमले से आक्रोशित ग्रामीणों ने वन अधिकारी का फोड़ा सिर- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा अंतर्गत खेरवा मोहल्ला में शुक्रवार तड़के हुई बाघ की घुसपैठ ने पूरे इलाके को दहला दिया।एक बाघ घर में घुस गया और महिला पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया।महिला को बचाने पहुंचे पति, पिता और ससुर भी बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए।मृतिका की पहचान फूल बाई पति पहलू पाल उम्र करीब 40 वर्ष के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीण में जहां भारी नाराजगी है वहीं आक्रोशित भी है। घटना की जानकारी होने के बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का वन हमला मौके पर पहुंचकर बाघ को गांव से बाहर निकालने की कोशिश में जुट गया, इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने वन अधिकारी रेंजर के ऊपर जमकर गुस्सा निकाला। जानकारी में बताया गया कि ग्रामीणों ने पनपथा रेंजर के ऊपर हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया है यह भी बताया गया है कि रेंजर के सिर में चोट आई है। वन कर्मियों के द्वारा तत्काल रेंजर को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। ग्रामीणों ने रेंजर सहित डिप्टी रेंजर और अन्य वन अमले पर भी हमला किया है।

गोंडवाना पार्टी के लोगों ने ग्रामीणों को उकसाया- वही प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ पीले गमछे गले में डाले लोगों ने ग्रामीणों को बाघ और वन्य कर्मियों को जान से मारने के लिए उकसा रहे थे और बार बार बोल रहे थे कि आज कोई बचना नही चाहिये सब को मार डालो और इसी उकसावे में ग्रामीणों ने एकत्रित होकर कई वाहनों में तोड़ फोड़ कर शासकीय वाहनों के शीशे तोड़ डाले और रेंजर सहित कई वनकर्मी पर हमला कर घायल कर दिया जो भाग कर बड़ी मुश्किल से अपने आप को बचा सके। भीड़ इतनी उग्र हो गई थी कि एकदम आज किसी को जिंदा ही नहीं छोड़ेगी लेकिन किसी तरह से वनयकर्मी अपनी जान को बचाने में सफल हुए लेकिन अब सवाल यह भी उठ रहा है कि भीड़ को भड़काने वाले कौन थे जो अपनी राजनैतिक रोटियां सेक रहे थे यह भी एक जांच का विषय है और इनकी पहचान भी जरूरी है जो उमरिया जैसे शांत जिले में बिष घोलने का काम कर रहे हैं.!

क्या ओवरडोज से हुई बाघ की मौत- ट्रैंक्विलाइजेशन के दौरान कथित ओवरडोज से टाइगर की मौत का मामला निश्चित तौर पर गंभीर विषय है, लेकिन इसकी वास्तविक जिम्मेदारी केवल विस्तृत जांच के बाद ही तय हो सकेगी। ट्रैंक्विलाइजेशन में दवा की मात्रा टाइगर की उम्र, वजन, आक्रामकता और शारीरिक स्थिति को देखकर तय की जाती है। कई बार अत्यधिक तनाव, गर्मी, लंबी भागदौड़ या पहले से खराब स्वास्थ्य भी जानवर के मौत की वजह बन सकते हैं,हालांकि यदि जांच में यह सामने आता है कि दवा की मात्रा गलत थी, प्रोटोकॉल का पालन नहीं हुआ या किसी स्तर पर लापरवाही बरती गई, तो संबंधित डॉक्टर,रेस्क्यू टीम या अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होना स्वाभाविक है।

25 लाख की आर्थिक सहायता- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में हुई यह घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मृतक के परिजनों को तत्काल 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घायलों के इलाज में किसी प्रकार की कमी न रहे। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। घटना के बाद जिला प्रशासन एवं वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर वन अमले की अतिरिक्त टीमें तैनात की गई हैं और लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री एवं उमरिया जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चैहान ने भी घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बांधवगढ़ क्षेत्र में हुई यह दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ राहत एवं सहायता कार्य में जुटा हुआ है तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जा रही है। घटना स्थल पर रेस्क्यू के दौरान प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह,प्रभारी पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीओ पुलिस उमरिया पुन्नू लाल परस्ते सहित बांधवगढ टाईगर रिवर्ज के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाहिनी का फिट इंडिया मूवमेन्ट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 148वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने फिट इंडिया मूवमेन्ट कार्यक्रम के तहत साईकल क्लब के साथ मिलकर साईकिल रैली का आयोजन किया फिट इंडिया मूवमेन्ट के तहत रविवार साईकल के साथ संडे आन साईकिल का 75वां संस्करण मनाया गया। इस अवसर पर 148वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा विक्रांत सारंगपाणि कमांडेन्ट के निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय से मंडला साईकिल क्लब के साथ मिलकर शहर के विभिन्न हिस्सों में साईकिल रैली का आयोजन किया गया। स्वस्थ भारत और फिट इंडिया अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से साइकिल रैली का आयोजन किया गया कार्यक्रम में रत्नेश कुमार सिंह द्वितीय कमान अधिकारी, मनोरंजन कुमार उप कमाण्डेन्ट, सूबेदार मेजर देवनारायण पटेल के अतिरिक्त वाहिनी के अन्य अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों के साथ मंडला साईकल क्लब के सदस्य एवं स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया।

कृषक पुरस्कार के लिए करें आवेदन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। परियोजना संचालक आत्मा समिति किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आत्मा योजनांतर्गत विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों एवं कृषक समूहों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह चयन कृषि मत्स्य पालन पशुपालन कृषि अभियांत्रि की उद्यानिकी एवं रेशम पालन जैसे क्षेत्रों में नवाचार एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसानों के लिए किया जाएगा। वर्ष 2025-26 रबी एवं खरीफ में अपनाई गई आधुनिक तकनीक, उत्पादन एवं उत्पादकता के आधार पर पात्र कृषकों और कृषक समूहों का चयन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार विकासखण्ड स्तर पर चयनित पांच उत्कृष्ट कृषकों को अलग-अलग श्रेणियों में 10-10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के तहत 10 चयनित कृषकों को 25-25 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। वहीं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के अंतर्गत पांच कृषक समूहों को 20-20 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इच्छुक कृषक 30 जून तक अपने संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग अथवा कृषि अभियांत्रिकी विभाग से आवेदन पत्र प्राप्त कर भरकर जमा कर सकते हैं।

रिटेल क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा रिटेल क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरुषोत्तम मीणा, डीजीएम सेंट्रल ऑफिस एवं अविनाश कुमार, रीजनल हेड द्वारा की गई। इस अवसर पर सुजय कुमार एलडीएम तथा निखिल वोहरा, शाखा प्रमुख सहित बैंक के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को बैंक की विभिन्न रिटेल ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें सरल, सुलभ एवं बेहतर वित्तीय समाधान उपलब्ध कराकर उनके सपनों को साकार करने में सहयोग देना था। कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों ने विभिन्न प्रमुख ऋण योजनाओं के लाभ एवं विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। इसमें महिलाओं के लिए विशेष रूप से संचालित सेंट गृह लक्ष्मी होम लोन योजना, नए एवं पुराने मकान की खरीद हेत सेंट होम लोन, सेंट गोल्ड लोन योजना तथा सेंट वाहन लोन जैसी योजनाओं के बारे में ग्राहकों को विस्तार से अवगत कराया गया।

एकलव्य योजना पर प्रवेश प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में एकलव्य योजना के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के तहत मध्यप्रदेश की अनुसूचित जनजाति वर्ग की दसवीं उत्तीर्ण छात्राएं एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से 29 मई रात्रि 11 बजे तक पंजीयन करा सकती हैं महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के रोजगारमुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं प्राचार्य ने बताया कि योजना के अंतर्गत अध्ययनरत ऐसी छात्राएं जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है, उन्हें निःशुल्क भोजन, स्टेशनरी, पुस्तकें तथा प्रतिमाह 1000 रुपये छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। साथ ही महाविद्यालय में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट की सुविधा विभिन्न कम्पनियों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

सरकारी नहर को पाटकर बसा रहे अवैध कॉलोनी
जल संरक्षण नारों के बीच जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल

मण्डला(स्वतंत्रमत मत)

जल संसाधन संभाग मंडला के उपसंभाग धोबाटोरिया परियोजना के अंतर्गत बनी शासकीय नहर पर इन दिनों लगातार अवैध कब्जा किया जा रहा है। नगर मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत बड़ी खैरी से बिनैका जंतीपुर, कटरा, सेमरखापा, चटुआमार जाने वाली नहर पर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बन चुकी है यहीं नहीं यहां बनी अवैध कॉलोनी में भी इसी नहर के मार्ग को आने जाने का मार्ग बताकर प्लाटिंग की जा रही है खासकर बड़ी खैरी, बिनैका, कटरा, सेमरखापा में यह स्थिति अधिक दिखाई दे रही है।

यहां बनी नहर को क्षतिग्रस्त किया गया है और सरकारी जमीन पर कब्जा भी किया जा चुका है। आघोषित कॉलोनी में नहर की जमीन को भी कब्जा किए जाने की जानकारी सामने आई है जिससे लोगों में रोष है वहीं सिंचाई विभाग द्वारा अवैध कब्जा को रोकने को लेकर सूचना आदि जारी की गई है। लेकिन कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार आकाशवाणी केन्द्र के सामने से नहर की जमीन पर रातो रात मुरंम मिट्टी डाल कर सड़क बना दी गई है। यह सड़क सीधे बिनैका मार्ग को जोड़ रही है और इस मार्ग में पड़ने वाले अधिकांश खेती की जमीन पर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा चुका है। मृदुकिशोर कॉलोनी और महर्षि विद्या मंदिर क्षेत्र से भी जाने वाली नहर पर अवैध कब्जा किया जा चुका है। एक तरफ सरकार जल है तो कल है का नारा देकर जल संरक्षण के बड़े-बड़े अभियान चला रही है करोड़ों रुपए खर्च कर तालाब कुएं और नहरों को बचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं वहीं दूसरी तरफ जमीन के लालच और अवैध प्लाटिंग के खेल में वर्षों पुरानी सरकारी नहरों को ही खत्म करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। मामला अब सिर्फ अतिक्रमण का नहीं रहा बल्कि यह सीधे-सीधे प्राकृतिक जल स्रोतों की हत्या का मामला बनता जा रहा है। शहर और गांवों के बीच से गुजरने वाली वह सरकारी नहर जिसने कभी किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाया जिसने बरसात के दिनों में जल निकासी का काम किया आज वही नहर भू-माफियाओं की नजर में सोने की जमीन बन गई है। सूत्र बताते हैं कि नहर की जमीन पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग की तैयारी की जा रही है। भारी मशीनों से मिट्टी डालकर नहर के स्वरूप को खत्म किया जा रहा है और धीरे-धीरे वहां कॉलोनी बसाने की पटकथा लिखी जा रही है। हर साल गर्मी आते ही जल संकट को लेकर बैठकें होती हैं अधिकारी जल बचाने की अपील करते हैं स्कूलों में बच्चों को पानी का महत्व बताया जाता है सोशल मीडिया पर अभियान चलाए जाते हैं लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आती है। जिस नहर ने वर्षों तक जल प्रवाह बनाए रखा आज उसी को मिट्टी और मुंम डालकर खत्म करने की कोशिश की जा रही है। विडंबना देखिए एक ओर सरकार जल स्रोतों के पुनर्जीवन की बात कर रही है दूसरी ओर सरकारी नहर को ही निगलने की तैयारी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले इस नहर में सालभर पानी दिखाई देता था। बरसात के समय यही नहर अतिरिक्त पानी निकालने का रास्ता बनती थी। लेकिन अब धीरे-धीरे इसे संकरा किया जा रहा है। कई जगहों पर मलबा डाल दिया गया है और अब कॉलोनी निर्माण की तैयारी तेज हो गई है। सूत्रों की मानें तो नहर किनारे की जमीन को पहले छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा गया फिर आसपास सड़क जैसी संरचना तैयार की गई अब प्लॉट बेचने की तैयारी चल रही है। यानी सरकारी जमीन को निजी कमाई का जरिया बनाने का पूरा ब्लूप्रिंट तैयार हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी निर्माण की चर्चा खुलेआम हो रही है। विशेषज्ञों की मानें तो नहर सिर्फ पानी पहुंचाने का माध्यम नहीं होती बल्कि यह पूरे क्षेत्र के जल संतुलन का हिस्सा होती है। नहरें भूजल स्तर बनाए रखने में मदद करती हैं। बरसात का अतिरिक्त पानी रोकती हैं और जल निकासी का रास्ता भी बनती हैं। यदि इन्हें पाटकर कॉलोनियां बना दी गई तो आने वाले समय में कई गंभीर समस्याएं सामने आएंगी बारिश में जलभराव भूजल स्तर में गिरावट आसपास के किसानों को सिंचाई संकट बाढ़ जैसी स्थिति देखने को मिलेगी। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पूरा काम लंबे समय से चल रहा है लेकिन जिम्मेदार विभाग मौन बने हुए हैं। नहर पर मिट्टी डाली जा रही है सीमाएं बदली जा रही हैं अतिक्रमण बढ़ रहा है। हर साल विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाए जाते हैं जल संरक्षण की शपथ ली जाती है लेकिन धरातल पर वही प्राकृतिक संसाधन खत्म किए जा रहे हैं जिनसे पर्यावरण जीवित रहता है।सरकारी नहर पर कब्जा सिर्फ भूमि अतिक्रमण नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर हमला है। जिस पानी के लिए आने वाले वर्षों में संघर्ष बढ़ने वाला है उसी पानी के रास्तों को आज लालच में बंद किया

डीके हेल्थ केयर में लगा निःशुल्क हेल्थ कैम्प

मण्डला(स्वतंत्रमत)

डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल कटरा रोड में हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। यहां पर लगभग 150 मरीजों की जांच की गई। वहीं 25 मरीजों की एंडोस्कोपी करते हुए उचित परामर्श दिया गया। यह पूरा कैम्प निःशुल्क आयोजित हुआ। यहां पर डॉ जतिन खातोडकर, डॉ. नृपिका पथरिया, डॉ चैतन्य धावर्डे के विशेष प्रयास से आयोजित शिविर में मिडास हॉस्पीटल नागपुर के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट एवं इंटरवेंशनल एंडोस्कोपिस्ट डॉ. सौरभ मुकेवार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिले के कटरा रोड स्थित डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। यहां आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सका। स्वास्थ्य शिविर को लेकर सुबह से ही मरीजों की भीड़ अस्पताल परिसर में देखने को मिली। पेट, गैस, अल्सर, लिवर एवं पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया। शिविर में आधुनिक उपकरणों के माध्यम से जांच की गई और मरीजों को उनके स्वास्थ्य के अनुसार आवश्यक सावधानियां एवं उपचार संबंधी सलाह दी गई। डॉ. सौरभ मुकेवार ने मरीजों की जांच करते हुए कहा कि आज के समय में अनियमित खानपान और बदलती जीवनशैली के कारण पेट और पाचन संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। समय पर जांच और सही उपचार से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। डॉ. सौरभ मुकेवार ने एंडोस्कोपी के माध्यम से कई मरीजों की जांच की और उन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह दी। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छोटे शहरों में इस प्रकार के विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित होते हैं क्योंकि इससे बड़े शहरों में जाकर महंगा इलाज कराने की परेशानी कम होती है। डीके हेल्थ केयर हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे ताकि जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें। पूरे आयोजन के दौरान अस्पताल स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही और मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया।

जैव विविधता दिवस पर प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)

माँ रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय में विविध प्रतियोगिता चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने सहभागिता निभाई और जैव विविधता संरक्षण के महत्व को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रस्तुत किया कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा पक्षियों एवं बेजुबान जीवों के लिए वॉटर बाउल्ज रखे गए। इस पहल के माध्यम से छात्रों ने मानवता करुणा एवं पर्यावरणीय संतुलन के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जुड़ाव को प्रदर्शित किया। साथ ही उन्होंने जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम एवं प्रकृति संरक्षण का सरल किंतु प्रभावशाली संदेश भी दिया गर्मी के मौसम में जल की कमी से जूझ रहे पक्षियों के जीवन की रक्षा हेतु यह प्रयास अत्यंत सराहनीय एवं आवश्यक कदम साबित हुआ महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉ कनिका खरे के निर्देशन में कराए गए इस कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापिका अपूर्वा मिश्रा द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के समस्त छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

द्रोपती को टीडब्ल्यूटीए करेगा हर संभव मदद

मण्डला(स्वतंत्रमत)

द्रोपती धुर्वे ने इस वर्ष कक्षा 12वीं की परीक्षा अपने पैर से लिखकर 65 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी में अध्ययनरत यह छात्रा दोनों हाथों से दिव्यांग है लेकिन अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से उसने यह साबित कर दिया कि परिस्थितियां उसके हौसले को नहीं रोक सकतीं। इससे पूर्व वह कक्षा 10वीं में भी पैर से लिखकर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर चर्चा में आ चुकी है द्रोपती के लिए पूर्व में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन द्वारा कृत्रिम हाथ लगवाने के प्रयास किए गए थे। इस हेतु उसे नागपुर दिल्ली और मुंबई तक ले जाया गया। एसोसिएशन इस कार्य के लिए 5-6 लाख रुपये तक खर्च करने को भी तैयार था लेकिन कंधे का समुचित विकास न होने के कारण तमाम प्रयासों के बावजूद कार्यशील मायो-इलेक्ट्रिक कृत्रिम हाथ नहीं लग सका। हालांकि दिल्ली में उसका कॉस्मेटिक हैंड बनाया गया था परंतु वह उसका नियमित उपयोग नहीं कर सकी। यदि वह एक वर्ष तक कॉस्मेटिक हैंड का नियमित उपयोग कर लेती तो उसके मायो-इलेक्ट्रिक हैंड लगने की संभावनाएं बन सकती थीं द्रोपती के दाहिने हाथ की सर्जरी की सलाह भी मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल के प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ. मुकुंद थाटे द्वारा दी गई थी लेकिन परिवार की सहमति न मिलने के कारण यह भी संभव नहीं हो सका इन परिस्थितियों को देखते हुए एसोसिएशन ने निर्णय लिया कि द्रोपती को पैर से लिखकर ही आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा उसकी शिक्षा से संबंधित समस्त खर्च वहन किया जाए इसी क्रम में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर एवं जिला उपाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने द्रोपती धुर्वे के घर पहुंचकर उससे एवं उसके माता-पिता से मुलाकात की। इस अवसर पर द्रोपती को उसकी 12वीं की अंकसूची एवं ट्रांसफर सर्टिफिकेट सौंपते हुए उसे उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया द्रोपती की इच्छा शिक्षक बनने की है। इसे ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन ने उसके डीएड एवं बीए बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश की संभावनाओं पर जानकारी प्राप्त की। हालांकि 17 वर्ष की आयु पूर्ण न होने के कारण डी.एड. में प्रवेश फिलहाल संभव नहीं है वहीं बीए बीएड पाठ्यक्रम को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण उसमें भी अभी प्रवेश नहीं हो पा रहा है फिलहाल द्रोपती का बीए पाठ्यक्रम हेतु पंजीयन कराया गया है तथा उसका एडमिशन गर्ल्स कॉलेज में कराया जाएगा। विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर उसे छात्रावास में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

युवक युवती चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल के संचालक आचार्य भीमदेव नैष्ठिक के संचालन में 16 मई से 22 मई तक युवक व युवती चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर का समापन 22 मई को आचार्य मनुदेव वाग्मी के ब्रह्मत्व में 11 कुंडीय सर्वकल्याण महायज्ञ के साथ व आचार्य चंद्रदेव की अध्यक्षता में मंच से सभी विद्वानगण का उद्बोधन एवं शिविर में विद्यार्थियों द्वारा सीखी हुई कलाओं का शौर्य प्रदर्शन भी किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेंद्र भाटिया प्रतिनिधि एम डी एच द्वारा संचालित महाशय धर्मपाल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा सर्वे भवन्तु सुखिन ट्रस्ट एवं विशिष्ट अतिथि विनोद कछवाहा नगर पालिका अध्यक्ष आमंत्रित विद्वत् गण, आचार्य महीपाल आचार्य सत्येंद्र महाराष्ट्र, आचार्य राजेश हरियाणा, आचार्य सत्यप्रिय इटारसी मध्यप्रदेश, आचार्य शेखर शास्त्री मध्यप्रदेश, मुनि विष्णु शाहु शहपुरा मध्यप्रदेश, जयनारायण आर्य हरियाणा एवं ग्राम गयाजीपुर एवं अतिथि गण प्रेमलाल गुप्ता भूतपूर्व सैनिक, मुकेश मौर्य, रामचंद्र आर्य, महेंद्र आर्य, विष्णु आर्य, अध्यापक कौशल, लखन बघेल, डॉ. नीलसिंह, डॉ देवेंद्र ठाकुर, पतंजलि योग समिति के सदस्य गण, गोंडवाना समाज के फतेह सिंह भूतपूर्व फौजी अजय शर्मा अधिवक्ता, डॉ अजय व भागीरथ सेवा विकास परिवार के सदस्य गण, जिला सिवनी से हरिश्चंद्र चंद्रवंशी व गौली समाज के सभी सदस्य गण, छिंदवाड़ा से सुजेश आर्य मंत्री एवं सभी धर्मप्रेमी सज्जनों व अतिथि महानुभावों की उपस्थिति में काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल का वार्षिक महोत्सव व युवक व युवती चरित्र निर्माण शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पं. दिलीप गर्ग का निधन

मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत)

नगर के श्रीराम मंदिर के पुजारी पंडित दिलीप गर्ग का रविवार की सुबह 9 बजे इलाज के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे नगर एवं क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है पंडित दिलीप गर्ग धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सदैव सक्रिय रहते थे वे वर्षों से श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन कर श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बने हुए थे उनके सरल स्वभाव, मधुर व्यवहार और धर्म के प्रति समर्पण के कारण नगरवासियों में उनका विशेष सम्मान था आप पत्रकार सुनील गर्ग के अग्रज थे। परिवार सहित नगर के अनेक लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

सरकार के प्रति किसानों में रोष

पहले गेहूं पंजीयन के लिए परेशान तो अब फार्मर आइडी और ई टोकन के लिए हलाकान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। इन दिनों मध्य प्रदेश में खाद और बीज के ई-टोकन के लिए, फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। अगर आपकी फार्मर आईडी नहीं बन रही है, तो आप एमपी कृषि पोर्टल (एमपी किसान पोटल) या ई-विकास प्रणाली के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी सी एस सी (एमपी ऑनलाइन कियोस्क) से भी संपर्क कर सकते हैं। फार्मर आईडी से जुड़ी मुख्य समस्याएं और उनका समाधान नामांतरण या नाम में अंतर की समस्याः यदि आपका नाम राजस्व रिकॉर्ड में है, लेकिन पोर्टल पर नहीं दिख रहा है, तो माय नेम इज नॉट इन द लिस्ट ऑफ टेनेंट विकल्प का प्रयोग करें या पटवारी से सत्यापन कराएं। वन पट्टाधारी किसानों की समस्याः यदि आपका पट्टा या खसरा ऑनलाइन नहीं दिख रहा है (जिस कारण टोकन नहीं बन रहा), तो कृषि विभाग के कार्यालय या संबंधित समिति को शिकायत देकर मैनुअल टोकन की मांग कर सकते हैं । तकनीकी समस्या (ओटीपी या सर्वर डाउन)ः कई बार आधार और समग्र आईडी लिंक न होने पर दिक्कत आती है। इसके लिए आप फिंगरप्रिंट (बायोमेट्रिक) का उपयोग कर सकते हैं। योजनाओं का लाभः फार्मर आईडी के बिना खाद का ई-टोकन जारी नहीं होगा, इसलिए इसे बनवाना जरूरी है। उपरोक्त सभी नियम तो सरकार के वडेपद पर बैठे नुमाइंदों ने बना दिया परंतु आज फील्ड पर किसान कितने परेशान हलाकान है किसान ही बता सकता है।

सेकंडों कृषकों का नहीं हुआ गेहूं बेचने स्लॉट बुकिंग- सरकार जहां कृषकों को खेती करने प्रेरित कर रही है वहीं दूसरी ओर कृषकों के साथ अधिकारियों और सरकार आंख मिचौली खेल रहे हैं। जिससे कृषकों की उपज माह बीत जाने के बाद भी मंडियो में पड़ी। कुछ कृषकों का स्लॉट बुकिंग होने के बाद कैंसिल हो गया तो वहीं कुछ किसानों का आज तक स्लॉट बुकिंग नहीं हो पाया है । क्षेत्रीय कृषकों का दल खाद्य विभाग मंडल के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं। अपनी जरूरत को पूरी करने व्यापारियों को अपनी मेहनत की कमाई गेहूं कम दामों में बाजार में बेच रहे हैं।

सबवर से परेशान किसान- फार्मर आइडी बनवाने कम्प्यूटर सेंटरो व पटवारी के चक्कर किसान लगा रहे हैं जैसे जैसे फार्मर आइडी बन गई तो ई टोकन के लिए साइड नहीं खुल रही है धोखे से साइट खुल गई तो 2 से 5 हेक्टेयर के बड़े किसानो को डीएपी खाद 1 बोरी से लेकर 5 बोरी, यूरिया 2 बोरी, सुपर 2 से 5 बोरी अन्य खाद के भी यही हाल है। इस प्रकार किसानों को ईटोकन पोटल के माध्यम से परेशान हलाकान किया जा रहा है।

संपादकीय

तिगुनी बेरोजगारी

मशहूर अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। बताते चलें कि, सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बढ़िया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'मुक्त व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के कालखंड में ऐसा रुख नहीं था। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, विकसित प्रौद्योगिकी, ग्रीन ऊर्जा, एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौतरफा ताकत है।

मुद्दा-ए-कॉकरोच

युवा मन की पीड़ा व आक्रोश को समझें

विश्वनाथ सचदेव
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले कुछ दिनों से अचानक कॉकरोच यानी तिलचट्टा देश में चर्चा का विषय बन गया है। नहीं, कॉकरोच ने कुछ नया नहीं किया है। हुआ यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत के मुखिया ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपनी अलिखित टिप्पणी में कॉकरोच का नाम लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि देशभर में चर्चा चल पड़ी है। मामला एक वकील द्वारा 'वरिष्ठ वकील' कहलाये जाने की मांग को उठाये जाने का था। उसकी मांग को अनुचित बताते हुए मुख्य न्यायाधीश महोदय ने उस जैसे वकीलों की तुलना कॉकरोच से कर दी। उन्होंने कहा, कुछ बेरोज़गार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट आदि बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। स्पष्ट है उन्हें वह वकील महोदय भी सिस्टम पर हमला करने वाले लगे होंगे। मुख्य न्यायाधीश तो यह टिप्पणी करके चुप हो गये थे, पर इस टिप्पणी को लेकर देश बोलने लगा। बेरोज़गारों, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों, ने मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी को अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी बताया। सचमुच, यह समझना आसान नहीं है कि देश के सर्वोच्च पदों में से एक पर बैठने वाला व्यक्ति देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच जैसे जीव कैसे कर सकता है!

बात जब बढ़ने लगी तो न्यायाधीश महोदय ने अपना स्पष्टीकरण देते हुए यह कहा कि उनकी बात को अनुचित रूप से सामने रखा जा रहा है, उनका मुख्य निशाना तो उन लोगों पर था जो फर्जी डिग्रियों से कानूनी पेशे में आ जाते हैं और सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। जहां तक भारत के युवाओं का सवाल है, उन्हें तो वह 'विकसित भारत का स्तंभ' मानते हैं। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी कहा कि उन्हें 'युवाओं की वर्तमान और भविष्य की क्षमता पर गर्व है'। होना तो यह चाहिए था कि इस स्पष्टीकरण के बाद विवाद यहीं समाप्त हो जाता, पर हुआ नहीं। मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों की तुलना कॉकरोच से किया जाना लोगों को रास नहीं आ रहा। मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ कॉकरोच ही नहीं कहा, उनके लिए 'परजीवी' शब्द का इस्तेमाल भी किया। यदि यह विशेषण युवा भारत को आहत कर रहा है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश चाहते तो कॉकरोच या परजीवी जैसे शब्दों के अनुचित उपयोग पर क्षमा मांग सकते थे। क्षमता नहीं मांगते तो कम से कम खेद तो व्यक्त कर ही सकते थे। उनका ऐसा करना एक उदाहरण होता उन सबके लिए जो सार्वजनिक व्यवहार में इस तरह के शब्द अक्सर बोल जाते हैं। सवाल शब्दों का ही नहीं है, इनके पीछे की मानसिकता का है। देश के युवाओं को कॉकरोच या परजीवी कहने की इस मानसिकता को समझना ज़रूरी है। कथित गलत काम करने के लिए किसी को सांप या बिच्छू भी कहा जा सकता था। पर जाने-अनजाने मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया। कॉकरोच शब्द अपने आप में एक लंबी कहानी और प्रवृत्ति को उजागर करता है। आज जिसे हम कॉकरोच कहते हैं, उसका जन्म शायद जुरासिक काल में हुआ था। आज से 320 मिलियन साल पूर्व। यह शायद अकेला जीव है जो तीन करोड़ सालों से अधिक समय से धरती पर है और कहते हैं इसका अस्तित्व कभी समाप्त भी नहीं होगा। न्यूक्लियर युद्ध के बाद भी कॉकरोच के धरती पर बने रहने की बात भी वैज्ञानिक कहते रहते हैं!

महान जर्मन कथाकार फ्रांज काफ्का की कहानी 'दि मेटामार्फोसिस' में कॉकरोच का सीधा वर्णन तो नहीं किया गया, पर कहानी का मुख्य पात्र ग्रेगर सामसा एक खतरनाक कीड़े में बदल जाता है। काफ्का ने इसके लिए एक जर्मन शब्द 'अनजेसिफर' का इस्तेमाल किया है, इसका अर्थ 'गंदा कीड़ा' या 'बीमारी फैलाने वाला जीव' होता है। वस्तुतः कहानी में एक जीव का इस कीड़े के रूप में कायांतरण होता है। जिसकी मृत्यु उसके परिवार के लिए महत्वहीन होने की अनुभूति थी। आप चाहें तो इस 'अनजेसिफर' को घृणा करने योग्य कीड़े के रूप में देख सकते हैं; जो लिजलिजा है; जो गंदे गीले माहौल में पलता है; जो परजीवी है और जो किसी काम का नहीं रहता है। जब हम किसी को कॉकरोच या तिलचट्टा कहते हैं तो वस्तुतः हम उसे एक ऐसे जीव के रूप में देख रहे होते हैं जो किसी काम का नहीं है, जो अंधेरे में जीता है, जो छिपकर वार करता है, जो परजीवी है!

आज यदि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने पर आपत्ति है तो उसके पीछे उस मानसिकता के नकार की प्रवृत्ति है जो परजीवी को एक गाली के रूप में देखती है। सांप-बिच्छू जैसे जीवों के विपरीत कॉकरोच को छिपे हुए संक्रमण और उपेक्षित जगहों पर रहने से जोड़ा जाता है। उसका लिजलिजापन एक अजीब-सी अनुभूति उत्पन्न करता है। देश के बेरोजगारों को परजीवी मानने-कहने का मतलब देश के एक करोड़ से अधिक युवाओं को नाकारा बतलाना है। उनका अपराध या पाप यही है कि हमारी व्यवस्था उन्हें रोजगार नहीं दे पायी। अंतर्राष्ट्रीय श्रम आयोग और मानव विकास संस्थान के एक सर्वेक्षण के अनुसार पंद्रह से उन्तीस वर्ष की आयु वर्ग में आने वाले भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोज़गार हैं। इन बेरोज़गारों में से 67 प्रतिशत युवा स्नातक हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन् 2000 की तुलना में आज यह संख्या दुगनी हो चुकी है। तब 35 प्रतिशत युवा बेरोज़गार थे, आज 65 प्रतिशत से अधिक युवा रोज़गार की तलाश में भटक रहे हैं। आखिर क्यों? इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? किसका दायित्व है इन युवाओं को रोज़गार देना? फिर, जब इन युवाओं में से कुछ आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं, मीडियाकर्मी के रूप में काम करने लगते हैं या व्यवस्था के प्रति अपना गुस्सा अभिव्यक्त करते हैं तो उन्हें परजीवी कॉकरोच कहा जाता है! आखिर क्यों?

किसी को कॉकरोच कहने की इस मानसिकता के पीछे सिर्फ व्यक्तिगत आक्रोश नहीं होता। देश का मुख्य न्यायाधीश जब ऐसे शब्दों से अपना आक्रोश या अपनी पीड़ा व्यक्त करता है तो हमला व्यक्ति या स्थिति पर नहीं, लोकतंत्र की आत्मा पर होता है। सन् 2005 में देश में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ था, तब से लेकर आज तक न जाने कितनी बार सरकार से उनकी संख्या मांगी गयी जो इस कार्य को करते हुए मारे गये, पर यह आंकड़े कभी सार्वजनिक नहीं हुए। गैर सरकारी संगठनों के अनुमान के अनुसार पिछले पच्चीस सालों में सौ से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। 'फ्री स्पीच कलेक्टिव' के अनुसार भारत में पिछले दो दशकों में पचास से अधिक पत्रकार पेशेवर कार्यों के कारण मारे जा चुके हैं। ऐसे लोगों को जब कोई कॉकरोच या परजीवी कहे तो दुख भी होना चाहिए और गुस्सा भी आना चाहिए। यह एक अच्छी बात है कि आज यह पीड़ा और क्षोभ उफन कर सामने आ रहा है। इस पीड़ा को समझने की आवश्यकता है, इसकी उपेक्षा करने की नहीं।

विश्व-विमर्श

मोदी, मेलोडी और मेलोनी

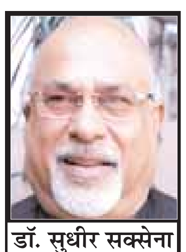

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

जोर्जिया मेलोनी इन दिनों सुर्खियों में हैं। अपने बयानों और जीवन-शैली से वह दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रही हैं। सन 2022 में जब वह प्रधानमंत्री चुनी गयीं तो उनकी पदचाप में लोगों ने नव फासीवाद की आहट सुनी थी। मगर बतौर इतालवी प्रधानमंत्री उन्होंने नयी राह गोड़ी। उन्होंने इस्रायल से रक्षा सौदे रद्द किये। ट्रंप को धता बताई और इटली को अमेरिका के पिछलग्गू राष्ट्र के दायरे से निकालकर अलग पायदान पर खड़ा कर दिया। बड़ी बात यह कि वह वैश्विक-परिदृश्य में इटली की अहमियत बढ़ाने में सफल रहीं।

कठिन रहा है मेलोनी की जिंदगी का सफरनामा। दो जून की रोटी के लिए वह अनेक घरों में आया बनकर रहीं। रेस्तराओं में बेट्रेस बनी। और रोम के प्रसिद्ध नाइट क्लब में बार-टेंडर थी। जीवन कठिन था। जब वह फकत एक साल की थी, पिता घर छोड़कर चले गये थे। वह सार्डीनिया से थे। पेशे से कर सलाहकार और मां सिसली से थी। उन्हें 17 साल बाद मादक पदार्थों के धंधे के कारण सजा हुई और सन् 1995 में नौ साल के लिए स्पेनी-कारा में कैद हुई। इस बीच उसे तरह-तरह के पापड़ बेलने पड़े, लेकिन 15 साल की उम्र में वह पॉलिटिक्स से जुड़ी तो उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। नतीजतन आज वह इटली की निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। इतालवी इतिहास में पहली महिला प्रधानमंत्री। खामोशी या तटस्थता उसे पसन्द नहीं, न ही उसे अपनी पसंद या नापसंद को छुपाना पसन्द है। जी हां, यह महिला मेलोनी है, दो जुम्मा पहले इटली की प्रधानमंत्री बनी तुर्शजुबां सुदर्शना नेत्री जोर्जिया मेलोनी है। 1.63 मीटर कद की जार्जिया 15 जनवरी, सन् 1977 को रोम में जनमी थीं। टीवी चैनल में कार्यरत पत्रकार सहचर आंद्रेया गियमब्रूनो से उन्हें एक बेटी है- जिनेव्रा। सन 2019 में रोम में एक रैली में अपने चर्चित भाषण में उन्होंने कहा- मैं जोर्जिया हूं। मैं स्त्री हूं। मैं एक मां हूं। मैं इतालवी हूं। मैं ईसाई हूं। कैथलिक आदर्शों में निष्ठा के बावजूद वह विनय्याह 'मातृत्व' का बचाव करती हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पुत्री के पिता आंद्रेया से शादी नहीं की है। विचारों से वह नवफासीवादी हैं, मुसलमानों और आव्रजन की विरोधी। आव्रजन की इस कदर विरोधी कि उसे रोकने के लिए वह समुद्री बाड़ या अवरोध की पैरवी करती हैं। अपने चुनाव प्रचार में पुराना फासीवादी इतालवी नारा 'ईश्वर, पितृभूमि और परिवार' उनकी जुबान पर था। वह इस्लामोफोबिया से ग्रस्त हैं और गर्भपात तथा समलैंगिक विवाह की विरोधी। गैर-ईसाई आव्रजन उन्हें नापसंद है। सांस्कृतिक बहुलता में उनका यकीन नहीं है और उनकी बातें बरबस मुसोलिनी के फासीवाद की याद दिलाती हैं। वह पहलेपहल सुर्खियों में तब आई थीं, जब 19 वर्ष की आयु में उन्होंने फासिस्ट तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी की शान में कसीदे काढ़े थे। 45 वर्षीया मेलोनी ने सफलता के सोपान बहुत तेजी से चढ़े हैं। मेलोनी ने वक्त के तकाजों को न सिर्फ बूझा, वरन तत्काल निर्णय लिये। सन् 1992 में वह इटैलियन सोशलिस्ट मूवमेंट के युथ फ्रंट से जुड़ीं। तदंतर नेशनल एलायंस से जुड़कर 25 वर्ष की वय में वह उसकी अध्यक्ष हो गयी। सन 1998 से 2002 के मध्य रोम की कौंसिल रहने के बाद सन् 2006 में वह चैंबर ऑफ डिपुटीज की सदस्य रहीं। क्लुस्कोनी के प्रधानमंत्रित्वकाल में सन् 2--8-11 में वह मिनिस्टर ऑफ यूथ रहीं। इतालवी प्रतिनिधि सभा में प्रवेश के लिए उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र वारंवार बदले। कभी लाजियो (2006-08 और 2008-13), कभी लोइबार्डी (2013-18) कभी लटीना (2018-22) तो कभी लाक्विला (2022)। सन् 2012 में ब्रदर्स ऑफ इटली की वह सहसंस्थापक रहीं और सन् 2014 में योरोपीय यूनियन और सन् 2016 में रोम म्यूनिसिपल और फिर आम चुनाव में उतरीं। इस पूरे दौर में सफलता उनकी चेरी बनकर उभरी। इसी जद्दोजहद की ताजा कड़ी है 22 अक्टूबर सन 2022 को उनका इटली का प्रधानमंत्री बनना। मेलोनी उत्साही और प्रत्युत्पन्नमति नेत्री हैं। वह कैथलिक क्रिश्चन हैं और अनुदार भी। योरोपीय यूनियन से उनका गाढ़ा अनुराग है और पीएम बनने पर सबसे पहले वह उसी की नेताओं से मिलीं। गत वर्ष तक वह रूस से घनिष्ठ संबंधों की हिमायत थी, लेकिन रूस की उक्राइना से जंग ने उनकी मनःस्थिति बदल दी। नाटो समर्थक रही मेलोनी इस जंग में उक्राइना के साथ है और मानती हैं कि उक्राइना को हर तरह की मदद दी जाए।

यद्यपि मीडिया में मोदी की मेलोनी को मेलोडी मार्का टॉफी की भेंट की खूब चर्चा रही, अलबत्ता दोनों नेताओं के बीच सन 2029 तक उभयपक्षीय व्यापार को 23 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के उपायों और भारत-मध्यपूर्व योरोप के आर्थिक गलियारे को प्रोत्साहित करने पर चर्चा हुई। भारत और इटली का विशेष रणनीतिक भागीदारी की परिधि में आना मायने रखता है। मेलोनी के लिये मेलोडी ले जाकर मोदी ने पारस्परिक संबंधों में निजता का कीमिया घोलने की कोशिश की। जहां तक रिश्तों का प्रश्न है इटली में योरोप में जर्मनी के बाद सर्वाधिक भारतीय रहते हैं। लोंबार्डी में इनकी तादाद करीब 50 हजार है। रोम और मिलानो में हिंदुओं और सिखों की बड़ी आबादी है और डेयरी उद्योग में उनका खासा दखल है। मंदिर और गुरुद्वारों के साथ-साथ वहां रैदासी-संप्रदाय के 18 मंदिर हैं और इस्कॉन भी सक्रिय है। पारस्परिक संबंधों के उछाह में यह नहीं भूलना चाहिये कि मेलोनी गैर-पारंपरिक नेत्री हैं और उन्हें तुर्श-जुबां और अप्रत्याशित फैसलों में कोई गुरेज नहीं है। बहरहाल, ताजा प्रसंग से मोदी की छवि को नयी रंगत मिली है और भारत-इटली संबंधों को नया आसमान।

वचन और मित्रता

अलबर्ट आइंस्टीन की संगीतकार लियोपोल्ड गोदोव्स्की के साथ प्रगाढ़ मैत्री थी। एक दिन गोदोव्स्की ने आइंस्टीन से कहा, 'प्रिय, मेरा नाई तुमसे मिलने के लिए बेहद लालायित है।' आइंस्टीन ने उत्तर दिया, 'बंधु, मैं इसी घड़ी तुम्हारे साथ उसकी दुकान पर चलता, लेकिन जल्दी में हूं। तुम मुझे उसका पता दे दो। कभी उससे मिल लूंगा। आइंस्टीन ने नाई का पता जेब में रखा और चले गए। काफी वक्त बीत गया। आइंस्टीन को न्यूयार्क जाने का समय ही नहीं मिला, पर 'भुलक्कड़' के रूप में प्रख्यात होने के बावजूद वे नाई से मिलने का अपना वादा कभी नहीं भूले। एक दिन उन्हें खबर मिली कि गोदोव्स्की चल बसे। फलतः उन्हें न्यूयार्क जाना पड़ा और गोदोव्स्की के परिवार को सांत्वना बंधाने के बाद आइंस्टीन ने जो पहला काम किया, वह उस नाई से भेंट का था। इस बीच नाई गोदोव्स्की के साथ हुई अपनी बात को कभी का भूल चुका था। उसने सोचा, इतने महान वैज्ञानिक भला उसकी दुकान पर क्योंकर आयेंगे। लेकिन जब उस दिन उसने यकायक आइंस्टीन को अपनी दुकान पर आया देखा तो मारे खुशी के उसकी आंखें छलछला आयीं तथा भावावेश से उसका गला रुंध गया। वह आइंस्टीन को एकटक ताकता ही रह गया।

भारतीय जरूरतों का ऊर्जा मॉडल हो तैयार

दीपक कुमार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

देश की विशाल आबादी की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं। वृद्धिमान आर्थिकी के सभी क्षेत्रों में एनर्जी चाहिए। जिसका बड़ा भाग पेट्रो प्रोडक्ट्स के आयात से आता है। इससे आत्मनिर्भरता व सुरक्षा चिंताएं जुड़ी हैं। इसीलिए नवीकरणीय स्रोतों सौर, पवन, जलीय और परमाणु ऊर्जा उत्पादन व भंडारण प्रणाली का संतुलित संयोजन जरूरी है।

आज ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक प्रतिस्पर्धा, औद्योगिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय बन चुका है। हाल ही के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों ने ऊर्जा सुरक्षा की चिंता को और गहरा किया है। प्रधानमंत्री ने भी नागरिकों से संयमित उपभोग की अपील करते हुए पेट्रोल-डीजल की बचत, अनावश्यक खर्चों में कमी और ऊर्जा संरक्षण पर बल दिया। भारत इस समय अपनी कुल कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव सीधे भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। पिछले दो महीनों में युद्धजनित परिस्थितियों के कारण कच्चा तेल लगभग 50 प्रतिशत तक महंगा हुआ है। यह केवल आयात बिल की वृद्धि नहीं। इसका प्रभाव परिवहन लागत, उर्वरक, उद्योग, महंगाई, राजकोषीय संतुलन और घरेलू उपभोग तक दिखाई देता है।

सरकार ने हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर सरचार्ज में कमी की थी। इससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली, लेकिन अनुमान है कि इससे सरकार को हर माह लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्रभाव (रेवेन्यू लॉस) पड़ रहा है। दूसरी ओर, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां भी प्रतिदिन करीब 1600 करोड़ रुपये तक का दबाव झेल रही हैं। यह स्थिति बताती है कि ऊर्जा संकट केवल बाजार का मामला नहीं, बल्कि वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक नीति का भी प्रश्न है। इसी पृष्ठभूमि में विश्व स्तर पर परमाणु ऊर्जा फिर चर्चा में है। इसका प्रमुख कारण है कि परमाणु ऊर्जा कम कार्बन उत्सर्जन के साथ लगातार भारी मात्रा में बिजली उपलब्ध कराती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया में करीब 440 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। ये वैश्विक बिजली उत्पादन का करीब 9 प्रतिशत और कम कार्बन बिजली उत्पादन का करीब एक चौथाई भाग देते हैं। स्पष्ट है, ऊर्जा के विविध स्रोतों के बीच परमाणु ऊर्जा आज भी महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा उत्पादक देश है। वहां करीब 93 परमाणु रिएक्टर बिजली पैदा कर रहे हैं। वह कुल बिजली का करीब 18-19 फीसदी परमाणु ऊर्जा से प्राप्त करता है। फ्रांस का मॉडल अलग है। वहां करीब 56 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। फ्रांस अपनी कुल बिजली का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा परमाणु ऊर्जा से प्राप्त करता है। 90 के दशक में चीन ने फ्रांस सहित अन्य देशों से परमाणु तकनीकी सहयोग शुरू किया। शुरुआत में विदेशी तकनीकों सहायता के आधार पर परियोजनाएं विकसित कीं। बाद में चीन ने घरेलू अनुसंधान, निर्माण क्षमता और इंजीनियरिंग दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया। आज 2026 में चीन के पास करीब 60 कार्यरत परमाणु रिएक्टर हैं और करीब 35 निर्माणाधीन हैं। इन वैश्विक उदाहरणों के बीच भारत की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की विशाल जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताएं बहुत बड़ी हैं। यह मांग घरेलू उपयोग तक सीमित नहीं। कृषि, सिंचाई, उद्योग, रेल परिवहन, डिजिटल नेटवर्क, अस्पताल, शिक्षा, शहरी पेयजल व्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन और डेटा केंद्र-इन सभी क्षेत्रों में निरंतर बिजली की जरूरत है।

भारत ने पिछले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित ऊर्जा गलियारों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। यही कारण है कि भारत के लिए ऊर्जा का संतुलित उपयोग आवश्यक है। सौर ऊर्जा दिन के समय अधिक उपलब्ध होती है, पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर करती है और जलविद्युत वर्षा पर निर्भर हो सकती है। इसके विपरीत, परमाणु ऊर्जा निरंतर आधारभूत बिजली उपलब्ध कराती है। यही इसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है। वर्तमान में देश में करीब 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। इनकी स्थापित क्षमता करीब 8 गीगावाट है। भारत की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उसने दीर्घकालिक रूप से थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम पर कार्य किया है। यदि अनुसंधान, निवेश और तकनीकी विकास इसी दिशा में निरंतर बढ़ते रहे, तो भविष्य में यह भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई क्षमता प्रदान कर सकता है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और डेटा केंद्र ऊर्जा मांग को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। एक बड़ा डेटा केंद्र प्रतिदिन भारी मात्रा में बिजली की खपत करता है। आने वाले दशकों में डिजिटल अर्थव्यवस्था की सफलता भी ऊर्जा उपलब्धता पर निर्भर करेगी। यदि भारत को विनिर्माण, डिजिटल सेवाओं और तकनीकी नवाचार में अग्रणी भूमिका निभानी है, तो ऊर्जा अवसंरचना को समान गति से विकसित करना होगा।

भारत के लिए व्यावहारिक मार्ग है कि वह ऊर्जा नीति को किसी एक स्रोत के पक्ष या विपक्ष के रूप में न देखकर राष्ट्रीय आवश्यकता के रूप में देखे। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जलविद्युत, गैस आधारित उत्पादन, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और परमाणु ऊर्जा-इन सभी का संतुलित संयोजन देश की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होगा। ऊर्जा का प्रश्न उत्पादन तक सीमित नहीं। वितरण व्यवस्था, ट्रांसमिशन अवसंरचना, तकनीकी दक्षता, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा संरक्षण और नागरिक भागीदारी भी उतने ही आवश्यक हैं। भारत को अपनी परिस्थितियों, संसाधनों और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक भारतीय ऊर्जा मॉडल विकसित करना होगा। यही मॉडल आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और राष्ट्रीय सामर्थ्य का आधार बनेगा।

खत्म होने जा रही है ईरान जंग?

ट्रंप की डील पर यूरेनियम छोड़ने को तैयार तेहरान

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब एक बड़े मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। दावा है कि तेहरान ने उस प्रस्तावित समझौते पर नरमी दिखाई है, जिसके तहत उसे अपने हाईली एनरिच्ड यानी अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को छोड़ना होगा। यही मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी अड़चन बना हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि प्रस्तावित डील में ईरान ने इस बात पर सहमति जताई है कि वह अपने संवर्धित यूरेनियम को अमेरिका या किसी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के तहत सौंप देगा। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि यह यूरेनियम सीधे अमेरिका को दिया जाएगा, रूस भेजा जाएगा या फिर इसे कम संवर्धित स्तर पर बदला जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता बेहद करीब है। ट्रंप के मुताबिक, यह डील सिर्फ जंग खत्म करने के लिए नहीं बल्कि होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने के लिए भी अहम होगी। होर्मुज स्ट्रेट पिछले कई महीनों से वैश्विक तनाव का केंद्र बना हुआ है और इसके बंद होने से दुनिया भर में तेल सप्लाई प्रभावित हुई है। बताया जा रहा है कि शुरुआत में ईरान इस मुद्दे को समझौते के पहले चरण में शामिल करने के लिए तैयार नहीं था। तेहरान चाहता था कि यूरेनियम पर फैसला बाद की बातचीत में हो, लेकिन अमेरिकी वार्ताकारों ने साफ कर दिया कि अगर शुरुआती समझौते में इस पर कोई कमिटमेंट नहीं मिला तो अमेरिका बातचीत छोड़कर दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल के दिनों में अमेरिकी सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के कई विकल्प तैयार कर लिए थे। खासतौर पर इशफहान न्यूक्लियर फैसिलिटी को लेकर रणनीति बनाई गई थी, जहां ईरान का बड़ा यूरेनियम भंडार मौजूद माना जाता है। यहां तक कि अमेरिकी और इजरायली कमांडो ऑपरेशन तक पर चर्चा हुई थी, हालांकि उसे मंजूरी नहीं मिली।

ईरान के पास 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, ईरान के पास करीब 970 पाउंड ऐसा यूरेनियम है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्तर परमाणु हथियार बनाने की दिशा में बेहद अहम माना जाता है। अब आने वाले हफ्तों में दोनों देशों के बीच नई परमाणु वार्ता शुरू हो सकती है, जिसमें यह तय होगा कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार का क्या करेगा और भविष्य में उसके परमाणु कार्यक्रम पर क्या सीमाएं लगाई जाएंगी। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि किसी अंतिम समझौते के बाद ईरान की विदेशों में जमा अरबों डॉलर की संपत्तियां भी धीरे-धीरे रिलीज की जा सकती हैं, ताकि तेहरान को डील पर कायम रहने के लिए प्रोत्साहन मिले।

यूरेनियम पर खामेनेई का बयान

यह दावा कितना सही है यह आधिकारिक ऐलान के बाद ही पता चलेगा, लेकिन बीते दिन खबर सामने आई थी कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ईरान संवर्धित यूरेनियम देश से बाहर नहीं जाने देगा। इनके अलावा बीते दिन ही ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और कई अन्य ईरानी नेताओं ने अपने बयानों इस बात का जिक्र किया था कि अमेरिका-ईरान में फिलहाल डील नहीं हो रही है और अमेरिका कई जरूरत से ज्यादा डिमांड कर रहा है। साथ ही कहा गया था कि समझौते के लिए बातचीत चल रही है।

6 घंटे की जर्नी सिर्फ 15 मिनट में!

आवाज की रफ्तार से पांच गुना तेज होगा सफर

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में बैठा आदमी कॉफी खत्म करे, उससे पहले दुबई पहुंच जाए। हो सकता है कि, ये बात फिलहाल आपको किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के सीन जैसी लगे, लेकिन दुनिया के वैज्ञानिक इसे सच बनाने में जुटे हैं। बात हो रही है हाइपरसोनिक ट्रैवल की। ऐसी उड़ान, जो आवाज की रफ्तार से पांच गुना तेज होगी। मतलब दिल्ली से दुबई जाने में उतना वक्त लग सकता है, जितने में आप मोबाइल पर दो-तीन रील्स देख लें। लेकिन कहानी सिर्फ तेज रफ्तार की नहीं है। असली खेल उस आग, गर्मी और दबाव की है, जो इस स्पीड पर विमान को हवा में ही पिघला सकता है। अब वैज्ञानिक उसी नामुमकिन दिखने वाली चुनौती को मुमकिन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, वैज्ञानिक हाइपरसोनिक ट्रैवल को आम लोगों के लिए हकीकत बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। अगर यह सफल हो गया, तो दुनिया में सफर करने का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। लंबी फ्लाइट्स का समय बेहद कम हो जाएगा, सामान की डिलीवरी तेज होगी और इमरजेंसी मदद भी पहले से कहीं ज्यादा जल्दी पहुंच सकेगी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि, हाइपरसोनिक ट्रैवल से न्यूयॉर्क से लॉस एंजिलिस तक की तकरीबन 4,400 किमी की यात्रा महज 15 मिनट में पूरी की जा सकेगी। हालांकि, इस सपने को हकीकत बनाना वैज्ञानिकों के लिए आसान नहीं है। लेकिन जापान ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ चुका है। जो ग्लोबल ट्रैवल सिस्टम को पूरी तरह बदल सकता है। आम जीवन पर इसका गहरा असर देखने को मिलेगा।

काशी विश्वनाथ में 25 फर्जी दर्शनार्थी हिरासत

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में रविवार की सुबह फर्जी दर्शन कराने वालों पर पुलिस का शिकंजा कस गया है। इसी कड़ी में 25 लोग पुलिस हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार सुबह चार बजे से पांच बजे तक अभियान के दौरान चौक से 22 और दशाश्वमेध से तीन लोग पकड़े गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए सभी व्यक्तियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। मंदिर प्रशासन और पुलिस दोनों ही फर्जी दर्शन कराने वाले गिरोह पर लगातार नजर रख रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और वास्तविक दर्शन कराने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है।

गंडक पुल में आई बड़ी दरार, वाहनों की एंट्री बंद

गोपालगंज। उत्तर बिहार और नेपाल की लाइफ लाइन मानी जाने वाली गंडक नदी पर बने पुल में दरार आने के बाद प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। गोपालगंज और बेतिया को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण पुल के स्पैन में दरार मिलने के बाद भारी वाहनों के परिचालन पर तत्काल रोक लगा दी गई है। बताया जा रहा है कि पुल के पाया नंबर पांच के पास स्पैन में करीब 8 से 10 इंच का गैप हो गया है, जिससे पुल की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। पुल में खराबी की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन और तकनीकी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डीएम पवन कुमार सिन्हा ने जल संसाधन विभाग और पुल निर्माण निगम के अधिकारियों के साथ पुल का निरीक्षण किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनआईटी पटना और विशेषज्ञों की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। विशेषज्ञ अब पुल की तकनीकी जांच कर इसकी मजबूती और मरम्मत की जरूरत का आकलन करेंगे।

आंधी-तूफान में भी तुरंत बहाल हो बिजली

सप्लाई में कटौती पर भड़के मुख्यमंत्री योगी दिए सख्त निर्देश

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में रिकॉर्डतोड़ गर्मी और बढ़ते पारे के बीच बिजली की मांग बढ़ गई है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऊर्जा विभाग की एक अहम समीक्षा बैठक बुलाई। सीएम योगी ने साफ निर्देश दिए हैं कि भीषण गर्मी में गांव से लेकर शहर तक बिजली की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। सीएम योगी ने बिजली अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेशवासियों को बेहतर बिजली मुहैया कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने और सभी पावर प्लांट्स को पूरी क्षमता के साथ चलाने पर जोर दिया। दूसरी तरफ, राज्य में बिजली कटौती को लेकर हो रही राजनीति पर यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विरोधियों को कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर राज्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। आमजन, किसान, व्यापारी और उद्योगों सहित प्रदेश के प्रत्येक उपभोक्ता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाया जाए। उन्होंने कहा, अब फीडर वाइज मॉनिटरिंग की जाएगी और अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। जनता की शिकायतों का तुरंत निपटारा होना चाहिए। सीएम योगी ने ये भी कहा कि आंधी-तूफान जैसी प्राकृतिक परिस्थितियों में अगर बिजली कटती है, तो फास्ट रिस्पॉन्स सिस्टम को एक्टिव रखकर उसे तुरंत बहाल किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को समय पर और सही बिल देने और कलेक्शन क्षमता को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा मंत्री और राज्य मंत्री को खुद हेल्पलाइन कॉल सेंटर का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

देशभर की बड़ी बैंक डकैतियों में बिहार लिंक

एसटीएफ की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

पटना। देश के अलग-अलग राज्यों में हुई बड़ी बैंक और सोने-चांदी की लूट की वारदातों में एक चौंकाने वाला 'बिहार लिंक' सामने आया है। गुजरात के सूरत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से हुई 52 लाख रुपये की बड़ी लूट के तार पटना की बेउर जेल से जुड़ने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हैरान हैं। बिहार पुलिस के मुताबिक, केवल गुजरात ही नहीं, बल्कि ओडिशा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में हुए बैंक लूट के मामलों में भी बिहार के संगठित अंतर-राज्यीय गैंग्स का हाथ पाया गया है। लगातार ऐसे मामलों के सामने आने, अपराधियों के बदलते और हाईटेक होते इस पैटर्न को देखते हुए बिहार राज्य पुलिस मुख्यालय ने कानून-व्यवस्था की इस नई चुनौती से निपटने के लिए बड़ा कदम उठाया है। गुजरात के सूरत स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 52 लाख रुपये की लूट का कनेक्शन जब पटना के बेउर जेल और मुजफ्फरपुर के अपराधी कुंदन भगत से जुड़ा, तब बिहार पुलिस ने इस पूरे पैटर्न को गंभीरता से लेना शुरू किया।

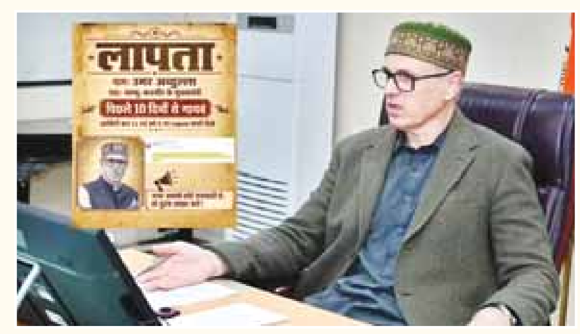

सीएम उमर अब्दुल्ला लापता!

पोस्टर लगे, अब गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराएगी बीजेपी

श्रीनगर

नेता प्रतिपक्ष सुनील कुमार शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री का पता लगाने के लिए भाजपा पुलिस में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराएगी। पत्रकारों से उन्होंने कहा कि लोगोंने एक शहजादे को मुख्यमंत्री बनाया था, वह बीते 10 दिन से लापता है, किसी को नहीं मालूम वह कहा हैं। मुख्यमंत्री को आमजन के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला का भठिंडी जम्मू स्थित मकान वनीय भूमि पर बना है। पत्रकारों से भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला टूरिस्ट -इन-चीफ हैं। उनका बीते डेढ़ वर्ष का कार्यकाल आम आदमी की समस्याओं को हल करने के लिए फाइलों को निपटाने के बजाय विदेशी दौरों से भरा हुआ है। वह जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य के चुने हुए प्रमुख के बजाय दुनिया घूमने वाले यात्री की तरह ज़्यादा व्यवहार कर रहे हैं। उमर इस भ्रम में हैं कि वह एक टूरिस्ट हैं या एक ट्रैवल ब्लॉग चला रहे हैं, न कि कोई राज्य। जब मुख्यमंत्री विदेशी दौरों में व्यस्त हैं, तो जम्मू-कश्मीर में आम आदमी बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना कर रहा है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सिर्फ 1 किरदार से अमर हुआ विलेन

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में बॉलीवुड के दिवंगत एक्टर मैक मोहन पर डॉक्यूमेंट्री का ऐलान हुआ है। इस डॉक्यूमेंट्री का नाम डिस्कवरिंग सांभा है। मैक मोहन ने बॉलीवुड को कई आइकॉनिक पल दिए हैं। शोले में उनका सांभा का किरदार तो अमर हो गया। डिस्कवरिंग सांभा में दिवंगत अभिनेता मैक मोहन की जर्नी को दिखाया जाएगा। मैक मोहन को शोले के सांभा किरदार के लिए याद किया जाता है। कान्स में हुई घोषणा में बताया गया कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा में उनके लंबे सफर को फिर से देखने के साथ-साथ उनके पर्दे के पीछे की निजी जिंदगी को भी सामने लाएगी। डॉक्यूमेंट्री सिर्फ मैक मोहन की फिल्मों पर फोकस नहीं करेगी, बल्कि पहचान, यादें और विरासत को एक निजी नजरिए से दिखाएगी। इसमें पुरानी फुटेज के साथ परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों की बातचीत भी शामिल होगी, जिससे मैक मोहन की जिंदगी और काम को कई परतों में दिखाया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग इसी साल शुरू होगी और अगले साल रिलीज की प्लानिंग है। यह प्रोजेक्ट भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग में बनेगा, जिसमें मैक मोहन की बेटियां कहानी को पर्दे पर लाने में अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्ममेकर मंजरी माकिजानी इस डॉक्यूमेंट्री का निर्देशन करेंगी। मंजरी ने स्पिन और स्केटर गर्ल जैसी फिल्में बनाई हैं और एमी के लिए नॉमिनेट हो चुकी हैं। वह मैक मोहन की बेटी हैं। वह इसे एशिया पैसिफिक पिक्चर्स के तहत इमैनुएल पापास के साथ को-प्रोड्यूस करेंगी। उनकी बहन विनती माकिजानी इसे मैक प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगी, जिसे उनके दिवंगत पिता ने स्थापित किया था। क्रिएटिव टीम में फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक शिवेंद्र सिंह डुंगरपुर भी शामिल हैं, जो डॉक्यूमेंट्री के आर्काइव और ऐतिहासिक पहलुओं को सपोर्ट करने के लिए सलाहकार के तौर पर जुड़े हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए मंजरी ने इसे बेहद निजी और भावनात्मक रूप से गहराई वाला बताया, और इसे फिर से खोजने की यात्रा कहा। मंजरी माकिजानी ने कहा कि वह अपने पिता के बारे में उन लोगों की कहानियों से लगातार सीख रही हैं, जिन्होंने उनके साथ काम किया, और यह अनुभव काफी सोचने और जानने वाला रहा है। उन्होंने कहा, एक बेटी के तौर पर मैं अपनी बहन के साथ उन यादों, खालीपन और भावनाओं को जोड़ रही हूं, जिन्होंने हमारी जिंदगी को आकार दिया और मेरी फिल्ममेकिंग यात्रा को प्रभावित किया। मैक मोहन की भतीजी और एक्ट्रेस रवीना टंडन ने भी उनके पर्सनैलिटी पर बात की और उनकी ऑफ-स्क्रीन गर्मजोशी को याद किया। उन्होंने कहा कि मैक मोहन की मौजूदगी हर जगह को रौशन कर देती थी, और डॉक्यूमेंट्री से दर्शकों को उनका ज्यादा निजी पक्ष देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, हालांकि उन्होंने पर्दे पर हमेशा विलेन का किरदार निभाया, लेकिन असल जिंदगी में वह सोने जैसे दिल वाले और सबसे गर्मजोशी से भरे इंसान थे। मैक मोहन का असली नाम मोहन माकिजानी था, उनका जन्म 24 अप्रैल 1938 को कराची में हुआ था। वह मुंबई क्रिकेटर बनने का सपना लेकर आए थे, लेकिन थिएटर और फिल्मालय स्कूल ऑफ एक्टिंग में ट्रेनिंग के बाद उन्होंने अभिनय की राह पकड़ी। इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत फिल्ममेकर चेतन आनंद के असिस्टेंट के तौर पर हुई, और 1964 की फिल्म हकीकत से उन्होंने स्क्रीन डेब्यू किया। मैक मोहन ने अपने करियर में 280 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें डॉन, त्रिशूल और सत्ते पे सत्ता जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। उनकी आखिरी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति अतिथि तुम कब जाओगे (2010) में थी, जो उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले रिलीज हुई थी।

स्वास्तिका मुखर्जी की बढ़ी मुश्किलें

एफआईआर के बाद पुलिस ने की पूछताछ

बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या वेब सीरीज नहीं, बल्कि साल 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद किया गया एक सोशल मीडिया पोस्ट है। कोलकाता पुलिस ने अभिनेत्री से इसी मामले में पूछताछ की। इस केस में अभिनेता परमब्रत चट्टोपाध्याय का नाम भी शामिल है, जिनके एक पुराने पोस्ट पर स्वास्तिका की टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्वास्तिका मुखर्जी से साउथ कोलकाता स्थित गरियाहाट पुलिस स्टेशन में करीब एक घंटे तक पूछताछ की गई। यह मामला हाल ही में दर्ज हुई एक शिकायत के बाद सामने आया। इसमें आरोप लगाया गया कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद दोनों कलाकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों ने राज्य में तनावपूर्ण माहौल को बढ़ावा देने का काम किया।

5 साल पहले एक पोस्ट में दर्ज हुई शिकायत- बताया जा रहा है कि यह शिकायत 21 मई को एक वकील द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायत में दावा किया गया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के दिन यानी 2 मई 2021 को परमब्रत चट्टोपाध्याय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था, जिस पर स्वास्तिका मुखर्जी ने प्रतिक्रिया दी थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन पोस्ट्स और प्रतिक्रियाओं ने उस समय राज्य में पहले से मौजूद राजनीतिक तनाव को और भड़काने में भूमिका निभाई।

अब दोबारा वायरल हो रहा पोस्ट

हाल ही में पश्चिम बंगाल के राजनीतिक माहौल में बदलाव और बीजेपी की चुनावी सफलता के बाद, सोशल मीडिया पर पुराने पोस्ट और स्क्रीनशॉट्स फिर से वायरल होने लगे। इन्हीं वायरल स्क्रीनशॉट्स के आधार पर कई चर्चाएं शुरू हुईं और मामला पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद जांच एजेंसियों ने सोशल मीडिया गतिविधियों और पुराने डिजिटल रिकॉर्ड्स की समीक्षा शुरू की। अब 5 साल पहले किए गए पोस्ट पर राजनीति तेज है। एक्ट्रेस से करीबन 1 घंटे तक पूछताछ हुई और हो सकता है कि परमब्रत से भी जल्द ही पुलिस इस मामले में पूछताछ करे।

गोटेगांव में संत रामपाल महाराज के सत्संग में उमड़ा जनसैलाब, मानव कल्याण और नशामुक्ति का दिया संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

संत रामपाल के सानिध्य में लक्ष्मी गार्डन में आयोजित विशाल आध्यात्मिक सत्संग श्रद्धा, भक्ति और मानव कल्याण के संदेश का केंद्र बना। सत्संग में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सत्संग का लाभ लिया ।सत्संग में मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य, शास्त्रानुसार भक्ति तथा समाज सुधार जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि पवित्र शास्त्रों के अनुसार की गई साधना और शास्त्र प्रमाणित गुरु से प्राप्त नाम मंत्र ही मनुष्य के पापों का नाश कर उसे सुख, शांति और मोक्ष का मार्ग प्रदान करते हैं। सही आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है और उसे सदाचारपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है। संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों द्वारा समाज में आए बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि लाखों लोग नशामुक्त जीवन अपनाकर सामाजिक बुराइयों से दूर हो रहे हैं।

अनुयायी नशा, मांसाहार और अन्य कुरीतियों का त्याग कर संयमित एवं संस्कारित जीवन जी रहे हैं, जिससे उनके परिवारों में सुख-शांति और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है। सत्संग के दौरान अन्नपूर्णा मुहिम की जानकारी देते हुए मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया गया। इस अभियान के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को भोजन, शिक्षा, दवाइयों और आवास जैसी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि यह अभियान बेसहारा और गरीब परिवारों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है ।आध्यात्मिक ज्ञान से प्रभावित होकर अनेक श्रद्धालुओं ने नाम दीक्षा लेने का संकल्प लिया। सत्संग के पश्चात नाम मंत्र दीक्षा की व्यवस्था भगत प्रवीण दास पटेल द्वारा की गई।

जिला सेवादार नरसिंहपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार को तहसील स्तर पर नियमित सत्संग आयोजित किए जाते हैं, जिनमें वेद, गीता, पुराण तथा अन्य धर्मग्रंथों के प्रमाणों के आधार पर तत्वज्ञान समझाया जाता है। ग्रंथ रीडर सेवादार श्रद्धालुओं को शास्त्रों के माध्यम से सत्य भक्ति का मार्ग बताते हैं ।सत्संग का समापन मानवता, भाईचारे, नशामुक्ति और सदाचारपूर्ण जीवन के प्रेरणादायी संदेश के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 जून तक पूर्ण करने समय सीमा नियत

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष बायोमेट्रिक के माध्यम से ई-केवायसी की कार्यवाही सभी हितग्राहियों के द्वारा पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ई-केवायसी की कार्यवाही बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के माध्यम से सी.एस.सी. केन्द्र द्वारा, पीएम किसान एप के माध्यम से फेस रिकग्निेश का उपयोग कर संबंधित हितग्राही अथवा व्ही.एन.ओ. के द्वारा सम्पादित की जा सकती है। वर्तमान वर्ष में बायोमेट्रिक के माध्यम से ई-केवायसी की कार्यवाही पूर्ण करने के लिए 30 जून 2026 की समय सीमा नियत की गई है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जारी निर्देशों के परिपालन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त कर निर्देशित किया है कि वे प्रत्येक तहसील के ग्राम पंचायत स्तर पर कैम्प आयोजित करने का सेक्टरवार शेड्यूल जारी कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कैम्प के माध्यम से पीएम किसान ई-केवायसी, आधार एवं बैंक खाता लिंकिंग, सस्पेक्टेड हितग्राहियों का सत्यापन, लंबित सैल्फ रजिस्ट्रेशन, फार्मर रजिस्ट्री, लंबित सीमांकन, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही और खाद्य संबंधित लंबित सत्यापन की कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देशित किया है कि उक्त कैम्पों में तहसीलदार/ नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, एस.ए.डी.ओ./ आर.ई.ओ. में से किसी एक अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रत्येक पटवारी के प्रभारी के हल्कों में पृथक-पृथक दिनों में कैम्प का आयोजन किया जाए। पीएम किसान हितग्राहियों की संख्या और लंबित फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर कैम्प आयोजन के दिवस निर्धारित करेंगे। उक्त कैम्पों के साथ-साथ पंचायतों में आधार कार्ड बनाने, आधार कार्ड में सुधार, आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट आदि की कार्यवाही भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रेक्षक श्री पी.के. वर्मा ने गोटेगांव में फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्यों का जायजा लिया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त) श्री पी.के. वर्मा ने शनिवार को जिले के गोटेगांव तहसील के पंचायतों एवं नगरीय निकायों के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण वर्ष 2026 के कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती संघमित्रा गौतम, तहसीलदार श्री नीरज तखरया सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। प्रेक्षक श्री वर्मा ने गोटेगांव तहसील के ग्राम गुंदरई के वार्ड क्रमांक 159, 160 व 161 एवं ग्राम पंचायत कुम्हरोड़ा के पंचायत भवन में और नगरीय निकाय के उत्कृष्ट विद्यालय में चल रहे फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्यों का जायजा लिया।

जिले में 17 लाख 86 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी हुई, किसानों को 290 करोड़ का भुगतान हुआ

शासन स्तर से गेहूं खरीदी की तिथि में 28 मई तक वृद्धि

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य खरीदी केन्द्रों में निरंतर संचालित है। जिले में 23 मई 2026 को प्रातः 11 बजे तक 24 हजार 463 किसानों से 17 लाख 86 हजार क्विंटल की गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। किसानों के बैंक खातों में 290 करोड़ रुपये राशि का भुगतान भी किया जा चुका है। शेष गेहूं विक्रय किसानों का भुगतान ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से निरंतर प्रक्रियाधीन है। शासन स्तर से गेहूं खरीदी की तिथि में 28 मई 2026 तक की वृद्धि की गई है। जिससे स्लॉट बुकिंग किसान जिनकी खरीदी की तिथि वैध है, ऐसे किसानों से सहूलियत से गेहूं खरीदी की जा सके। जिले में बारदानों की आपूर्ति निरंतर प्राप्त हो रही है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला उपार्जन समिति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि खाद्य, सहकारिता, कृषि, राजस्व के सभी एसडीएम व तहसीलदार खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से सतत निरीक्षण कर उपार्जन के कार्य में पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण रखें। गेहूं खरीदी केन्द्र के नोडल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 28 मई तक नियमित रूप से खरीदी केन्द्र में उपस्थित रहकर सुचारू रूप से उपार्जन का कार्य सम्पादित कराएं। डीएम नॉन को निर्देश दिए हैं कि गेहूं के परिवहन के लिए शेष मात्रा अनुसार खरीदी केन्द्रों में 2 दिवस में परिवहन पूर्ण कराएं और गोदाम में भंडारित मात्रा के स्वीकृत्रि पत्रक जारी करें। जिससे किसानों का त्वरित भुगतान हो सके। किसान संगठन एवं किसानों से स्लॉट की तिथि में वृद्धि के संबंध में मांग पत्र प्राप्त हुए हैं, जिसके संबंध में शासन को पत्र भेजे गए हैं।

27 तक लगेगा हाट बाजार

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग भोपाल के माध्यम से आयोजित हुनर हाट 2026 का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा एवं महेंद्र पटेल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एसके डेकाटे, डीपीएम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बीडी भैंसारे एवं प्रदीप तिवारी उपस्थित रहे। यह आयोजन महिला उत्थान संस्थान द्वारा 27 मई तक आयोजित किया जा रहा है।

खमरिया गौशाला में पशु स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पशु पालन विभाग की जिला मुख्यालय टीम द्वारा खमरिया गौशाला में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर पशुधन के संरक्षण एवं उपचार के लिए महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर के दौरान गौशाला में मौजूद समस्त पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर 5 पशुओं का उपचार, 2 गर्भ परीक्षण, एक कृत्रिम गर्भाधान एवं 25 पशुओं का एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण किया गया। यह शिविर उप संचालक पशुपालन डॉ. सुनील बृजपुरिया के निर्देशन में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन डॉ. नितिन किरार के मार्गदर्शन में डॉ. सार्थक विश्वकर्मा एवं उनकी टीम द्वारा किया गया, जिन्होंने पशुपालकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए पशुधन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जिले के गेहूं खरीदी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण कर उपार्जन कार्य में प्रभावी पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण सुनिश्चित करें। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में राजस्व विभाग के अधिकारी लगातार खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

इसी क्रम में नायब तहसीलदार गोटेगांव श्री राजीव नेमा ने श्रीनगर स्थित डीएम वेयरहाउस, नायत तहसीलदार नरसिंहपुर- मुंगवानी श्रीमती अनु जैन ने के.जी.एन. वेयरहाउस, तहसीलदार गाडरवारा श्रीमती प्रियंका नेताम ने नागपाल, स्वामी एवं गुर्जर वेयरहाउस, तहसीलदार नरसिंहपुर श्री गौरीशंकर शर्मा ने अंश वेयरहाउस, तहसीलदार करेली श्री पारस मिश्रा ने रघुवंशी वेयरहाउस सुआतला और नायब तहसीलदार गोटेगांव श्री राजीव नेमा ने पद्मावती वेयरहाउस, सुकरी समिति लाठगांव का निरीक्षण किया। इसके अलावा जिले के अन्य राजस्व अधिकारियों ने भी विभिन्न गेहूं खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गेहूं उपार्जन केन्द्र की स्थिति, किसानों की गेहूं की तुलाई, खरीदी की प्रगति, स्लॉट बुकिंग, बारदानों की उपलब्धता, किसानों के लिए की गई समुचित व्यवस्थाएं आदि की जानकारी ली।

शिक्षकों के सहयोग से क्षेत्र के दिवंगत शिक्षक स्व ब्रजेश श्रीवास के परिवार को उपलब्ध कराई आर्थिक सहायता

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । मध्यप्रदेश क्ल्ल्स् संघ एवं कर्मचारी कल्याण कोष द्वारा दिवंगत शिक्षकों के परिवारों की सहायता एवं संबल प्रदान करने हेतु दिनांक 05 मई 2026 से 20 मई तक अभियान पूरे प्रदेश में चलाया गया। यह अभियान केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कर्मचारियों की एकजुटता, मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पारिवारिक भावना का एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक उदाहरण बनकर सामने आया है। सम्पूर्ण ?प्रदेशभर के हजारों कर्मचारी साथियों, पदाधिकारियों एवं सहयोगियों ने इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और यह संदेश दिया कि क्ल्ल्स् केवल एक संगठन नहीं, बल्कि हर कर्मचारी का एक मजबूत परिवार है, जो सुख-दुःख की प्रत्येक परिस्थिति में अपने साथियों एवं उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है ।संघ के जिला अध्यक्ष मधुसूदन पटैल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिला नरसिंहपुर ग्राम बनवारी निवासी दिवंगत शिक्षक स्व. ब्रजेश श्रीवास के परिवार को शिक्षकों के सहयोग से विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से कुल ? 26,13,384 की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। इसमें नामिनी पुत्र आदित्य श्रीवास के खाते में ? 15,25,126, पत्नी श्रीमती योगिता श्रीवास के सेंट्रल बैंक खाते में ? 9,12,914 तथा स्क्ष्क्ष्रु खाते में ? 1,75,344 की राशि सहयोग स्वरूप जमा कराई गई। ?इसी प्रकार जिला बुरहानपुर निवासी दिवंगत शिक्षक स्व. श्री राजकुमार सिरोतियां के परिवार को कुल ? 25,92,840 की सहयोग राशि प्रदान की गई। ?इस प्रकार दोनों परिवारों को मिलाकर लगभग 52 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदेशभर के कर्मचारियों एवं संगठन के सहयोग से उपलब्ध कराई गई। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि यह सहयोग अभियान क्ल्ल्स् की सतत मानवीय एवं कर्मचारी हितैषी सोच का हिस्सा है। इससे पूर्व भी संगठन द्वारा दिवंगत हुए 5 शिक्षक साथियों के परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। वर्तमान सहयोग को मिलाकर अब तक कुल 7 परिवारों को लगभग ? 2 करोड़ 16 लाख रुपये का सहयोग क्ल्ल्स् संघ एवं कर्मचारी कल्याण कोष के माध्यम से प्रदान किया जा चुका है। जिला प्रभारी हरगोविंद लोधी ने कहा कि वर्तमान समय में जब अनेक परिवार आकस्मिक परिस्थितियों में आर्थिक एवं मानसिक संकट का सामना करते हैं, तब इस प्रकार की सहयोगात्मक पहल है।

मध्यप्रदेश संघ की मानवीय पहल बनी मिसाल

कुलदीप श्रीवास होंगे सम्मानित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) द्य सेन जागृति संघ द्वारा झाझनखेड़ा निवासी कुलदीप श्रीवास कीउल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 91.12 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे सेन समाज का गौरव बढ़ाया है। सेन जागृति संघ के अध्यक्ष मनोज सराठे ने एक सामाजिक आयोजन के दौरान यह जानकारी दी। कुलदीप की इस गौरवमय उपलब्धि पर परिवार, मित्रों और समाज के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कुलदीप जैसे होनहार युवा समाज के लिए प्रेरणा हैं। सेन समाज अध्यक्ष मनोज सराठे ने बताया कि आगामी समय में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रम में सेन जागृति संघ द्वारा कुलदीप श्रीवास को उनकी इस विशिष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया जाएगा। संगठन का उद्देश्य समाज के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करना और अन्य युवाओं को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

शिक्षा में गुणात्मक सुधार अभिभावकों की जागरूकता : उदयप्रताप सिंह

बांसादेही में मेधावी प्रतिभाओं के सम्मान में शामिल हुए शिक्षा मंत्री

करेली। शनिवार शाम समीपी ग्राम बांसादेही में महिला सर्व ब्राह्मण समाज सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर के मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में राज्यसभा के पूर्व सांसद एवं लोकतंत्र सेनानी समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष पं मैथिलीशरण तिवारी, नगर पालिका नरसिंहपुर के अध्यक्ष नीरज दुबे, सर्व ब्राह्मण महिला एकता संगठन की जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे, आरडीपीएस स्कूल राजमार्ग की चेयरमैन श्रीमती राव मंजू सिंह, श्रीमती मंजू सोनी सहित महिला सर्व ब्राह्मण समाज सभा की अध्यक्ष श्रीमती भारती मधुसूदन पालीवाल की सारस्वत उपस्थिति रही। पपनेजा स्कूल की छात्राओं द्वारा नर्मदाष्टक एवं स्वागत गीत के मध्य अतिथियों द्वारा एवं दीप प्रज्वलन एवं पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का स्मृति चिन्ह एवं पुष्पाहारों से स्वागत आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष मधुसूदन पालीवाल, श्रीमती भारती पालीवाल, जगदीश मिश्रा, प्रभात चौबे, जितेंद्र स्वामी, अनिल पालीवाल, आशीष दुबे, प्रहलाद पाठक, कमलेश शर्मा, रामाधार उपाध्याय, महेश देवलिया, डॉ यूएस परमार, हरजीत सिंह छाबड़ा, जीएस राजपूत, संजय दुबे सहित सर्व ब्राह्मण समाज की महिला पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा मंत्री ने अपने उद्बोधन में शिक्षा में निरंतर आ रहे गुणात्मक सुधार को लेकर नागरिकों में शिक्षा के प्रति निरंतर जागरूकता की सराहना की। बताया कि प्रदेश में शिक्षा के स्तर को बेहतर से बेहतर बनाने माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। हमारे सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगे।

उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा इस घर से हमारा पुराना पारीवारिक नाता है, जो आज तरोताजा हो गया। राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने प्रतिभावान बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह स्थान धार्मिक स्थल जैसा है, यहां सब धर्म पार्टी के लोग हमेशा कार्यक्रमो में सामिल होते हैं। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि पंडित मैथिली शरण तिवारी एवं श्रीमती विवेक पांडे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 12वीं में संकायवार शीर्ष स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों में ऋतिक पटेल, इश्मीत कौर मुटरेजा, प्रसुख जैन, हर्ष कौरव, प्रज्ञा पटेल, भूमि दुबे, आलिया खान, शालिनी बी, दूर्वा तिवारी, शीतल पटेल, शीतल ठाकुर, स्तुति राजपूत, राहुल जाटव, डाली रजक, दीपाली पटेल, विनीता कहार, साक्षी साहू, भारती लोधी, कृष्णा गुप्ता, केशव रजक, विवेक जाटव, शिवानी विश्वकर्मा, अक्षत कठल, नियति जैन, ऋतिक लोधी, राशि खरे, सान्या नीखरा, आयुषी कौरव, सिद्धार्थ गुप्ता, कबीर गुप्ता, सुहानी पटेल, आस्था दुबे, जानवी चौधरी एवं कक्षा दसवीं से वैभव साहू, दिव्यांशी कौरव, अविनाश चौरसिया, हर्ष कुशवाहा, दर्शन जैन, सुहाना जाटव, अंशिका गुप्ता, प्रियंका मेहरा, अन्यया जैन, अंशिका पटेल, शुभ लक्ष्मी पटेल, शिवांश सराठे,अंशिका कौरव को अतिथियों द्वारा मेडल एवं उपहार सहित उनके अभिभावकों व शाला प्राचार्य को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार आशीष अग्रवाल, शिक्षक आशीष दुबे ने एवं आभार प्रदर्शन मधुसूदन पालीवाल ने किया। कार्यक्रम में नगर व क्षेत्र के विप्र समाज के बंधुओं, मातृशक्ति सहित प्रबुद्ध नागरिकगणों की उपस्थिति रही।

ईश्वरीपुरा वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटी का गठन

संगठन को मजबूत करने एवं जनसमस्याओं के निराकरण का लिया संकल्प

कटनी (स्वतंत्रमत)। ईश्वरीपुरा वार्ड में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वार्ड कांग्रेस कमेटी का गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं वार्डवासियों ने सहभागिता कर संगठन की मजबूती तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव आम जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों एवं समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन के माध्यम से जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करे। संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के सुख-दुख का साथी है और जनता के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ता रहेगा। जिला प्रभारी मनु मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ एवं वार्ड स्तर तक मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जब संगठन मजबूत होता है तो जनता की आवाज और अधिक प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचती है तथा जनहित के मुद्दों पर बेहतर संघर्ष किया जा सकता है। विधानसभा प्रभारी राजेश चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता वार्ड के प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनें और उनके समाधान के लिए प्रयास करें। जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने से ही संगठन की मजबूती और जनविश्वास दोनों बढ़ते हैं। कार्यक्रम के दौरान वार्ड कांग्रेस कमेटी के गठन के साथ-साथ संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के विकास, सामाजिक सौहार्द एवं जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला, जिला प्रभारी मनु मिश्रा, विधानसभा प्रभारी राजेश चौबे, प्रियदर्शन गौर, राकेश जैन कक्का, राजा जगवानी, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, शिप्पू भाईजान, दानिश अहमद, अजरा शाहीन, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, मुकेश परोहा, रंजीत सिंह, अहमद कुरैशी, मुन्ना कुशवाहा, रमेश मिश्रा, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, शुभम मिश्रा, सचिन गर्ग, हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करने तथा क्षेत्र के विकास एवं जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कांग्रेसजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि मजबूत संगठन के माध्यम से पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा तथा जनता के हितों की आवाज को बुलंद किया जाएगा।

फोटो : विकास गुप्ता

जगमोहन दास, जयप्रकाश एवं महात्मा गांधी वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन

कांग्रेस संगठन को वार्ड स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से आज जगमोहन दास वार्ड, जयप्रकाश वार्ड एवं महात्मा गांधी वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने संगठन विस्तार, जनसंपर्क एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन ही जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाकर उनके समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। पूर्व अध्यक्ष प्रियदर्शन गौर ने कहा कि कांग्रेस सदैव आमजन के अधिकारों और जनहित के मुद्दों के लिए संघर्ष करती रही है। वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएगा। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष प्रियदर्शन गौर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, संगठन महासचिव प्रेम बत्रा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, महामंत्री मंजू निषाद, श्याम पाहुजा, श्याम यादव, संदीप यादव, प्रशांत पांडे, हरनाम सुंदरानी, उदय शंकर निषाद, राकेश वर्मा, रमेश मिश्रा, संजय कोस्टा, प्रकाश निषाद, रमेश अहिरवार, शुभम सोनखरे, राजीव दुबे, आदिता वर्मा, शोभा मंगलानी, विनोद अहिरवार, बलराम गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समस्त वार्डवासी उपस्थित रहे। अंत में नवगठित वार्ड कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनता के हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

युवक पर चाकू से हमले के पांच आरोपी गिरफ्तार

बिलैया तलैया मंडी में दो दिन पहले हुई थी वारदात

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के व्यस्ततम क्षेत्र बिलैया तलैया सब्जी मंडी में पैसों के लेन-देन को लेकर हुई चाकूबाजी की गंभीर घटना में थाना कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आमजन में विश्वास मजबूत हुआ है। 22 मई को जिला अस्पताल कटनी से सूचना प्राप्त हुई कि प्रशांत सोनी पिता विष्णु सोनी, उम्र 38 वर्ष, निवासी गिरजा घाट कटनी को गंभीर घायल अवस्था में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस तत्काल अस्पताल पहुंची तथा घायल से घटना के संबंध में पूछताछ की गई। घायल प्रशांत सोनी ने बताया कि उसका अभिलाष उर्फ अब्बू चौरसिया से पैसों के लेन-देन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। वह अपना पैसा लेने बिलैया सब्जी मंडी पहुंचा था, जहां लक्ष्मी प्रसाद उर्फ बुच्चड़ चौरसिया, अभिलाष उर्फ अब्बू चौरसिया, राज उर्फ प्यारे चौरसिया, शुभम उर्फ चुन्नू एवं एक अन्य बालक मौजूद थे। इसी दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि बुच्चड़ चौरसिया ने अन्य साथियों को उकसाते हुए प्रशांत सोनी पर हमला करने के लिए कहा, जिसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से चाकुओं से पीठ, कमर एवं बाएं हाथ

पर कई वार किए तथा लात-घूंसों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कटनी में अपराध क्रमांक 495/26 धारा 296(बी), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी एवं घायल को समुचित चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा विशेष टीम गठित कर लगातार दबिश दी गई। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज पाए गए हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। **फोटो : विकास गुप्ता**

कटनी में संपन्न हुआ नेशनल जॉब फेयर- 2026

कटनी (स्वतंत्रमत)। जीतो द्वारा आयोजित नेशनल जॉब फेयर- 2026 का आयोजन कटनी नगर में जैन मिलन एवं महिला जैन मिलन के तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मांगलाचारण जैन मिलन की अध्यक्षा निशा जैन, कोषाध्यक्ष शरद जैन एवं पूर्व अध्यक्षा स्वाती जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव संचित जैन द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन सुभाष सिंघई चदई राष्ट्रीय चेयर मैन, शुकीर्ति जैन पूर्व विधयाक, अनूप सिंघई अध्यक्ष दयोपथ पशु सेवा केंद्र, कैलाश सोगानी, शरद सरावगी, मनीष जैन एवं मगन जैन समाज सेवी, आशीष जैन द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अंकुर जैन गिफ्ट अध्यक्ष जैन मिलन कटनी ने जॉब फेयर में आए सभी अतिथियों का अभिवादन एवं स्वागत किया। जीतो प्रतिनिधि संदीप सिंघई एवं शुभम जैन मोनी ने उपस्थितजनों को जॉब संबंधी जानकारी दी तथा लोगो को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा दी। कार्यक्रम प्रभारी संजीव जैन एवं वैभव जैन द्वारा समस्त व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया। जैन मिलन के सदस्य वीर विमोर जैन, अभिषेक जैन एवं आतिश जैन ने आए हुए अतिथियों का रजिस्ट्रेशन किया।

फोटो : विकास गुप्ता

पैदल भ्रमण कर यातायात व्यवस्था को किया जा रहा है दुरुस्त

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन। डॉ संतोष डेहरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक अनूप सिंह द्वारा देर रात्रि शहर के प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौराहों पर पैदल भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान थाना प्रभारी यातायात अपने दल-बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल मार्च करते हुए यातायात को व्यवस्थित करते नजर आए। भ्रमण के दौरान अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर मौके पर चालानी कार्यवाही एवं ई-चालान की कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्क करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने हेतु समझाइश भी दी गई। यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से सड़क पर लगाए गए डिवाइडर कोन एवं यातायात संकेतकों को भी व्यवस्थित कराया गया। थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक अनूप सिंह स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने हेतु लगातार प्रयास करते दिखाई दिए। शहरवासियों द्वारा भी इस सक्रिय कार्यवाही की सराहना की गई तथा देर रात्रि तक शहर में यातायात व्यवस्था सामान्य एवं नियंत्रित दिखाई दी।

उक्त कार्यवाही में यातायात सूबेदार सोनम उइके, उप निरीक्षक अशोक सिंह, आरक्षक राजकुमार सहित यातायात थाना के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से दिखाई दिए। कटनी पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े न करें तथा सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

फोटो : विकास गुप्ता

राजस्व व्यवस्था को मजबूत करने प्रशासन ने तेज की मॉनिटरिंग

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में समयबद्ध निराकरण और पारदर्शिता पर दिया जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले की राजस्व व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी ने शनिवार को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण और आमजन को त्वरित सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार मौजूद रहे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सभी पात्र किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनगणना 2027 कार्य पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने ताला बंद 620 मकानों का पुनः सत्यापन कर डेटा अद्यतन करने को कहा। फॉर्मर आईडी निर्माण, फौती नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के समयबद्ध निराकरण पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अमला अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और जवाबदेही के साथ निभाए।

अनामिका मिश्रा जिला स्तरीय समिति में नियुक्त

कटनी (स्वतंत्रमत)।

स्कूल शिक्षा विभाग (सर्व शिक्षा अभियान) अंतर्गत जिला शिक्षा केंद्र कटनी की जिला स्तरीय नियुक्ति समिति में अनामिका मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया।

सार्थक पहलः सांसद विवेक तन्खा की सांसद निधि से स्वीकृत नल कूप खनन का कार्य प्रारंभ

महर्षि सुदर्शन समाज भवन में अंशु मिश्रा ने किया भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए कटनी जिले में राज्यसभा सदस्य विवेक तनखा द्वारा कांग्रेस नेता दिव्यांशु मिश्रा अंशु की माँग पर राज्यसभा मद के माध्यम से कटनी के विकासखंड मुडवारा के अनेकों शहरी एवं ग्रामीण स्थानों पर नलकूप खनन हेतु राशि स्वीकृत की थी, गत दिवस महर्षि सुदर्शन समाज कटनी के भवन में प्रारंभ होने जा रहे नल कूप खनन का शुभारंभ एवं भूमिपूजन समाज के वरिष्ठ जनों के साथ मिलकर संपन्न हुआ। मिश्रा ने बताया कि पिछले अनेकों वर्षों में तनखा द्वारा स्वस्थ एवं अन्य छेत्रों में अनेकों बड़ी सौगातें कटनी को जनहित में देने का कार्य किया है।

गर्मी में अनेकों छेत्रों में नल कूप खनन एवं पानी के टैंकर स्वीकृत करने का कार्य किया गया है, जो की मानव सेवा हेतु अनुकरणीय पहल है। सुदर्शन समाज एवं अन्य स्थानों की जनता ने तनखा के प्रति आभार व्यक्त किया है एवं अंशु मिश्रा को निरंतर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर संघर्ष करने एवं जनहित में निरंतर कार्य करने पर बधाई दी।

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर 25 मई को होगा जिले में भव्य कार्यक्रम

विजयराघवगढ़ विधायक होंगे मुख्य अतिथि

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमीं के उपलक्ष्य में कटनी जिले में 25 मई को भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गंगा दशमी पर्व पर आयोजित जिले की गतिविधियों

एवं कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक को मुख्य अतिथि घोषित किया है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान से संबद्ध पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जलसंसाधन, नगर निगम व नगरीय निकायों सहित लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और अन्य विभागों को गंगा दशमी के उपलक्ष्य में आयोजन की तैयारियों के लिए निर्देशित किया है।

ऐतिहासिक लल्लू भैया की तलैया के पुनर्जीवन की कवायद तेज

अतिक्रमण हटाने और सौंदर्यीकरण की दिशा में प्रशासनिक पहल से शहरवासियों में जगी नई उम्मीद

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के बीच स्थित ऐतिहासिक जलस्त्रोत लल्लू भैया की तलैया को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने की दिशा में एक बार फिर ठोस प्रयास शुरू किए गए हैं। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार के संज्ञान के बाद इस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने और सफाई कार्यों में तेजी लाई गई है, जिससे नागरिकों में सकारात्मक उम्मीदें देखने को मिल रही हैं। शनिवार को भी क्षेत्र में मशीनों की सहायता से गाद और मलबा हटाने का कार्य लगातार जारी रहा। जलभराव वाले हिस्से की सफाई के लिए दो मशीनें लगाई गईं, जिससे कार्य में गति आई है। इस पहल को स्थानीय नागरिक एक आवश्यक और सकारात्मक कदम के रूप में देख रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह तलैया लंबे समय से अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार रही है। वर्षों से मलबा डालकर इसके प्राकृतिक स्वरूप को प्रभावित किया गया, जिससे यह ऐतिहासिक जलस्त्रोत धीरे-धीरे बदहाल स्थिति में पहुंच गया। इस पहल को शहरवासी एक नए अवसर के रूप में देख रहे हैं। नागरिकों का मानना है कि यदि यह कार्य निरंतरता और गंभीरता के साथ आगे बढ़ता है तो शहर को एक महत्वपूर्ण धरोहर वापस मिल सकती है। लोगों द्वारा लंबे समय से इस क्षेत्र के सीमांकन और अतिक्रमण हटाने की मांग भी उठाई जा रही है, ताकि वास्तविक जलक्षेत्र स्पष्ट हो सके और संरक्षण कार्य प्रभावी रूप से किया जा सके।

गुरिंदरवीर 100 मीटर में भारत के सबसे तेज धावक

100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉड, 10.09 सेकेंड में जीत

रांची

पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया। गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, काम अभी पूरा नहीं हुआ और उसके नीचे 10-10एस अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ-साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया।

मानसी लाठर, काजल और सुमित ने जीता गोल्ड

भारतीय पहलवानों ने आठ मेडल अपने नाम किए

नयी दिल्ली

अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा।र विवार को वियतनाम के दा नांग में टिएन सोन स्पोर्ट सेंटर में हुई प्रतियोगिता के दूसरे दिन मानसी लाठर, काजल और सुमित ने गोल्ड मेडल जीतकर भारत का दबदबा कायम रखा।मानसी ने 68किग्रा गोल्ड मेडल मुकाबले में ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए उज़्बेकिस्तान की फ़रिज़ा एसेनबाएवा को 14-1 से करारी शिकस्त दी।76किग्रा फ़ाइनल में काजल का प्रदर्शन भी उतना ही शानदार रहा; उन्होंने किर्गिस्तान की आइझारकिन झानीबेकोवा को 10-0 से हराया।वहीं, ग्रीको-रोमन पहलवान सुमित ने 63किग्रा वर्ग का खिताब उज़्बेकिस्तान के ओज़ोदबेक ख़लीलबोएव को 12-2 से हराकर अपने नाम किया।इन तीन गोल्ड मेडल के अलावा, भारतीय दल ने दो सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज़ मेडल भी जीते। स्वीटी ने अपने फ़ाइनल मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वियतनाम की न्गोक एल. डो से 5-7 से हारकर उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। नेहा ने भी 59किग्रा वर्ग के फ़ाइनल मुकाबले में ज़ोरदार टक्कर दी, लेकिन उज़्बेकिस्तान की लायलोखोन सोबिरोवा से 9-5 से हार गईं; इस हार के बावजूद उन्होंने भारत के लिए दिन का दूसरा सिल्वर मेडल जीता।भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, हमारे युवा पहलवानों ने आज मैट पर अपने ज़बरदस्त प्रदर्शन से हमें बेहद गौरवान्वित किया है।इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतना और इतने सारे मेडल अपने नाम करना भारतीय कुश्ती की गहराई, दृढ़ संकल्प और अनुशासन को दर्शाता है। मैं मानसी, काजल, सुमित, स्वीटी, नेहा, अहिल्या, नीरज और रोहित को उनके मेडल के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई है, और मुझे उम्मीद है कि टीम के बाकी सदस्य भी आने वाले मुकाबलों में इस सकारात्मक लय को बनाए रखेंगे। इस बीच, अहिल्या एस. शिंदे ने ब्रॉन्ज़ मेडल के प्लेऑफ़ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए किर्गिस्तान की अरुके कादिरबेक किज़ी को 13-2 से करारी शिकस्त दी।ग्रीको-रोमन कैटेगरी में, जो पहले दिन से ही जारी थी, नीरज पटेल ने अपने 55किग्रा के मैच में शानदार तकनीक का प्रदर्शन किया।

जीत के साथ अंतिम-4 में पहुंची रॉयल्स पंजाब किंग्स की उम्मीदों पर फिरा पानी

नई दिल्ली

प्लेऑफ की 4 टीम
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
गुजरात टाइटंस
सनराइजर्स हैदराबाद
राजस्थान रॉयल्स

सूर्यकुमार यादव (60) की फिफ्टी के बाद भी मुंबई इंडियंस को लीग स्टेज के अपने आखिरी मैच में हार का सामना करना पड़ा। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई को 30 रन से मात दी। इसके साथ ही राजस्थान प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है। राजस्थान के 16 अंक हैं। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत से पंजाब किंग्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले में 3 विकेट गंवा दिए। 33 के स्कोर पर टीम को 2 झटके लगे। चौथे ओवर में यशस्वी जायसवाल (27) और 5वें में वैभव सूर्यवंशी कैच आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी आज फीके नजर आए और उन्होंने 6 गेंदों पर 4 रन की धीमी पारी खेली। दीपक चाहर ने वैभव को नमन धीर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद मिडिल ऑर्डर ने राजस्थान की पारी को संभाला और छोटी-छोटी पारियां खेलकर राजस्थान के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। ध्रुव जुरैल (38), कप्तान रियान पराग (14), दासुन शनाका (29), डोनोवन फेरेरा (18) और अंत में जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने शार्दुल ठाकुर के ओवर में मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और वह 11 गेंदों पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। इस मैच के लिए जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया था। 206 रन चेज करने उतरी मुंबई इंडियंस को पहले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने झटका दिया। रोहित शर्मा ने खाता खोले बिना ही ध्रुव जुरैल को विकेट के पीछे कैच थमा दिया।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये

मुम्बई

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया। यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा। रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं। वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की नजर प्रमुख वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर टिकी रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर हर दिन आ रहे अलग-अलग बयानों से बाजार में जारी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव प्रमुख कारक होंगे। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में काफी उठापटक देखने को मिली, जहां एक दिन बाजार में तेजी दर्ज हुई तो अगले ही दिन वह फिसलता दिखा। यह रुझान मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर आ रहे परस्पर विरोधी बयानों के कारण रहा, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया। इस सप्ताह में भी इन वैश्विक घटनाक्रमों पर बाजार की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि भू-राजनीतिक खबरें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। घरेलू मोर्चे पर अप्रैल माह के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक वृद्धि की तस्वीर पेश करेंगे, जिसका सीधा असर निवेश धारणा पर पड़ सकता है। यदि आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे तो बाजार को गति मिल सकती है, अन्यथा नकारात्मक प्रभाव भी संभव है।

जोखिम कर रखें ध्यान - इसके अलावा कुछ दिग्गज कंपनियों, जैसे ओएनजीसी और इंडिगो, के वित्तीय परिणाम भी सामने आने वाले हैं। इन परिणामों से कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को लेकर तस्वीर साफ होगी, जो बाजार के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे सुधर रहा है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ट्रेडर्स को सलाह दी है कि वे इस सप्ताह बेहद चुनिंदा शेयरों में ही हाथ डालें और जोखिम प्रबंधन का पूरा ध्यान रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार पूरी तरह से वैश्विक खबरों और भू-राजनीतिक गतिविधियों के अनुसार चल रहा है, इसलिए अत्यधिक सावधानी बरतना और अच्छी तरह से सोच-समझकर निवेश करना बेहद आवश्यक है।

कपास से 11 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी हटाने का प्लान कर रही सरकार

नई दिल्ली। गारमेंट और टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ओर से लंबे समय से कपास से आयात शुल्क हटाने की मांग की जा रही है। अब सरकार की ओर से ये शुल्क हटाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि इस मामले की बातचीत अपने अंतिम चरण में है। बता दें कि भारत सरकार विदेश से आयात किए जाने वाले कपास पर 11 प्रतिशत ड्यूटी लगाती है, जिसके चलते घरेलू उद्योंग की लागत बढ़ती है। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के सामने इस समय कच्चे कपास की भारी कमी है, ऊपर से इसकी बढ़ी हुई कीमतों से कपड़ा उद्योग दबाव में है। आंकड़े बताते हैं कि चालू वर्ष में देश के कपड़ा उद्योग को लगभग 337 लाख गांठ कपास की जरूरत होने का अनुमान है (कपास की एक गांठ= 170 किलोग्राम)। जबकि मांग की तुलना में साल 2025-26 के सीजन में देश में सिर्फ 292.15 लाख गांठ कपास आने की ही संभावना है। इस तरह मांग और सप्लाई के बीच करीब 45 लाख गांठ का बड़ा गैप नजर आता है।कॉटन से इंपोर्ट ड्यूटी हटाए जाने का मामला दो मंत्रालयों के बीच फंसा है। कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय की अलग-अलग राय है। इसी मांग पर फिलहाल वित्त, कपड़ा और कृषि मंत्रालय आपस में विचार-विमर्श कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बातचीत लगभग अंतिम चरण तक पहुंच गई है और किसी भी वक्त ड्यूटी हटाने का फैसला लिया जा सकता है। कपास से आयात शुल्क हटाने को लेकर हाल ही में, कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधियों और निर्यातकों के एक दल ने उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की थी।

चावल, गेहूं, चीनी, तेल साप्ताहिक बढ़त में

नयी दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं, चीनी, खाद्य तेलों और ज्यादातर दालों में भी तेजी रही। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 20 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,849 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 22 रुपये महंगा हुआ और 2,795 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव भी 15 रुपये बढ़कर 3,272 रुपये प्रति क्विंटल रह गया।सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 43 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।उड़द दाल 39 रुपये और चना दाल 26 रुपये महंगी हो गयी।मूंग दाल 10 रुपये मजबूत हुई।वहीं, मसूर दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी।बीते सप्ताह मूंगफली तेल 190 रुपये और पाम ऑयल 161 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।सरसों तेल की कीमत 107 रुपये और वनस्पति की 105 रुपये बढ़ी।सोया तेल 87 रुपये और सूरजमुखी तेल 26 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त में रहा।

एफपीआई ने मई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से निकाले 25,472 करोड़ रुपये

मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 25,472 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।शुद्ध निकासी एफपीआई द्वारा बाजार में लगायी गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर है। एफपीआई का इक्विटी में निवेश मई में 30,374 करोड़ रुपये कम हो गया। म्यूचुअल फंड में भी उनके निवेश में कमी आयी है जबकि डेट और हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने पैसे लगाये हैं।म्यूचुअल फंड में एफपीआई का निवेश शुद्ध रूप से 702 करोड़ डॉलर घट गया।वहीं, डेट में उनका निवेश 4,563 करोड़ रुपये बढ़ा है।हाइब्रिड में उन्होंने 1,036 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। यह लगातार तीसरा महीना है जब एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं।इससे पहले अप्रैल में उन्होंने 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी।फरवरी में उन्होंने बाजार में निवेश बढ़ाया था जबकि जनवरी में भी वे बिकवाल रहे थे। इस साल अब तक एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 2,14,473 करोड़ रुपये निकाले हैं।इक्विटी में उनका बिकवाल बने रहना इसका सबसे बड़ा कारण है।इस कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई इक्विटी से 2,22,343 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेडे के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार का कहना है कि एफपीआई इस साल अबतक 2,22,343 करोड़ रुपये इक्विटी से निकाल चुके हैं जो साल 2025 में पूरे साल की 1,66,283 करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है।देश में निवेश पर कम रिटर्न मिलने और दूसरे देशों में ज्यादा रिटर्न की संभावना के कारण वे निकासी कर रहे हैं।साथ ही अमेरिका में बॉन्ड पर अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट और आने वाले समय में इसके और टूटने के डर से भी वे भारतीय बाजार से पैसे निकाल रहे हैं।खास बात यह है कि एफपीआई जहां बड़ी कंपनियों से पैसा निकाल रहे हैं, वहीं वे छोटी और मझौली कंपनियों में पैसा लगा रहे हैं।

प्रदेश में जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान कर मनेगा गंगा दशहरा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में चढ़ाएंगे 300 फीट की चुनरी

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिसके लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया है कि हिंदू संस्कृतिमें पूरी श्रद्धा के साथ मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर्व के पावन अवसर पर प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान को व्यापक जनभागीदारी आधारित एक बड़ा जन-आंदोलन बनाया जाए। इसी दूरगामी विजन के अनुक्रम में सोमवार, 25 मई को प्रदेश के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जल संरक्षण गतिविधियों और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे जन-जन को इस पुनीत कार्य से सीधे जोड़ा जा सके। सभी प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में जनसमुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय कुओं, नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई, घाटों की स्वच्छता और पुराने बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे जलसंरक्षण के कार्यों में श्रमदान के लिए प्रेरित करेंगे।

उज्जैन में भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा – इसी कड़ी में, उज्जैन में गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 25 और 26 मई को दो दिवसीय भव्य शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है, जो व्यापक जनभागीदारी का एक अनुपम उदाहरण बनेगा। यह महत्वपूर्ण परिक्रमा रामघाट से प्रारंभ होकर नृसिंहघाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार और प्रशांतिधाम शनि मंदिर से होते हुए दत्तअखाड़ा घाट पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, गंगा दशमी के अवसर पर यह परिक्रमा रणजीत हनुमान मंदिर, भैरवगढ़, सिद्धवट, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम, गढ़कालिका और गोपाल मंदिर से होते हुए पुनः रामघाट पर पहुंचकर संपन्न होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्वयं माँ शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित की जाएगी।

इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए रामघाट पर पंडित ढोली बुवा द्वारा 17 मई से प्रतिदिन सायं 7:30 बजे हरिकथा का गायन किया जा रहा है। दत्तअखाड़ा घाट पर आयोजित भजन संध्या में इंदौर के श्रेयश शुक्ला और जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल भजनों की प्रस्तुति देंगे।

जल स्त्रोतों के संरक्षण से जीवात्मा को मिलता है मोक्ष- धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा का पर्व मुख्य रूप से माँ गंगा के स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित होने की खुशी में मनाया जाता है, जिससे प्रकृति और जन-जीवन धन्य हुआ था। ऐसी गहरी आस्था है कि इस अत्यंत पवित्र दिन पर पवित्र नदियों में स्नान, श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चन और जल स्त्रोतों का संरक्षण करने से मनुष्य के दस तरह के पापों का नाश होता है और राजा भगीरथ के पूर्वजों की तरह ही जीवात्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पावन अवसर के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रदेशभर में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों को दो चरणों में विभाजित किया गया है, जिसके प्रथम चरण में जनसमुदाय और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से स्थानीय कुओं, नहरों, बावड़ियों और तालाबों की साफ-सफाई, घाटों की स्वच्छता तथा पुराने बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे श्रमदान के कार्य किए जाएंगे। इसके बाद द्वितीय चरण में गंगा दशहरा के आध्यात्मिक विषय पर आधारित सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक जिले में 4 से 5 ऐसे उत्कृष्ट कार्यों को चिन्हित किया जाएगा जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) और नगरीय क्षेत्रों में नगर निगम आयुक्त या परियोजना अधिकारी इसके नोडल अधिकारी होंगे।

अब तक 1.91 लाख से अधिक कार्य हुए पूरे- इस पूरे जन-आंदोलन के केंद्र में जल गंगा संवर्धन अभियान है, जिसके तहत जल आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हो रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अब तक प्रदेश में 1 लाख 911 हजार 294 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। अभियान के अंतर्गत कुल लक्षित कार्यों 3,68,673 में से 1,91,294 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। जिनमें 84,468 कार्य पूरी तरह संपन्न और 1,06,826 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण हो चुके हैं। विशेष रूप से 19 मार्च के बाद से इस अभियान में अभूतपूर्व प्रगति देखी गई है, जिसके अंतर्गत कुल 1,41,540 कार्यों को आगे बढ़ाया गया, जिसमें 43,139 पूर्ण और 98,401 भौतिक रूप से पूर्ण हो चुके है। इस युगांतकारी अभियान की वित्तीय व्यवस्था के लिए सरकार द्वारा 10,666.62 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 6,293.48 करोड़ (59 प्रतिशत) की राशि का अब तक उपयोग किया गया है।

मित्रता निभाना द्वारिकाधीश एवं श्रीकृष्ण से सीखना चाहिए : गर्ग

दमोह। सागर नाका में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवे दिवस में कथा वाचक कृष्ण कुमार गर्ग ने बताया कि एक मित्र ब्राह्मण भगवान श्री कृष्ण के परम मित्र थे बड़े ज्ञानी विषयों से विरक्तशांति चित्र तथा जितेंद्रिय थे। वे गृहस्थी होकर भी किसी प्रकार का संग्रह परिग्रह न करने प्रारब्ध अनुसार जो भी मिल जाता उसी में संतुष्ट रहते थे। उनके वस्त्र फ्टे पुराने थे उनकी पत्नी के वस्त्र भी वैसे ही थे उनकी पत्नी का नाम सुशीला था नाम के अनुसार वह शीलवती भी थीं, वह दोनों भिक्षा मांगकर लाते और उसे ही खाते लेकिन यह बहुत दिन तक नहीं चल सका कुछ वर्षों के बाद सुशीला इतनी कमजोर हो गई की चलने फिरने में उसका शरीर कांपने लगता। तब सुशीला का धैर्य थोड़ा काम हुआ और उन्होंने सुदामा से प्रार्थना की कि वह अपने बचपन के मित्र श्री कृष्ण के पास जाएं वे शरणागतवत्सल है। यदि अपनी स्थिति से उनको परिचय कराएंगे तो वह अवश्य ही हमारी मदद करेंगे ऐसा सुनकर वह अपनी पत्नी से बोले यदि कोई भेंट देने योग्य वस्तु है तो दे दो तब सुशील ने पड़ोस के घर से चार मुट्ठी तंदुल मांगी और अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़ कर उसमें बंद कर दे दिया।

देश व्यापी ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026-27 हुई ऑनलाइन

गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये

भोपाल

प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना-2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना 22 मई से 24 मई 2026 तक सूर्योदय से प्रात: 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 9 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्वयंसेवकों के सहयोग से गिद्ध गणना ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया गया है, जिससे आंकड़ों का संकलन शीघ्र हो पाया है। मध्यप्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी, जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था। विगत वर्ष 2025 में शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना की गई थी। इस वर्ष 2026 में भी शीतकालीन गणना की गई है।

इस वर्ष ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना ऐप के माध्यम से ऑनलाइन की गई। गणना का कार्य विभिन्न वनमंडलों एवं टाईगर रिजर्व/राष्ट्रीय उद्यानों में सभी स्थानों पर कार्य किया गया। गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये, जिसमें 9394 वयस्क एवं 1348 किशोर गिद्ध पाये गये। इस वर्ष 10 हजार 742 गिद्ध की संख्या पिछले वर्ष की गिद्ध संख्या 9509 से लगभग 1200 संख्या में ज्यादा है, जो कि बेहतर संरक्षण को इंगित करती है। गिद्धों की गणना के लिये ऑनलाइन ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की गई। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तुरंत लाइव प्राप्त होने से कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि सुबह सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते थे। उन्होंने घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर ऐप में उसकी जानकारी दर्ज की। गणना में केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया गया। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया गया। इस वर्ष वन विभाग के कर्मचारियों के साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, छात्र एवं स्थानीय नागरिकों ने इस गणना में भाग लिया। कंट्रोल रूम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बनाया जाकर गणना के बाद डाटा संकलन का कार्य किया जा रहा है।

बजरिया से अयोध्या नगर तक हिट एंड रन का तांडव

24 से ज्यादा लोग बने शिकार

भोपाल। राजधानी भोपाल की सड़कों पर शनिवार की देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार कार ने बजरिया थाना क्षेत्र से लेकर अयोध्या नगर बाईपास तक आतंक मचा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार चालक ने शराब के नशे में लापरवाही से वाहन चलाते हुए रास्ते में 24 से ज्यादा लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में महिलाएं, बच्चे और राहगीर घायल हो गए, जबकि एक बच्ची और एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही ह। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। भोपाल की सड़कों पर नशे में धुत कार चालक का तांडव देखने को मिला। कार चालक ने बजरिया थाना इलाके से लेकर अयोध्या नगर बाईपास तक आतंक मचा दिया. बताया जा रहा है कि कार में चालक के साथ उसके कुछ अन्य साथी भी सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार कभी तेज रफ्तार से लोगों के बीच घुस रही थी तो कभी अचानक कट मारते हुए आगे बढ़ रही थी। कई जगह लोग बाल-बाल बचे, लेकिन कई राहगीर इसकी चपेट में आ गए.बजरिया से अयोध्या नगर बाईपास तक सड़क पर मच गई चीख-पुकार हादसों की यह श्रृंखला बजरिया इलाके से शुरू हुई और अयोध्या नगर बाईपास तक जारी रही। घटना के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। घायल लोग मदद के लिए इधर-उधर भागते नजर आए, जबकि स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। कुछ जगह गुस्साए लोगों ने कार को रोकने की भी कोशिश की, लेकिन चालक तेज रफ्तार में वाहन भगाता रहा। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बजरिया और अयोध्या नगर थाना पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। पुलिस ने घेराबंदी कर अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित मिनाल गेट नंबर-3 के पास कार को रोक लिया।

मकान निर्माण के दौरान खुदाई में मिले चांदी के सिक्के

दमोह

सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत यशवंत चौक और महाकाली चौक के बीच उस वक्त हड़कंप मच गया जब आलोक सोनी के निर्माणाधीन मकान की नींव की खुदाई के दौरान चांदी के सिक्के निकलने की खबर सामने आई है। इस तरह की चर्चा भी है कि मजदूरों और मकान मालिक के बीच सिक्कों के बंटवारे को लेकर विवाद की स्थिति बन गई जिससे मामला उजागर हो गया। मजदूरों के अनुसार एक मटके में सिक्के निकले लेकिन मकान मालिक ने रख लिए। वहीं दूसरी तरफ मकान मालिक का कहना है। कुल 42 सिक्के निकले हैं जिसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दे दी है। सूचना मिलते ही कलेक्टर प्रताप नारायण यादव और एसपी आनंद कलादगी आईपीएस के निर्देशन में तहसीलदार रॉबिन जैन, रघुनंदन चतुर्वेदी टीआई कोतवाली मनीष कुमार सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने तत्काल खुदाई कार्य रुकवाकर पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया है। फिलहाल मिले सिक्कों की संख्या करीब 42 और उनकी प्राचीनता का आकलन किया जा रहा है। पुरातत्व विभाग को भी सूचना दी गई है। तहसीलदार ने बताया कि नियमानुसार सभी सिक्कों को जब्त कर कोषालय में जमा कराया जाएगा। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया।

पूर्व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की पहल लाई रंग

दमोह। जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्कालीन कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा शुरू की गई नि:शुल्क समर्पण कोचिंग अब सफलता की नई मिसाल बन रही है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के घोषित परिणामों में कोचिंग की दो छात्राओं आयुषी नामदेव और ज्योति यादव ने सफ्लता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। पूर्व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए नीट, जेईई तथा प्री एग्रीकल्चर टेस्ट जैसी परीक्षाओं की नि:शुल्क कोचिंग की शुरुआत की थी।

शुभारंभ पर प्रभारी मंत्री ने कहा था यह सराहनीय प्रयास है – जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष विभाग मंत्री इंदर सिंह परमार ने समर्पण कोचिंग सेंटर के शुभारंभ अवसर पर कहा था कि जिस प्रकार से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने नीट, जेईई और एमपी पीएससी और पीएटी की तैयारी के लिए योजना बनाई और सफलता की ओर उसको आगे बढ़ाया इसके लिए उनको मैं धन्यवाद कहता हूं। जिले के गरीब और कमजोर वर्ग के विद्यार्थी की सबसे बड़ी चिंता को दूर करने का प्रयास किया यह सराहनीय है। इसी क्रम में एमपीपीएससी की तैयारी के लिए भी समर्पण कोचिंग प्रारंभ की गई। इसके लिए सोशल मीडिया के माध्यम से गूगल फॉर्म जारी किए गए थे जिनमें पोस्ट ग्रेजुएटए ग्रेजुएशन एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए। चयनित विद्यार्थियों की प्रवेश परीक्षा के बाद नि:शुल्क कोचिंग शुरू हुई। अगस्त माह से आदर्श महाविद्यालय में प्रारंभ हुई इस कोचिंग में विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन मिला। दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए वाहन व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई थी।

युवक के साथ मारपीट

हटा। हटा नगर के शिव शक्ति मंदिर के सामने किराए के मकान को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में घायल युवक को उपचार के लिए सिविल अस्पताल हटा में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभम पटेल पिता परशुराम पटेल उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी राजाबंदी पटेरा हाल निवास चंडी जी मंदिर क्षेत्र हटा किराए के मकान और एडवांस राशि वापस मांगने को लेकर हुए विवाद में घायल हो गया। घायल शुभम पटेल का आरोप है कि दो लोगों ने उसके साथ मारपीट की तथा सिर पर सरिया से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर हटा थाना पुलिस सिविल अस्पताल पहुंची और घायल के बयान दर्ज किए। पुलिस ने आरोपी जयकुमार पिता गोपाल सेन निवासी नवोदय वार्ड के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 296 (बी) 115 (२) एवं 351 (२) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौरीशंकर वार्ड स्थित मोक्षधाम में चला स्वच्छता अभियान

हटा। गौरी शंकर वार्ड स्थित मोक्षधाम को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से समाजसेवियों द्वारा रविवार को श्रमदान किया गया। हर रविवार की तरह इस बार भी समाजसेवियों ने मुक्तिधाम परिसर में पहुंचकर साफ सफाई अभियान चलाया और उगी हुई खरपतवार को हटाया। इस दौरान परिसर में लगाए गए पौधों की देखरेख करते हुए उनकी जड़ों में मिट्टी डाली गई तथा नगर पालिका के टैंकर के माध्यम से करीब 100 पौधों को पानी दिया गया। समाजसेवियों ने मुक्तिधाम परिसर को हरित और स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प भी दोहराया। राजाराम गोस्वामी ने कहा कि समाज सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति जीवित रहते हुए समाज का हिस्सा होता है, उसी प्रकार उसे समाजहित के कार्यों में आगे बढ़कर योगदान देना चाहिए।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकारगण श्री रामहित भुंजवा पिता स्व.श्री रामकुमार भुंजवा एवं श्रीमती कमलेश भुंजवा पति श्री रामहित भुंजवा ,निवासी-म.नं .2526, करिया पाथर मरघटाई मार्ग,पूर्वी घमापुर,जिला-जबलपुर के निर्देश पर उनकी दी गई जानकारी के अनुसार सर्वसाधारण को निम्नलिखित आम सूचना द्वारा सूचित करता हूँ कि :-

1. यह कि, मेरे पक्षकारगण श्री रामहित भुंजवा एवं श्रीमती कमलेश भुंजवा द्वारा जबलपुर जिले में स्थित अपनी प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति को अपनी कड़ी मेहनत तथा गाड़े खून-पसीने की कमाई से बनाया-बढ़ाया गया है।

2. यह कि, मेरे पक्षकार गण - श्री रामहित भुंजवा एवं श्रीमती कमलेश भुंजवा के पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा के सोशल मीडिया जाल में फंसकर बुरी संगती का शिकार होकर, उसके परिवार विरोधी हो जाने के चलते मेरे पक्षकारगण व् उसके परिवार को लगातार सामाजिक, मानसिक व आर्थिक तौर से निरंतर प्रताड़ित होना पड़ रहा है जिससे मेरे पक्षकारगण की पारिवारिक सुख-शांति व् सामाजिक मान-प्रतिष्ठा अत्याधिक धूमिल/खराब हो गई है, इस कारण मेरे पक्षकारगण द्वारा अंततः निर्णय लेकर अपने पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा को अपनी जबलपुर जिले में स्थित प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति से बेदखल कर घर से निकाल दिया गया है,और इसके पश्चात से पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा का मेरे पक्षकारगण की जबलपुर जिले में स्थित प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति पर कोई अधिकार नहीं होगा एवं मेरे पक्षकारगण के पुत्र-ईशान भुंजवा द्वारा किये गये किसी भी व्यक्ति के साथ किये गये संव्यवहार/ वित्तीय व्यवहार/ कर्ज/ बैंक ऋण का मेरे पक्षकारगण या उनके परिवार से कोई लेना-देना या दायित्व नहीं रहेगा। मेरे पक्षकारगण के पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा के द्वारा पूर्व में या भविष्य में किसी भी व्यक्ति/ वित्तीय संस्था/ बैंक द्वारा कोई लेन-देन या किसी प्रकार का व्यवहार किया गया हो या भविष्य में किया जाता है तो वह भी उसकी स्वयं की जवाबदारी है या होगी, उस व्यवहार या लेन-देन का मेरे पक्षकारगण या उनके परिवार से कोई लेना-देना नहीं रहेगा, ना ही मेरे पक्षकार गण के पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा द्वारा मेरे पक्षकारगण की जबलपुर जिले में स्थित समस्त जमीन-जायदाद, संपूर्ण चल-अचल सम्पति व अपने घर-परिवार में किसी प्रकार का कोई अधिकार जताया जाता है तो वह भी शून्य माना जावेगा, क्योंकि मेरे पक्षकारगण द्वारा जबलपुर जिले में स्थित अपनी प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति को अपनी कड़ी मेहनत तथा गाड़े खून-पसीने की कमाई से बनाया-बढ़ाया है, इस कारण मेरे पक्षकारगण को अपने पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा को अपनी जबलपुर जिले में स्थित अपनी प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति से बेदखल करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। मेरे पक्षकारगण के द्वारा अपने पुत्र-ईशान भुंजवा पिता श्री रामहित भुंजवा को अपने प्राप्त-अर्जित संपूर्ण जमीन-जायजाद, घर-मकान, चल-अचल सम्पति से बेदखल किये जाने की सूचना जबलपूर जिला-कलेक्टर महोदय एवं जिला-पुलिस अधीक्षक को भी अलग से प्रेषित की जा रही है।

भवदीय
अजय गुप्ता (एडवोकेट)
निवास/कार्यालय-1492,उदय नगर-1
व्ही.एफ.जे.रोड,जबलपुर
(मो.9770832541)

जल गंगा अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

हटा की ऐतिहासिक तलैयों के पुनर्जीवन की उठी उम्मीद

हटा

नगर की वर्षों से उपेक्षित पड़ी ऐतिहासिक तलैयों के दिन अब बदलने की उम्मीद जगी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रशासन और जनसहयोग से इन प्राचीन जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में पहल शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। चण्डी जी की तलैया, गायत्री शक्तिपीठ के सामने स्थित तलैया और गौरीशंकर मंदिर की तलैया जो कभी आस्था, परंपरा और जल संरक्षण का केंद्र थींकृअब फिर से अपनी पहचान पाने की ओर बढ़ सकती हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इन जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के लिए आवाज उठाई है जिसे प्रशासन ने अभी तक गंभीरता से लेना शुरू नहीं किया है। मांग की जा रहा है कि इन तलैयों की साफ सफाई अतिक्रमण हटाने और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जावे। अभियान के तहत तलैयों से कचरा हटाया जाए। किनारों को व्यवस्थित किया जाए एवं धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किए जावे।

जनभागीदारी से बदलेगी तस्वीर- नगर के जागरूक नागरिकों ने भी इसमें भागीदारी दिखाने का प्रस्ताव किया है। समाजसेवी संगठनों का कहना है कि यदि प्रशासन के साथ मिलकर कार्य किया जाए तो ये तलैयां फिर से स्वच्छ और आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। इन तलैयों का संबंध केवल जल संरक्षण से ही नहीं बल्कि नगर की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से भी है। इनके पुनर्जीवन से न केवल पर्यावरण संतुलन बेहतर होगा बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था भी फिर से जुड़ सकेगी।

उम्मीदों की नई किरण- हटा की जनता को अब उम्मीद है कि जलगंगा अभियान केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि जमीनी स्तर पर भी बदलाव लाएगा। अगर यह पहल सफल होती है तो आने वाले समय में ये ऐतिहासिक तलैयां फिर से स्वच्छ जल और सुंदरता का प्रतीक बनकर उभरेंगी। गौरीशंकर वार्ड निवासी विनय प्रजापति ने आरोप लगाया कि गौरीशंकर की तलैया 10 वर्षो से इसी तरह गंदगी से भरी पड़ी है सुनते है कि अब सफाई होगी किन्तु नहीं होती। प्रवल पटेल, निखिल आदि ने इसी तरह के विचार चण्डी जी की तलैया के बारे में कहे कि इन तलैयों पर पहले मेला भरते थे लोग इनके किनारों पर आनंदित होते थे अब कचरे से ढक चुकी है इनसे बदबू फैल रही है। आरोप लगाया गया कि इन ऐतिहासिक तलैयों पर ध्यान नही दिया तो यह अस्तित्व खो देंगी जो कभी प्रमुख जल स्त्रोत हुआ करती थी। इस संबंध में सीएमओ राजेन्द्र खरे का कहना है कि फिलहाल जल गंगा संवर्धन अभियान और गंगा दशहरा पर सुनार नदी के हजारी घाट की सफाई की जाएगी जबकि पूर्व में गौरीशंकर की बाबड़ी की सफाई की जा चुकी है लेकिन तलैयों की सफाई का कोई प्रस्ताव नहीं है।

सूखने की कगार पर गांधीग्राम का प्रसिद्ध बंगला पान

सिहोरा के किसानों में चिंता की लहर

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । अपनी बेमिसाल मिठास और लाजवाब गुणवत्ता के लिए देशभर में मशहूर गांधीग्राम का प्रसिद्ध 'बंगला पान' इन दिनों भीषण गर्मी और जल संकट के कारण अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। गांधीग्राम, देवनगर और धरमपुरा के पान पान के खेतों में पानी का भारी अभाव हो गया है। सिंचाई का मुख्य सहारा रहने वाले पारंपरिक कुएं और कुइयां पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे पान की बेलें मुरझाने लगी हैं। संकट के इस दौर में बेबस किसान महंगे दामों पर बोरवेल का पानी खरीदकर किसी तरह अपनी फसल को जिंदा रखने की जद्दोजहद में जुटे हैं।

गंगा दशहरा पर होगा स्वच्छता श्रमदान

लोक निर्माण मंत्री ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राज्य शासन के निर्देशा नुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सोमवार 25 मई को सुबह 8 बजे से शहर के ऐतिहासिक और आस्था के केंद्र संग्राम सागर तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय नागरिकों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मंत्री श्री सिंह ने कार्यक्रम के पूर्व रविवार को संग्राम सागर तालाब परीसर क्षेत्र का पैदल भ्रमण का निरीक्षण किया ।

कड़ी निगरानी के बीच 17 परीक्षा केंद्रों में आयोजित हुई यूपीएससी परीक्षा

कलेक्टर ने किया निरीक्षण, आयोजित हुई डी-ब्रीफिंग बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नई दिल्ली द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज (प्रारंभिक) परीक्षा 2026 का आयोजन जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान कलेक्टर एवं कोऑर्डिनेशन सुपरवाइजर यूपीएससी परीक्षाएं राघवेंद्र सिंह द्वारा परीक्षा केंद्रो का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। यूपीएससी परीक्षा हेतु जबलपुर जिले के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी तथा परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि आयोग द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर ओपी हितैषी ने दोनों सत्रों के दौरान लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा परीक्षा संचालन की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया।

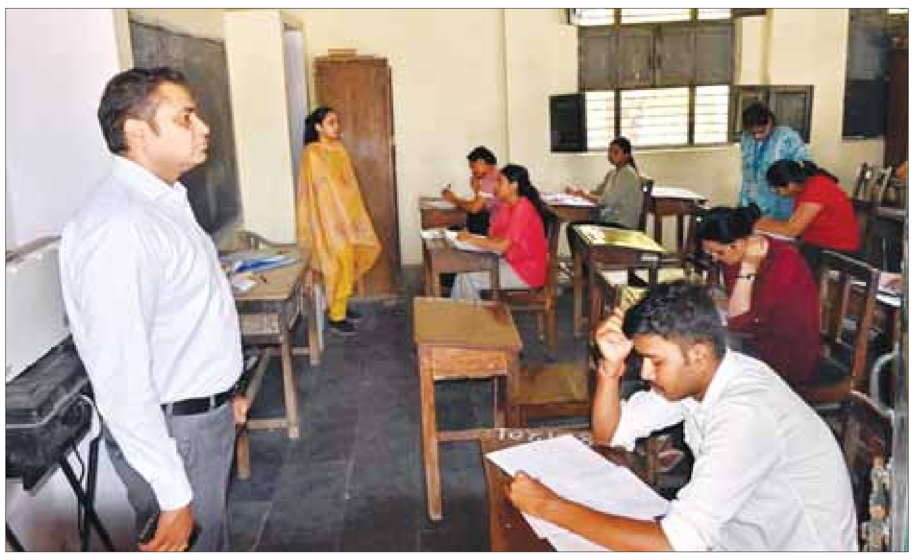

दो सत्रों में आयोजित हुई परीक्षा

प्रथम सत्र की परीक्षा हेतु जिले में कुल 5426 अभ्यर्थी नामांकित थे, जिनमें से 3612 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जबकि 1814 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम सत्र की परीक्षा प्रात: 9.30 बजे से 11.30 बजे तक आयोजित की गई। इसी प्रकार द्वितीय सत्र की परीक्षा दोपहर 2.30 बजे से 4.30 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस सत्र में 1859 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे जबकि 3567 ने अपनी परीक्षाएं दी। दोनों सत्रों की परीक्षा के सफल संचालन उपरांत सायं 6 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डी-ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा संचालन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आयोग के ऑब्जर्वर श्री ओ.पी. हितैषी ने कहा कि यदि परीक्षा संचालन के दौरान कहीं कोई छोटी-मोटी कमी रह गई हो तो उन्हें चिन्हित कर आगामी परीक्षाओं में पूर्ण रूप से दूर किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा सकें। डी-ब्रीफिंग बैठक में नोडल अधिकारी रघुवीर सिंह मरावी एवं परीक्षा समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने भी परीक्षा संचालन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं अनुभवों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा सफल परीक्षा संचालन हेतु संलग्न समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति साधुवाद ज्ञापित किया। बैठक में परीक्षा संचालन समिति के प्रभारी डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह मरावी, एग्जाम कोऑर्डिनेटर डॉ प्रमोद श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अब नियमित होगा जबलपुर से पुणे और बांद्रा के लिए ट्रेनों का संचालन

जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्षों से लंबित जबलपुर-पुणे एवं जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों का नियमित संचालन रविवार से प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, अजय बिश्नोई, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, जबलपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी अध्यक्ष संदीप जैन, डीआरएम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने जबलपुर को मिली इस महत्वपूर्ण रेल सौगात पर नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों के संघर्ष, प्रयास और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से सांसद आशीष दुबे और राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जबलपुर के विकास के लिए लगातार आवाज उठाई गई, जिसका परिणाम अब सामने आ रहा है।

लंबे समय से थी संचालन की मांग

श्री सिंह ने कहा कि रेलवे शहर की पहचान होने के बावजूद अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा था, लेकिन वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की नई दिशा बनी है। राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मांग को लेकर प्रयासरत थे। कोरोना काल के दौरान यह प्रक्रिया प्रभावित जरूर हुई, लेकिन जनप्रतिनिधियों और जनता के निरंतर प्रयासों से आज यह मांग पूरी हुई है।

सांसद श्री दुबे ने कहा कि जब भी जबलपुर के हित में सामूहिक रूप से आवाज उठाई गई, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार जबलपुर की जनता की भावनाओं को समझते हुए क्षेत्र को अनेक रेल सुविधाएं प्रदान की हैं। उपस्थित सभी अतिथियों ने जबलपुर-पुणे और जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

महाकौशल विश्वविद्यालय के कैंपस ड्राइव में चयनित हुए दर्जनों विद्यार्थी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकौशल विश्वविद्यालय में आयोजित कैंपस ड्राइव में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एमआरएफ कंपनी द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले में छात्र-छात्राओं ने इंटरव्यू एवं चयन प्रक्रिया में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। कैंपस ड्राइव के लिए कुल 665 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया साथ ही इंटरव्यू संपन्न होने के बाद 132 से अधिक विद्यार्थी चयनित हुए हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनिल तिवारी ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समय में कौशल आधारित शिक्षा और रोजगार के अवसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।

कुलसचिव डॉ. राजेश तिवारी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर मुख्य वित्त और लेखा अधिकारी मनीष कुमार शुक्ला कार्यक्रम संयोजक डा. जीजी बार्ली, डॉ सुधांशु सिंह, डॉ निमिषा तिवारी, डॉ.डीके मिश्रा, विशाल मिश्रा, अवधेश यादव आदि उपस्थित रहे।

एआईडीईएफ यूनियन संगठन ने दी मजदूरों को मजबूती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के डिफेंस इंडस्ट्री में मज़दूर आंदोलन के शानदार इतिहास के धारक और वाहक के रूप में खुद को स्थापित करने वाला एआईडीईएफ अपने 73वें साल में प्रवेश कर चुका है। उक्त बांते कहते हुए मप्र के मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास ने जानकारी देते बताया 24 मई, 1953 को स्थापित एआईडीईएफ आज़ादी के बाद से भारत के डिफेंस प्रोडक्शन सिस्टम को मज़बूत करने, मज़दूरों के उचित अधिकारों को स्थापित करने, काम पर सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने और मज़दूर एकता की नींव को मज़बूत करने योगदान दिया है। इस लंबे सफ़र में एआईडीईएफ सिर्फ़ एक ट्रेड यूनियन संगठन ही नहीं, बल्कि मज़दूरों की उम्मीदों और उम्मीदों, अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक न्याय की एक मज़बूत आवाज़ भी बनकर उभरा है। अलग-अलग समय पर वेतन में बदलाव, नौकरी की सुरक्षा, मज़दूरों की भलाई, पेंशन, इलाज और दूसरी जायज़ मांगों के संघर्ष ने हमें प्रेरणा दी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन पाठक ने कहा डिफेंस इंडस्ट्री में कॉर्पोरेटाइज़ेशन, प्राइवेटाइज़ेशन, मज़दूर विरोधी नीतियों और लेबर लॉ में बदलाव का मौजूदा ट्रेंड, जिससे मज़दूरों और कर्मचारियों के अधिकारों को कम किया जा रहा है, बहुत चिंता की बात है। इस दौरान रोहित यादव ,विनय गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह, सुकेश दुबे ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाने में 61 वर्षीय तारा बाई सेन निवासी ग्राम कालादेही ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 मई को वह अपने घर कालादेही से जन्मदिन में शामिल होने जबलपुर शाम निकली थी। उसके भूरे रंग के पर्स में लगभग 20 हजार रूपये थे, घर में ही पर्स छोड़कर गई थी। 23 मई को दोपहर को पड़ोसी ने फोन पर बताया कि घर का ताला टूटा है पर्स व अन्य सामान आंगन पर बिखरा पड़ा है। वह घर आकर देखी पर्स व अन्य छोटे छोटे सामान आंगन पर बिखरे पड़े थे और घर का ताला व कुंदा निकले हुये थे। पर्स चैक करने पर 20 हजार रूपये नहीं थे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया।

रेल्वे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक कर यात्रियों को पर्यावरण के प्रति किया प्रेरित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट एवं गाइड में दिनेश कुमार कलामे अपर मंडल रेल प्रबंधक वरूण चतुर्वेदी मंडल कार्मिक अधिकारी स्वतंत्र प्रभार, नितेश कुमार सोने मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सचिपति नंदन सहायक कार्मिक अधिकारी कल्याण एवं जिला सचिव स्काउट अनिल चौबेए के कुशल मागदर्शन पर रेल्वे स्टेशन जबलपुर में विश्व पर्यावरण दिवस कैपेन 15 मई से 05 जून के तहत स्टेशन पर पर्यावरण संबंधित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति यात्रीगणों के समस्त की गई। एवं जागरूकता हेतु आमजनता को शपथ दिलाई गई जिसमें रेल कलाकार रजनीश यादव, अनिल पाली, संजीव तिवारी, आदि स्काउट गाइड के सदस्य शामिल हुए।

अलमारी में रखी नगदी और जेवर ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन थाने में 31 वर्षीय पलक पटेल निवासी चौपाटी वार्ड पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि बीती रात परिवार सहित ग्वारीघाट गयी थी । घर पर कोई नहीं था अंदर सभी दरवाजों, मेन गेट में ताला लगा था रात लगभग डेढ़ बजे ग्वारीघाट से भंडारा कर वापस आये गाडी से उतर कर वह एवं छोटी बहन भूमि व कसिस तीनों मेन गेट का दरवाजा खोले इतने में एक व्यक्ति दीवाल कूदकर भाग गया और एक व्यक्ति छत के पीछे से कूद कर भाग गया।

वाहनों की आड़ में लग रहा शराबियों का अड्डा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के अति प्राचीन मंदिर जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक में बिना प्रबंध न्यासी की अनुमति के परिसर में वाहन खड़ा कर शराब पीने का मामला सामने आया है। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोकन्यास के प्रबंध निवासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल (अधिवक्ता) ने बताया कि मंदिर प्रांगण में शराब जुआ सट्टा एवं गांजा पीने वालों का अड्डा बन चुका है, जिसकी शिकायत द्वारा थाना प्रभारी लार्डगंज एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दी गई है। लेकिन आज दिनांक तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

प्रबंध निवासी द्वारा दिनांक 23 में 2026 को आदेश दिया गया है, मंदिर प्रांगण आस्था अर्चना प्रार्थना और शान्ति का केन्द्र है । क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

बीमारी में लाभदायक होना चाहिए जैनरिक दवाइयां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सीनियर्स सिटीजनों को जैनरिक मेडिसन से परहेज नही है, बशर्ते ब्रांडेड कंपनी की और बीमारी में लाभदायक होना चाहिए। उक्त बांते केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी न 4 के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ आर पी रावत की अध्यक्षता में नगर के वरिष्ठ नागरिकों के विभिन्न संगठन सलाहकार प्रतिनिधि एम एन सिंह, गुरमुख दास, अनिल शुक्ला, नरेंद्र कोचर, राजेश सोनी, सुरेश चंद तिवारी, के साथ मासिक बैठक डिस्पेंसरी न 4 हेड पोस्ट ऑफिस परिसर कही गई। अनिल शुक्ला ने बताया की सभी सलाहकार प्रतिनिधिओं ने लाभार्थीयों के बेहतर इलाज, परामर्श के लिए डिस्पेंसरी के डॉक्टरों एवं स्टाफ की कार्यशैली पर संतुष्टी व्यक्त किया। बैठक के अंत में डिस्पेंसरी स्टाफ प्रदीप सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान डिस्पेंसरी स्टाफ मनोज कुमार, लव डांगी, जितेंद्र कुमार, प्रदीप सिंह, आनन्द कुमार, रवि दहायट, गोपाल भट्ट, हेमराज आर्मो उपस्थित रहे।

पूरे देश में लागू हो कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की तकनीक

केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्लांट का निरीक्षण कर कार्यों का सराहा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री टोखन साहू ने शहर के स्वच्छता अभियान के कार्यों का जमीनी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का बारीकी से अवलोकन किया और इसे एक अनुकरणीय मॉडल बताते हुए कहा कि इस तकनीक और कार्यप्रणाली को पूरे देश में लागू करने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्लांट की कार्यप्रणाली, कचरे से बिजली बनाने की प्रक्रिया और इसके पर्यावरणीय लाभों के बारे में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। नगर निगम के नवाचारों से प्रभावित होकर उन्होंने कहा जबलपुर नगर निगम ने स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में जो नए प्रयोग किए हैं, वे वाकई काबिले-तारीफ हैं। कठौंदा का यह प्लांट कचरे के सही निपटान के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादन का एक बेहतरीन उदाहरण है। देश के अन्य शहरों को भी इससे सीख लेनी चाहिए।

एसटीपी प्लांट का भी किया मुआयना

कठौंदा प्लांट की सराहना करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने शहर के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया और वहां उन्होंने जल शोधन की व्यवस्थाओं और प्लांट की क्षमता को देखा। पानी को रीसायकल कर उसे पुन: उपयोग में लाने के नगर निगम के प्रयासों की उन्होंने जमकर सराहना की एवं परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। इसी कड़ी में केन्द्रीय राज्य मंत्री टोखन साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी जबलपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं और लोक-कल्याणकारी कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने शहर में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सेवाओं में किए गए बेहतरीन नवाचारों के लिए उनके प्रयासों की जमकर सराहना की।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट थाने में 40 वर्षीय बसोरी उर्फ कृष्णा गौड़ निवासी धनेटा थाना पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसका साला मनोज कुमार उसके गांव धनेटा आया था कुछ समय रहकर धनेटा से जबलपुर जाने की कहकर निकला था। शाम को गांव के अरविंद सिंह ने उसे फोन लगाकर बताया कि तुम्हारे साले मनोज कुमार का एक्सीडेंट ग्राम सहजपुर में पुल के ऊपर हो गया है। वह तुरंत ग्राम सहजपुर ब्रिज गया जहां उसका साला मनोज कुमार मृत अवस्था में रोड किनारे पड़ा था उसके सिर में चोट थी तथा पल्सर मोटर सायकल भी बाजू में पड़ी थी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**